शर्मा হার্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 01 | गुवाहाटी | मंगलवार, 25 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

गुवाहाटी के कई थानों के ओसी का हुआ तबादला पेज 3

प्रधानमंत्री मोदी 12 अगस्त को सागर में बनने वाले संत रविदास मंदिर ... पेज 4

वृहत्तर भारत के कंकड़-कंकड़ में भगवान शंकर : योगी पेज 5

मंत्रियों और विधायकों ने मारा, लाल डायरी छीन ली पेज 8

एससी ने परिसीमन प्रक्रिया पर रोक लगाने से किया इनकार

केंद्र और ईसी से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने असम में चुनाव आयोग की परिसीमन प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग को परिसीमन प्रक्रिया शुरू करने का अधिकार देने वाले कानूनी प्रावधान की वैधता की जांच करने पर सहमत हो गया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने असम में लोकसभा, विधानसभा सीटों के परिसीमन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र और चुनाव आयोग से जवाब भी मांगा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने असम में लोकसभा और विधानसभा सीटों के लिए परिसीमन जारी रखने के निर्णय पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। दरअसल, असम के 126 विधानसभा क्षेत्रों और 14 लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन के लिए भारतीय चुनाव आयोग के हालिया मसौदा प्रस्ताव को चुनौती देने वाली असम के विपक्षी नेताओं की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से तीन हफ्ते के भीतर हलफनामा दाखिल करने को कहा है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने असम में शुरू की गई चुनाव आयोग की परिसीमन प्रक्रिया पर रोक लगाने से भी इनकार कर दिया और कहा कि वह राज्य में परिसीमन अभ्यास के संबंध में कोई और कदम उठाने के लिए चुनाव आयोग को रोकने वाला कोई आदेश जारी नहीं करेगा।

सीएम शर्मा ने बताई ट्विटर बायो में इंडिया की जगह भारत लिखने की वजह

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को विपक्षी गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने कांग्रेस से भाजपा तक की अपनी *यात्रा* को दर्शाने के लिए अपने ट्विटर बायो में इंडिया की जगह भारत लिखा है। 18 जुलाई को बंगलूरु बैठक में विपक्षी गठबंधन द्वारा अपना नाम इंडिया (भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन) घोषित करने के तुरंत बाद शर्मा ने अपने ट्विटर बायो को *मुख्यमंत्री असम, इंडिया* से *मुख्यमंत्री, असम, भारत* में बदल दिया था। उन्होंने इस बारे में सोमवार को एक ट्वीट कर कहा कि अपने पिछले बायो में मैंने असम, इंडिया का उल्लेख किया था। हालांकि, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से भारतीय जनता पार्टी तक की अपनी यात्रा के बाद मैं इसे अपडेट करना भूल गया था। अब, मैंने गर्व से अपना बायो बदलकर असम, भारत कर लिया है। कांग्रेस के कुछ मित्र मुझसे पूछ रहे हैं कि मैंने अपना बायो क्यों बदला। मुझे उम्मीद है कि यह स्पष्टीकरण उन्हें संतुष्ट करेगा। ट्विटर बायो में बदलाव करते हुए शर्मा ने कहा कि सभ्यतागत संघर्ष इंडिया और भारत के आसपास केंद्रित है। हमें खुद को औपनिवेशिक विरासतों से मुक्त करने का प्रयास करना चाहिए। सीएम शर्मा पर पलटवार करते हुए कांग्रेस ने कहा था कि उन्हें यह बात प्रधानमंत्री को बतानी चाहिए जिन्होंने सरकारी योजनाओं को *स्किल इंडिया* और *स्टार्ट-अप इंडिया* जैसे नाम दिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि क्या असम के मुख्यमंत्री के मुंह में खट्टे अंगूरों की बहुतायत है? उनके नए गुरु मोदी ने हमें स्किल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया और डिजिटल इंडिया दिए हैं - ये सभी चल रहे कार्यक्रमों के नए नाम हैं। उन्होंने (मोदी ने) विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों से *टीम इंडिया* के रूप में मिलकर काम करने को कहा है। यहां तक कि उन्होंने वोट इंडिया की अपील भी की है! कांग्रेस महासचिव प्रभारी (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने कहा कि इंडिया इज भारत, और भारत इज इंडिया। उन्होंने कहा कि मिस्टर शर्मा, इंडिया को गलत नजरिए से देखना बंद करें। यह देखें कि हमें क्या एकजुट करता है - हमारी देशभक्ति, हमारा -शेष पृष्ठ दो पर

धेमाजी ब्लास्ट मामला में कोर्ट ने छह लोगों को सुनाई सजा

गुवाहाटी। असम के धेमाजी स्कूल में 2004 में हुए बम ब्लास्ट मामले में कोर्ट ने फैसले सुनाते हुए छह लोगों को दोषी करार दिया है और बाकी आठ लोगों को बरी कर दिया गया है। हालांकि कोर्ट ने अभी सजा का ऐलान नहीं किया है। 15 अगस्त, 2004 को धेमाजी स्कूल में आतंकवादी समूह यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) द्वारा विस्फोट किया गया था। बता दें कि पुलिस ने इस मामले में 15 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। जिनमें से एक मौजूद नहीं है। बरी किए गए लोगों में मिनू बोरा, जोया चेतिया, जितेन चेतिया, अफ्सरा बोरा, गोविंद कालिता, जयचंद्र चेतिया, चंद्रनाथ गोगोई तथा मोहन चेतिया शामिल है। सूत्रों का कहना है कि कोर्ट का यह फैसला 15 लोगों की गवाही के बाद लिया गया है। गौरतलब है कि असम के धेमाजी स्कूल में 2004 में स्वतंत्रता दिवस पर बम ब्लास्ट हुए थे। -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रह्मपुत्र नद के नीचे सुरंग निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री गडकरी से की चर्चा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से नई दिल्ली में मुलाकात कर गोहपुर और नुमलीगढ़ के बीच ब्रह्मपुत्र नद के नीचे सुरंग बनाने को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने असम से संबंधित विभिन्न योजनाओं पर भी केंद्रीय मंत्री गडकरी से चर्चा की। सोमवार को एक ट्वीट कर मुख्यमंत्री ने कहा है कि केंद्रीय मंत्री गडकरी से मिलना हमेशा लाभप्रद होता है। उनसे सीखने को -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी से की मुलाकात

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी के साथ पीएम-डिवाइन और एनई-स्पेशल इंफ्रा डेवलपमेंट स्कीम को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया कि केंद्रीय मंत्री के साथ उनकी बातचीत बेहद सार्थक रही है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने केंद्रीय मंत्री रेड्डी से मुलाकात पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए बताया कि असम में केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के अधीनस्थ महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रभावशाली प्रगति की समीक्षा की गई। -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मणिपुर : केंद्रीय मंत्री के घर पर फिर हुआ हमला

इंफाल। केंद्रीय मंत्री आर.के. रंजन सिंह के यहां स्थित आवास के बाहर महिलाओं की एक रैली ने उस वक्त उग्र रूप धारण कर लिया, जब प्रदर्शनकारियों ने उस पर (आवास पर) पथराव किया। प्रदर्शनकारी, मंत्री से जातीय हिंसा प्रभावित राज्य में स्थिति पर संसद में बयान देने की मांग कर रहे थे। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री सिंह के आवास पर दो महीने में हुआ यह दूसरा हमला है। इस बीच, मणिपुर विश्वविद्यालय के छात्रों ने राज्य में शांति बहाल करने की मांग करते हुए दिन में एक रैली निकाली। पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे क्योंकि युवक उस इलाके से गुजर रहे थे, जिसमें उन्हें रैली करने की अनुमति नहीं थी। कांगपोकपी जिले में चार मई को हुई एक घटना का वीडियो सामने आने के कुछ दिन बाद ये घटनाएं हुई हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम छोड़कर मैतेई समाज के लोग पहुंचे कछार

पुलिस अधीक्षक ने शरणार्थियों से की पूछताछ

कछार (हि.स.)। मिजोरम के पूर्व उग्रवादियों के संगठन *पीस एकॉर्ड एमएनएफ रिटर्नीज एसोसिएशन* (पीएएमआरए या पामरा) के एक बयान के बाद मिजोरम छोड़कर असम के कछार जिले में बड़ी संख्या में मणिपुरी मैतेई पहुंच रहे हैं। कछार पुलिस अधीक्षक नोमाल महतो के अनुसार मिजोरम के गृह विभाग के सुरक्षा आश्वासनों और स्वयं *पामरा* संगठन के दिए गए बयानों के स्पष्टीकरण के बावजूद, मैतेई समुदाय के 82 लोग अत्यधिक असुरक्षा के कारण लेंगपुई हवाई अड्डे से पैदल चलकर रविवार को सीमावर्ती कछार जिले में पहुंचे। उन्होंने बताया कि जिले के लक्षीपुर थाना क्षेत्र के बिन्नाकांदी दक्षिण बराक सामुदायिक भवन में पहले से ही महिलाओं समेत मणिपुरी मैतेई समुदाय के करीब 79 लोगों ने शरण ले रखी है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इससे पहले शनिवार की रात 19 लोगों ने और रविवार को 41 लोगों ने इस सामुदायिक भवन में शरण ली थी। उन्होंने बताया कि रविवार को 22 और लोग मिजोरम से सड़क मार्ग से यहां पहुंच गए हैं। पुलिस अधीक्षक महतो ने यह भी कहा कि मिजोरम में कम से कम तीन से चार हजार मैतेई समुदाय के लोग हैं। यहां आज और भी लोगों के आने की संभावना है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रविवार -शेष पृष्ठ दो पर

Door Graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मणिपुर मुद्दे पर तीसरे दिन भी बगैर काम काज के स्थगित हुई लोकसभा

नई दिल्ली। लोकसभा में मणिपुर मुद्दे पर विपक्ष के भारी हंगामे के कारण सत्र के तीसरे दिन सोमवार को भी कोई कामकाज नहीं हुआ और तीन बार के स्थगन के बाद अध्यक्ष ओम बिरला को सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। लोकसभा की कार्यवाही चौथी बार ढाई बजे अध्यक्ष ओम बिरला ने जैसे ही शुरु की विपक्षी सदस्य पहले की तरह आसन के सामने आ गए और हंगामा तथा नारेबाजी करने लगे। हंगामा कर रहे सदस्य होथों में तख्तियां थीं। अध्यक्ष ने सदस्यों से हंगामा नहीं करने का आग्रह किया -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक में संशोधन की तैयारी में केंद्र

पीओके के लिए एक और कश्मीरी पंडितों के लिए दो सीट किए जा सकते हैं आरक्षित

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर में चुनाव कराने के लिए एक बड़ा कदम क्या हो सकता है। केंद्र पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से विस्थापित व्यक्तियों के लिए राज्य विधानसभा में एक सीट और कश्मीरी पंडितों के लिए दो सीटें आवंटित करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 में संशोधन करने की योजना बना रहा है। विस्थापित व्यक्ति वे हैं जो 1947 में जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों से पलायन कर गए हैं और अब नियंत्रण रेखा के दूसरी ओर हैं। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 को मंजूरी के लिए लोकसभा में पेश किया जाएगा। ये आरक्षण उनके राजनीतिक अधिकारों के साथ-साथ उनके समग्र सामाजिक और आर्थिक विकास के संरक्षण के लिए किया जा रहा है। इन सदस्यों को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल द्वारा नामित किया जाएगा। गौरतलब है कि हालिया परिसीमन प्रक्रिया के बाद जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सीटों की संख्या 107 से बढ़कर 114 हो गई है, जिसमें नौ सीटें अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

चीन में स्कूल के जिम की छत ढह जाने से नौ लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के हेलुंगजांग प्रांत के क्विक्विहार शहर में एक स्कूल की जिम की छत ढह जाने से 9 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। लोंगशा जिले के नंबर 34 मिडल स्कूल में करीब 1,200 वर्ग मीटर के क्षेत्र में बने जिम की रविवार को जब छत गिरी, उस समय उसमें 19 लोग थे। नगर निगम तलाश एवं बचाव मुख्यालय ने बताया कि चार लोग इस हादसे में बच गए, लेकिन 15 लोग फंस गए। सरकारी समाचार समिति *शिन्हुआ* -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
अर्थ का आधार राज्य है।
- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

मणिपुर हिंसा : आज देश भर में विरोध प्रदर्शन करेगी आप

नई दिल्ली (हि.स.)। मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर आम आदमी पार्टी मंगलवार को देशभर में विरोध प्रदर्शन करेगी। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से तत्काल दखल देने की मांग भी की है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने सोमवार को बताया कि मणिपुर पिछले तीन महीनों से हिंसा और वहशीपन की आग में दहक रहा है। वहां सरेआम लोगों को मारा-काटा और मकान जलाए जा रहे हैं। महिलाओं के साथ बर्बरता की हदें पार की जा रही हैं, लेकिन वहां की -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञानवापी मामला : साढ़े पांच घंटा चला सर्वे सुप्रीम आदेश के बाद रुक गया अभियान

वाराणसी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने सोमवार सुबह सात बजे से सील वजूखाने को छोड़कर ज्ञानवापी परिसर के शेष हिस्से का सर्वे शुरू कर दिया। करीब साढ़े पांच घंटे तक इमारत के पूर्वी, पश्चिमी, उत्तरी और दक्षिणी दीवार की माप-जोख डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (डीजीपीएस) से की गई। दीवारों की फोटो खींची गई और वीडियोग्राफी कराई गई। इमारत की नींव के पास से मिट्टी और ईंट-पत्थर के नमूने जुटाए गए। इसी बीच पता चला कि सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (26 जुलाई) शाम पांच बजे तक सर्वे पर रोक लगा दी है। इसके बाद डीएम, मंडलायुक्त और वादी पक्ष के साथ ही एएसआई की टीम ज्ञानवापी परिसर से बाहर चली गई। इससे पहले अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी ने सर्वे का बहिष्कार किया था। मसाजिद कमेटी की तरफ से कोई प्रतिनिधि ज्ञानवापी परिसर नहीं पहुंचा था। सुबह सात बजे से दोपहर साढ़े बारह बजे तक टीम ज्ञानवापी परिसर में रही। ज्ञानवापी परिसर से बाहर आईं हिंदू पक्ष की चार वादिनी और -शेष पृष्ठ दो पर

अंजू से शादी का कोई इरादा नहीं : नसरुल्ला

नई दिल्ली। पाकिस्तान के दूर दराज के गांव में फेसबुक के जरिये बने अपने पुरुष मित्र से मिलने आई भारतीय विवाहिता महिला अंजू वीजा की अवधि पूरी होने पर 20 अगस्त को स्वदेश लौट जाएगी। यह जानकारी अंजू के पाकिस्तानी मित्र नसरुल्ला ने सोमवार को दी जिससे मिलने वह यहां आई हुई है। नसरुल्ला ने इसके साथ ही अंजू से प्रेम संबंध होने की दावों को भी खारिज कर दिया। नसरुल्ला (29) ने कहा कि उसकी 34 वर्षीय अंजू से विवाह करने की कोई योजना नहीं है। अंजू का जन्म उत्तर प्रदेश के कैलोर गांव में हुआ था और वह राजस्थान के अलवर में रहती थी। नसरुल्ला और अंजू की दोस्ती 2019 में फेसबुक के माध्यम से हुई थी। नसरुल्ला ने कहा कि अंजू पाकिस्तान आई हुई है और हमारी शादी करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि वह 20 अगस्त को वीजा अवधि समाप्त होने पर अपने देश लौट जाएगी। अंजू मेरे घर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

लोकतंत्र के मंदिर की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए अनुशासन आवश्यक : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज अनुशासन की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि कभी-कभी अनुशासन बनाए रखने के लिए कठोर कदम उठाना अपरिहार्य हो जाता है अन्यथा लोकतंत्र के मंदिरों की प्रतिष्ठा का क्षय होने लगेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सभा के सभापति के रूप में उनका यही प्रयास रहा है कि लोकतंत्र के मंदिरों में अनुशासन रहे। उन्होंने कहा कि अनुशासन के बिना विकास संभव ही नहीं। उपराष्ट्रपति सोमवार को भारतीय वन सेवा के 54वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उठाए गए हाल के कदमों से बिचौलिए पावर ब्रोकर समाप्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि अब जब कानून अपना काम कर रहा है तो भ्रष्टाचार में फंसे लोगों पर आंच आ रही है। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रक्रिया से बचने के लिए सड़क पर प्रदर्शन किया जाना कैसे सही

ठहराया जा सकता है। भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को कानून की गिरफ्त से कैसे छूट दी जा सकती है। आर्थिक राष्ट्रवाद की वकालत करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि थोड़े से लाभ के लिए उपभोक्ताओं तथा व्यापारियों द्वारा विदेशी समान को प्राथमिकता देना सही नहीं। हम आर्थिक राष्ट्रवाद को नजरंदाज नहीं कर सकते, देश की आर्थिक प्रगति इसी पर निर्भर करेगी। धनखड़ ने कहा कि सभी को भारत की गौरवशाली ऐतिहासिक उपलब्धियों का गर्व होना चाहिए। विकास और प्रकृति के संरक्षण के बीच संतुलन की जरूरत पर बल देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि मानव प्रकृति का ट्रस्टी है। प्रकृति सदैव भारतीय सभ्यता का अंग रही है, प्रकृति का आदर करना हमारे संस्कारों का हिस्सा है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय वन सेवा के अधिकारी के रूप में वन और वन में रहने वाले मनुष्यों, तथा अन्य प्राणियों की सेवा करने का अवसर मिलेगा। उपराष्ट्रपति ने प्रशिक्षु अधिकारियों से अपेक्षा की कि वन में रहने वाले समुदायों की विशिष्ट प्रकृति सम्मत जीवन शैली के प्रति संवेदनशील रहें तथा उनकी जीवन शैली से सीखें। भारतीय वन सेवा के 54वें बैच के102 प्रशिक्षु अधिकारियों में भूटान के 2 अधिकारी भी सम्मिलित हैं। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, राज्यसभा सचिवालय तथा उपराष्ट्रपति सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इंडोनेशिया में नौका पलटी 15 की मौत, 19 लापता

जकार्ता (हि.स.)। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप के पास यात्री नौका पलटने से 15 लोगों की मौत हो गई। इस नौका दुर्घटना में 19 अन्य लोग लापता हैं। यह जानकारी राहत और बचाव अभियान प्रमुख मुहम्मद अराफा ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि इस नौका में क्षमता से ज्यादा यात्री सवार थे। यह नौका दक्षिण-पूर्व सुलावेसी प्रांत के बुटन सेंट्रल रीजेंसी के लांटो गांव से पास के लागिली गांव जा रही थी। इस नौका में 40 लोग सवार थे। इसकी क्षमता 20 लोगों की थी। अराफा ने कहा कि बचावकर्मी और गोताखोर 19 लोगों की तलाश कर रहे हैं। 15 शव बरामद हो चुके हैं। छह लोगों को बचा लिया गया है। रविवार को सेंट्रल रीजेंसी की नौवीं वर्षगांठ मनाने के लिए लोग यहां पहुंचे। कई लोगों को मछली पकड़ने या यात्री नौकाओं से यहां लाया गया था। उल्लेखनीय है इंडोनेशिया 17,000 से अधिक द्वीप हैं। यहां आवागमन के लिए नौका परिवहन बड़ा संसाधन है। 2018 में लगभग 200 लोगों से भरी नौका उत्तरी सुमात्रा प्रांत की एक झील में डूब गई थी। इस हादसे में 167 लोगों की मौत हो गई थी। फरवरी 1999 में यात्री जहाज डूब गया था। इसमें 332 लोग सवार थे। इनमें से मात्र 20 लोगों को खोजा जा सकता।

पोस्ट मास्टर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के मौइराबारी सहरिया गांव के पोस्ट मास्टर के खिलाफ स्थानीय लोगों ने सोमवार को जमकर नारेबाजी की। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि नगांव स्थित डाक विभाग के मुख्य कार्यालय के अधीन मौइराबारी सहरिया गांव के पोस्ट ऑफिस में पोस्ट मास्टर समय पर नहीं आता है। जिसकी वजह से स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच सोमवार को भी जब पोस्ट मास्टर दोपहर 12:00 बजे तक पोस्ट ऑफिस कार्यालय में नहीं पहुंचे तो स्थानीय लोगों ने पोस्ट ऑफिस में ताला लगाकर पोस्ट मास्टर के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। स्थानीय लोगों ने पोस्ट मास्टर को बदले जाने की गुहार लगाई है ।

ट्रक पलटने से गिरा था 15 लाख का टमाटर, देनी पड़ी जेड प्लस सुरक्षा

नई दिल्ली। देशभर में टमाटर की कीमत सातवें आसमान पर है। आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गई है। गरीब लोगों ने टमाटर खरीदना छोड़ दिया है। सबसे महंगी सब्जी में गिना जाने लगा है। कई किसान तो टमाटर बेचकर करोड़पती बन गए। कहीं टमाटर से लदी ट्रकों पर डाका पड़ गया। पूरा का पूरा ट्रक लूट लिया गया। किसान अपने खेतों की रखवाली कर रहे हैं। मंडियों में तो सुरक्षा गार्ड की तैनाती करनी पड़ी है। इसी तरह टमाटर को लेकर हर दिन कोई न कोई घटना सामने आ ही जाती है। कुछ दिनों पहले टमाटर से भरी एक ट्रक कर्नाटक से दिल्ली आ रही थी, जब तेलंगाना के आदिलाबाद जिले में पलट गई। आमतौर पर इस तरह की घटनाओं के बाद देखा जाता है कि लोग पहले लूटपाट करना शुरू कर देते हैं। ऐसे में पुलिस की एक टीम पहले ही मौके पर पहुंच गई। टमामटर को सुरक्षा दी। एक अन्य घटना तेलंगाना की है। यहां कोमराम जिले में टमाटर से भरी एक अन्य ट्रक पलट गई। मिनी ट्रक टमाटर की खेप लेकर जा रही थी जब एक तेज रफ्तार कार ने उसे ओवरटेक किया। कार को बचाने के चक्कर में ट्रक दुर्घटना का शिकार हो गया। ड्राइवर ने बताया कि ट्रक की रफ्तार ज्यादा तेज नहीं थी लेकिन तेज रफ्तार कार को साइड देने के चक्कर में उन्होंने अपना नियंत्रण खो दिया। ड्राइवर ने बताया कि ट्रक पलटने से टमाटर से भरा एक ट्रे नीचे गिर गया। बताया जा रहा है कि इसमें 15 लाख रुपए के टमाटर लदे थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि वे मौके पर पहुंचे और टमाटर के ट्रे को बंदूकों के साथ सुरक्षा प्रदान की। उन्हें डर था कि दुर्घटना स्थल से टमाटर की लूट हो सकती है। कुछ दिनों पहले ही कर्नाटक के बेलूर में एक महिला के खेत से ढाई लाख रुपए के टमाटर की चोरी हो गई थी। सोमनहल्ली गांव में 4 जुलाई की रात एक साजिश के तहत इस चोरी को अंजाम दिय गया। टमाटर के 50-60 बैग चोर लेकर फरार हो गए थे।

साधु-संत हमारी धरोहर, संरक्षण हमारा दायित्व : जैन

बाड़मेर। राजस्थान सरकार द्वारा जैनाचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी मुनिराज एवं सकल जैन समाज की पुरजोर मांग एवं भावना की कद्र करते हुए 22 जुलाई को जैन संस्कृति, साधु-सन्तों की सुरक्षा व संरक्षण को लेकर राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड के गठन की घोषणा करते हुए राजकीय सूचना जाहिर की। जिस पर संपूर्ण जैन समाज में खुशी की लहर है। संपूर्ण जैन समाज ने राज्य सरकार का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया। जिस कड़ी में राज्य गोसवा आयोग अध्यक्ष व बाड़मेर विधायक मेवाराम जैन की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए रविवार को जैन न्याति नोहरे में जैन श्रीसंघ, बाड़मेर की ओर से राज्य सरकार का आभार एवं विधायक महोदय का अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जैन श्रीसंघ, बाड़मेर के महामंत्री किशनलाल वडेरा ने बताया कि जैन धर्म, संस्कृति व साधु-सन्तों की सुरक्षा व संरक्षण को लेकर पिछले लंबे

समय से सकल जैन समाज की ओर से मांग की जा रही थी। जिस पर 31 जनवरी को राजस्थान विधानसभा में बाड़मेर विधायक मेवाराम जैन द्वारा भी सशक्त पैरवी की गई। जिस पर राज्य सरकार ने सकारात्मक रूख अपनाते हुए 22 जुलाई को राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड गठन करने की विधिवत घोषणा की। जिस खुशी में रविवार को जैन न्याति नोहरे में आभार व अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित कर राज्य सरकार का आभार एवं राज्य गोसवा आयोग अध्यक्ष व बाड़मेर विधायक मेवाराम जैन का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में जैन श्रीसंघ, बाड़मेर के बैनरतले जैन समाज के गणमान्य सदस्यों द्वारा विधायक महोदय का साफा व माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। जैन श्रीसंघ, बाड़मेर के अध्यक्ष एकवोकेट अमृतलाल जैन ने स्वागत भाषण कहा कि राजस्थान में श्रमण संसकृति बोर्ड के गठन से जैन संस्कृति व साधु-सन्तों को पर्याप्त संरक्षण प्राप्त हो सकेगा। जैन ने कहा कि इस कार्य में राज्य गोसेवा आयोग अध्यक्ष व बाड़मेर विधायक मेवाराम जैन की भूमिका बहुत ही विशिष्ट एवं प्रशंसनीय रही है। हम सब राज्य सरकार का आभार एवं विधायक महोदय का खूब-खूब अभिनंदन करते है।

पृष्ठ एक का शेष

सीएम शर्मा ने बताई ...

भाईचारा और हमारा सौहार्द ही हमें भारतीय बनाता है! जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया। गौरतलब है कि अपने 2024 के लोकसभा अभियान के लिए माहौल तैयार करते हुए 26 विपक्षी दलों ने एकजुट होकर सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का मुकाबला करने के लिए इंडिया समूह का गठन किया है।

धेमाजी ब्लास्ट मामला ...

स्कूल के प्ले ग्राउंड के एक कोने पर आईईडी बम लगाया गया था। स्कूल में सरकारी अधिकारियों, सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी में राष्ट्रीय ध्वज फहरने ही वाला था कि वहां पर विस्फोट हुआ। इस घटना में 18 लोग मारे गए थे। जबकि 40 लोग बुरी तरह से घायल हो गए थे। इस घटना में मारे गए लोगों में 12 से 14 साल उम्र के बच्चे और कई अभिभावक थे।

ब्रह्मपुत्र नद के ...

बहुत कुछ है। मैंने असम में प्रमुख बुनियादी ढांचा वाली परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए उनसे सहायता मांगी। मुख्यमंत्री ने ट्वीट में कहा है कि गुवाहाटी रिंग रोड और काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने को लेकर केंद्रीय मंत्री गडकरी से चर्चा हुई। इस कोरिडोर के तहत चार लेन की सड़क निर्माण करवाए जाने की भी योजना है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री रविवार को अपने विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर नई दिल्ली प्रवास पर हैं। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता के साथ ही कई अन्य लोगों से भी मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय ...

इसके अलावा केंद्रीय मंत्री से पूर्वोत्तर राज्यों में कनेक्टिविटी को लेकर काफी विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना में भी केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने अतिरिक्त जिम्मेदारियों का कुशलता से निर्वहन किया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ शर्मा दिल्ली प्रवास पर हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात की थी। रविवार को उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर असम की मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति पर विमर्श किया था।

मणिपुर : केंद्रीय मंत्री ...

वीडियो में, भीड़ द्वारा दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाते हुए देखा जा सकता है। वीडियो के सामने आने के बाद देशभर में रोष व्याप्त हो गया। मंत्री के आवास पर जिस समय हमला हुआ, तब वहां कोई भी मौजूद नहीं था और मकान को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा। इंफाल शहर के कोंगबा इलाके में स्थित मंत्री के आवास पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने इंटरनेट सेवाएं बहाल करने की भी मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि हम मांग करते हैं कि मंत्री राज्य की स्थिति के बारे में संसद में बोलें। हम चाहते हैं कि इंटरनेट सेवाएं बहाल की जाएं। हम लोगों को बताना चाहते हैं कि हमारे साथ क्या हो रहा है। अधिकारियों ने तीन मई को जातीय समुदायों के बीच झड़पें शुरू होने के बाद पहली बार पूर्वोत्तर राज्य में इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध लगाया था। *शांति और लोक व्यवस्था में किसी भी तरह के खलल को रोकने के लिए* इंटरनेट पर लगी पाबंदी समय-समय पर बढ़ाई गई है। इससे पहले, 15 जून की रात भीड़ ने मंत्री के आवास पर हमला कर उसे आग के हवाले करने की कोशिश की थी। मणिपुर विश्वविद्यालय के छात्रों के एक वर्ग ने पूर्वोत्तर राज्य में शांति बहाल करने की मांग को लेकर इंफाल शहर में एक रैली निकाली। मणिपुर विश्वविद्यालय छात्र संघ द्वारा आयोजित रैली यहां कांचीपुर स्थित विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार से शुरू हुई। पुलिस ने कहा कि उनके पास करीब दो किलोमीटर दूर काकवा जाने की अनुमति थी। हालांकि, छात्र काकवा से आगे और विश्वविद्यालय के द्वार से लगभग चार किलोमीटर दूर सिंगजामेई तक रैली करना चाहते थे। जब प्रदर्शनकारियों ने काकवा पार कर सिंगजामेई जाने की कोशिश की, तभी पुलिस ने उन्हें तितर बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे, जिसके चलते अधिकारियों और छात्रों के बीच तीखी बहस हुई। छात्रों ने पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि वे निहत्थे थे और शांतिपूर्ण रैली करना चाहते थे। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की बहुसंख्यक मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में तीन मई को *आदिवासी एकजुटता मार्च* के आयोजन के बाद राज्य में भड़की जातीय हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मणिपुर की आबादी में मेइती लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और उनमें से ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं, जबकि नगा और कुकी सहित आदिवासी समुदाय 40 प्रतिशत हैं और वे मुख्य रूप से पर्वतीय जिलों में रहते हैं।

मिजोरम छोड़कर मैतेई ...

को उन्होंने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के साथ दक्षिण बराक सामुदायिक भवन गए थे और आश्रित मैतेई के खान-पान और रहन-सहन के बारे में जानकारी ली थी। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में न्यूड वीडियो कांड के बाद पीस एकॉर्ड एमएनएफ रिटर्नीज एसोसिएशन ने 21 जुलाई को मैतेई की सुरक्षा की दृष्टि से मिजोरम छोड़ने का एक तरह से फतवा जारी किया था। उस फतवे के मद्देनजर 22 जुलाई को मणिपुर सरकार ने एजल में रहने वाले मेइतिदों को पड़ोसी असम के कछार जिले और इंफाल में हवाई मार्ग से ले जाने का फैसला किया। इस संबंध में गृह आयुक्त पु एच लालेंगमाओइया ने बैठक कर मैतेई समुदाय के लोगों को मिजोरम में पूर्ण सुरक्षा का आश्वासन दिया। इस बीच, गृह आयुक्त पु एच लालेंगमाओइया के साथ पामरा के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। इसके बाद पामरा ने एक प्रेस बयान जारी कर मिजोरम छोड़ने के आदेश को लेकर अपना स्पष्टीकरण दिया। पामरा के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि उनका बयान सलाह या परामर्श था। इसने मिजोरम में रहने वाले मैतेई लोगों से मणिपुर में चल रहे सांप्रदायिक संघर्ष के संबंध में जनभावना को देखते हुए सावधानी बरतने का आग्रह किया। इस विज्ञप्ति में मैतेई को मिजोरम छोड़ने का आदेश नहीं दिया गया था। प्रतिनिधियों को खेद है कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया।

मणिपुर मुद्दे पर ...

और कहा कि सदस्य दो-तीन दिन से लगातार मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की बात कर रहे हैं इसलिए इस मुद्दे पर गृहमंत्री सदन में बात रखेंगे। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मेरा विपक्ष के सभी सदस्यों से आग्रह है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य इस अत्यंत संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। मैं सदन में चर्चा के लिए तैयार हूं। मालूम नहीं विपक्ष चर्चा क्यों नहीं चाहता है जबकि देश इस पर चर्चा चाहता है। विपक्षी सदस्यों से मेरा आग्रह है कि इस मुद्दे पर चर्चा हो ताकि देश के सामने स्पष्ट संदेश जाए। गृहमंत्री के बयान के बीच भी जब विपक्षी सदस्य नारेबाजी और टोकाटोकी करते रहे। अध्यक्ष बिरला ने कहा कि गृहमंत्री का बयान होने दिया जाए। सरकार चर्चा के लिए तैयार है। हमेशा ऐसे मुद्दों पर संबद्ध विभाग का मंत्री पहले बयान देते हैं, लेकिन विपक्ष यहां नई परंपरा शुरु करना चाहता है जो ठीक नहीं है। सरकार चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा नहीं चाहता है। हंगामा बढ़ता देख अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले भोजनावकाश के बाद दो बजे जैसे ही पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल को सदन की कार्यवाही शुरु की तो विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरु कर दिया जिसके कारण उन्हें आधा घंटे के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इससे पहले सुबह 11 बजे अध्यक्ष ने जैसे ही प्रश्न काल शुरु किया तो विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरु करते हुए नारेबाजी आरंभ कर दी और सदस्य आसन के सामने आ गए। हंगामें के बीच ही बिरला ने प्रश्नकाल चलाने का प्रयास किया। कुछ सवालों के जवाब मंत्रियों ने दिए, लेकिन हंगामे के कारण उन्हें सदन की कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। दोपहर 12 बजे शून्य काल शुरू होते ही पीठासीन अधिकारी ने जरूरी दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाये। इस दौरान भी कांग्रेस और अन्य विपक्षी सदस्य सदन में हंगामा और शोरगुल करते रहे। कई विपक्षी सदस्य तख्तियां भी लहराते रहे। वे सदन में तत्काल चर्चा और उसका जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देने की मांग को लेकर शोरगुल और हंगामा करते रहे। कई विपक्षी सदस्य सदन के बीचोंबीच आ गए। अग्रवाल ने जरूरी दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाने के बाद विपक्षी सदस्यों से कहा कि हंगामा भी हो और चर्चा भी हो, ऐसा संभव नहीं है। विपक्षी सदस्यों का हंगामा रुकते न देखकर अग्रवाल ने सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी, लेकिन ढाई बजे जैसे ही सदन शुरु हुआ और हंगामा नहीं था तो लोकसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन...

आरक्षित हैं। नए विधेयक में मौजूदा अधिनियम की धारा 14 में संशोधन किया जाएगा। इसमें दो नए खंड धारा 15 ए और 15 बी भी शामिल होंगे। धारा 14 में संशोधन अधिनियम में 107 सीटों को 114 सीटों से प्रतिस्थापित कर देगा, जबकि धारा 15 ए और 15 बी में तीन आरक्षित सीटों का विवरण दिया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, कश्मीरी पंडितों/प्रवासियों की सीटों के लिए, संशोधित विधेयक में कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर एलजी दो से अधिक सदस्यों को जम्मू-कश्मीर विधान सभा में नामांकित नहीं कर सकते हैं, जिनमें से एक कश्मीरी प्रवासियों के समुदाय से एक महिला होगी। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 की धारा 15 बी में कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर एलजी पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के विस्थापित व्यक्तियों में से एक सदस्य को जम्मू-कश्मीर विधान सभा में नामित कर सकते हैं। नए जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक के *उद्देश्यों और कारणों का विवरण* खंड में कहा गया है कि 80 के दशक के अंत में पूर्ववर्ती राज्य जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के समय, विशेष रूप से 1989-90 में कश्मीर (डिवीजन) में बड़ी संख्या में लोग अपने पैतृक निवास स्थानों से चले गए, कश्मीर प्रांत में विशेष रूप से कश्मीरी हिंदू और पंडितों के साथ-साथ सिख और मुस्लिम समुदायों के कुछ परिवार थे। पीओके से विस्थापित लोगों के बारे में विधेयक में कहा गया है कि जम्मू और कश्मीर में 1947 के पाकिस्तानी आक्रमण के मद्देनजर, इकतीस हजार सात सौ उनहत्तर परिवार जम्मू और कश्मीर के पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों से पूर्ववर्ती जम्मू और कश्मीर राज्य में चले गए। इनमें से छब्बीस हजार तीन सौ उन्नीस परिवार पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर में बस गए और शेष पांच हजार चार सौ साठ परिवार जम्मू-कश्मीर से बाहर देश के अन्य हिस्सों में चले गए।

चीन में स्कूल के ...

ने सोमवार को बताया कि अब तक 13 लोगों को बाहर निकाल लिया गया है, जिनमें से तीन लोग मृत पाए गए और छह अन्य लोगों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बचाव अभियान अभी जारी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि पास ही एक अन्य शिक्षण भवन बना रहे निर्माण कर्मियों ने जिम की छत पर अवैध तरीके से पर्लाइट (निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाली सामग्री) रखा था और बारिश में पानी सोखने के कारण इसका वजन बढ़ गया था। मामले की गहन जांच की जा रही है। शिन्हुआ ने बताया कि निर्माण कंपनी के प्रभारी को पुलिस हिरासत में लिया गया है।

ज्ञानवापी मामला : साढ़े ...

उनके अधिवक्ताओं ने साफ किया कि पहले दिन कहीं खोदाई नहीं हुई है। एएसआई की टीम ने लगभग दो घंटे तक मौजूदा इमारत के कोने-कोने का जायजा लिया। सील वजूखाने को दूर से ही देखा। चारों तरफ की फोटो खींची गई और वीडियो शूट किए गए। वीडियोग्राफर और फोटोग्राफर एएसआई के साथ ही प्रशासन के भी थे। उधर, इस संबंध में मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश की जानकारी होते ही एएसआई ने सर्वे का काम रोक दिया। अब बुधवार की शाम पांच बजे के बाद इस संबंध में अदालत के आदेश से ही एएसआई आगे का निर्णय लेगा। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने सील वजूखाने को छोड़कर ज्ञानवापी परिसर का सर्वे कर रिपोर्ट चार अगस्त तक देने का आदेश एएसआई को बीते 21 जुलाई को दिया था। इसी क्रम में लखनऊ, आगरा, दिल्ली, पटना और वाराणसी से एएसआई की 43 सदस्यीय विशेषज्ञों की टीम सोमवार की सुबह 6:30 बजे श्री काशी विश्वनाथ धाम के गेट नंबर-4 पर पहुंची। श्री काशी विश्वनाथ धाम के गेट नंबर चार के सामने एएसआई की टीम पुलिस सुरक्षा में सुबह 6:30 बजे ही पहुंच गई थी। कुछ देर बाद गेट खुला, फिर विशेषज्ञों और उनके उपकरणों की जांच की गई। फिर, पुलिस सुरक्षा में उन्हें ज्ञानवापी परिसर की तरफ भेजा गया। विशेषज्ञों की चार टीम चार अलग-अलग दिशा में लगभग दो घंटे तक मुआयना कर इमारत को देखती रही। इसके बाद सर्वे का काम शुरू हुआ। टीम का फोकस सबसे ज्यादा देर तक इमारत की पश्चिमी दीवार पर रहा। हिंदू पक्ष हमेशा कहता रहा है कि इसी तरफ से मां श्रृंगार गौरी के मंदिर का द्वार खुलता है। एएसआई के सर्वे को लेकर ज्ञानवापी परिसर के आसपास के इलाके में सोमवार की सुबह से ही गहमागहमी रही। सावन के तीसरे सोमवार को बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन करने आए लोग ज्ञानवापी परिसर में सर्वे की बात जानकर हर-हर महादेव का उद्घोष करने लगे। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा, पुलिस आयुक्त मुथा अशोक जैन और डीएम एस. राजलिंगम के साथ ही पुलिस-प्रशासन के आला अफसर काशी विश्वनाथ धाम में मौजूद थे। डीसीपी सुरक्षा सूर्यकांत त्रिपाठी और एडीएम प्रोटोकॉल बच्चू सिंह एएसआई की टीम के साथ ज्ञानवापी परिसर में थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मसाजिद कमेटी ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वे पर रोक लगाने से संबंधित याचिका मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में दायर कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने हर हाल में 26 जुलाई की शाम 5 बजे से पहले ज्ञानवापी सर्वे पर हाईकोर्ट को अपना आदेश पारित करने को कहा है। हाईकोर्ट के आदेश पर अब ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वे का भविष्य टिका दिख रहा है। इधर, हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले विष्णु शंकर जैन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर के सर्वे पर जिला न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी है और इलाहाबाद कोर्ट को मामले पर नए सिरे से फैसला करने के लिए कहा है। हम अपनी दलील हाईकोर्ट में रखेंगे। मुस्लिम पक्ष अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट को गुमराह किया और कहा कि वहां खुदाई शुरू हो गई है, जो सच नहीं है।

अंजू से शादी ...

में परिवार की अन्य महिलाओं के साथ दूसरे कमरे में रहती है। अंजू वैध वीजा पर पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा सूबे के कबायली जिले ऊपरी दीर में नसरुल्ला से मिलने आई है। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग को भेजे गए आधिकारिक दस्तावेज के मुताबिक कार्यालय सूचित करता है कि उसने अंजू को केवल ऊपरी दीर जिले के लिए 30 दिनों का वीजा मंजूर करने का फैसला किया है। नसरुल्ला शेरिंगल स्थित विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक है और पांच भाइयों में सबसे छोटा है। उसने स्थानीय अधिकारियों को दिए हलफनामे में कहा कि उनकी दोस्ती में प्रेम का कोई कोण नहीं है और अंजू 20 अगस्त को भारत लौट जाएगी। हलफनामे के मुताबिक वह ऊपरी दीर जिले से भी बाहर नहीं जाएगी। जिला पुलिस अधिकारी मुश्ताक ने कहा कि वीजा दस्तावेजों के मुताबिक वह 20 अगस्त को वापस लौट जाएगी। मुश्ताक ने रविवार को अंजू से अपने कार्यालय में पूछताछ की और उसके दस्तावेजों की जांच के आधार पर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया गया। नसरुल्ला ने कहा कि जिला प्रशासन ने उन्हें पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की है और अंजू उसके परिवार के साथ सुरक्षित है। पश्तून बहुल गांव के लोग चाहते हैं कि अंजू सुरक्षित भारत लौट जाए क्योंकि वे नहीं चाहते कि इस घटना से उनके समुदाय की बदनामी हो। अंजू के पति व राजस्थान निवासी अरविंद ने उम्मीद जताई है कि जल्द उसकी पत्नी वापस आ जाएगी। अंजू की 15 साल की बेटी और छह साल का बेटा है।

मणिपुर हिंसा : आज ...

भाजपा सरकार इस पर कुछ करने की जगह हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है। राय ने कहा कि मणिपुर में हो रही हिंसा को वहां की भाजपा सरकार शांत करने के बदले उल्टे भड़का रही है। समुदायों के बीच नफरत फैलाई जा रही है। इन सबके बीच सबसे दुखद और आश्चर्यजनक यह है कि केंद्र सरकार भी इस पर कुछ करने के बजाय मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में जारी इस भीषण हिंसा में दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों लोग अनाथ हो गए और हजारों लोग पलायन कर अन्य राज्यों में भाग गए। महिलाओं की सरेआम आबरू लूटी गई लेकिन राज्य से लेकर केंद्र तक की सरकारें चुप हैं। यह सब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और इसके खिलाफ *आप* कल पूरे देश में सड़कों पर उतरेगी। राय ने कहा कि पार्टी ने देश के सभी कार्यकर्ताओं से शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का अनुरोध किया है। दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की तैयारी की गई है। इस मुद्दे को लेकर आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि संसद में प्रधानमंत्री को बयान देना चाहिए। प्रधानमंत्री क्यों छुप कर बैठे हुए हैं, उनको सामने आना चाहिए। अगर मणिपुर जल रहा है तो जनता कहां जाएगी। जनता तो अपने प्रधानमंत्री के पास ही जाएगी। प्रधानमंत्री को सामने आकर समस्या का समाधान करना चाहिए और मणिपुर की स्थिति को संभालना चाहिए।

स्वर्वेद भाष्य

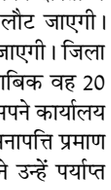

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

तत्व भिन्न नि: तत्व है, मन व पवन से न्यार।
नाद विन्द अनहद परे, सत्य शब्द निरधार॥ 43॥

शब्दार्थ : (न्यार) अलग (निरधार) प्रकृति-आधार से रहित।

भाष्य : तत्व से भिन्न नि:थत्व, मन तथा पवन से अलग, नाद-विंद-अनहद से परे, शुद्ध चिदाकाश निराधार से सारशब्द है।

तन मन छाड़ो जगत में, गुरु गम बैठो जाय।
परखो शब्द विवेक में, अंतर अनुभव पाय॥ 44॥

शब्दार्थ : (गम) गमन (परख) देखना (अन्तर) भीतर (सब्द) सारशब्द।

भाष्य : सारे देह-संघात प्रकृति को छोड़कर गुरु-ज्ञान द्वारा अपने प्रदेश में स्थिर हो जाओ और अंतर-अनुभव को प्राप्तकर विवेक द्वारा सारशब्द का प्रत्यक्ष करो।

गुवाहाटी के कई थानों के ओसी का हुआ तबादला

असम पुलिस में जोर-शोर से चल रही सफाई अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस में तबादलों का दौर जारी है। कई थानों के ओसी का आज तबादला किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुवाहाटी के आठ थानों के प्रभारी अधिकारियों का स्थानांतरण कर दिया गया। असम पुलिस ने आज एक अधिसूचना के माध्यम से यह आदेश जारी किया। आदेश के अनुसार, भांगागढ़ पुलिस थाने के ओसी प्राणजीत दास को सीमा शाखा में स्थानांतरित कर दिया गया। जबकि, क्षेत्री की ओसी बिनंद बासुमतारी को आईसीडीओ (बीएल) के रूप में मंदाकाटा में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसी तरह, नूनमाटी के ओसी प्रशांत बोरा को देरगांव पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया है। जबकि, चांदमारी पुलिस थाने के ओसी टिंकूमणि बरदलै का तबादला सीआईडी में कर दिया गया है। इसी प्रकार पलटन बाजार पुलिस स्टेशन के ओसी दीपांत फूकन को टेंगाखाट के 19 वें एपी (आईआर) बटालियन में स्थानांतरित कर दिया गया है। लताशील के ओसी नितुल दास को भी देरगांव के पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में स्थानांतरित कर

दिया गया है। पीआई कोर्ट के मंजीत बुढ़ागोहाईं को बॉर्डर ब्रांच में ट्रांसफर कर दिया गया है। जबकि असम पुलिस ने फाटाशिल पुलिस स्टेशन के ओसी देबज्योति फूकन को फर्स्ट एपीबीएन लिगिरीपुखुरी में ट्रांसफर करने का आदेश दिया है। आशा की जाती है कि गुवाहाटी के थानों के थाना प्रभारियों की हुई इस बदली के बाद गुवाहाटी शहर में कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत हो सकेगी।

राम चरित मानस का अखंड पाठ कार्यक्रम 29 से

गुवाहाटी। गुवाहाटी में स्थित पशुपतिनाथ मंदिर प्रांगण में बीते 16 जुलाई को एक सभा का आयोजन किया गया था। सभा में मंदिर समिति से जुड़े वहां के सारे लोगों ने पुरुषोत्तम मास की इस पवित्र अवसर में *राम चरित मानस* का अखंड पाठ एवं पूजा-अर्चना करने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में आगामी 29 जुलीई सुबह 10.30 बजे से पूजा की शुरुआत होकर अगले दिन यानी 30 जुलाई दोपहर 1.30 बजे पूजा समाप्त किया जाएगा। 24 घंटे निरंतर होने वाली पूजा में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से भक्तों की समागम होने का अनुमान लगाया गया है। वहीं 11 ब्राह्मणों द्वारा की जानेवाली इस पूजा को सफल बनाने के लिए सभा कक्ष में ही मुक्त मन से अपना आर्थिक योगदान करने की बहुत सारे सदस्यों ने घोषणा की है। पशुपतिनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष माधव दाहाल से मिली जानकारी के मुताबिक ये कार्यक्रम बहुत सफलता पूर्वक समापन किया जाएगा और अन्य सभी भक्तों से भी वे विनम्रता पूर्वक पूजा में उपस्थित रहने की अनुरोध करते हैं।

मंत्री ने किया नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल का निरीक्षण

नलबाड़ी (हिंस)। असम सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने सोमवार को बंगाईगांव जाते समय नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल का दौरा किया। मंत्री ने अस्पताल में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और अस्पताल में मरीजों की शिकायतों को भी सुना। उन्होंने संतोष जाहिर करते हुए कहा कि नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज की ओपीडी-के की सभी व्यवस्था नए अस्पताल के अनुसार सुचारू रूप से चल रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दिनों में यह मेडिकल कॉलेज व अस्पताल नलबाड़ी जिले और आसपास के क्षेत्र के लोगों की सेवा करने में सक्षम होगा।

आशा और फैसिलिटेटर्स वर्कर्स यूनियन ने मानदेय प्रोत्साहन बढ़ाने की मांग की

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश आशा और फैसिलिटेटर्स वर्कर्स यूनियन ने राज्य सरकार से उनके मानदेय और प्रोत्साहन राशि को बढ़ाने की मांग को लेकर आज शांतिपूर्ण रैली निकाली। राज्य भर से सैकड़ों अरुणाचल प्रदेश आशा और फैसिलिटेटर्स वर्कर्स यूनियन के सदस्यों ने अपने मानदेय में वृद्धि की मांगों के समर्थन में एक शांतिपूर्ण रैली में भाग लिया। रैली आकाशदीप से टेनिस कोर्ट तक आयोजित की गई। आशा और फैसिलिटेटर्स वर्कर्स मानदेय को नियमित और समय पर भुगतान की मांग, जिसमें मासिक वेतन 18 हजार रुपए निर्धारित करने, जबकि आशा फैसिलिटेटरों को 24 हजार रुपए प्रति माह और आशा कार्यकर्ताओं के लिए सालाना ईपीएफ/ईएसआई लाभ का प्रावधान भी शामिल है। पद सृजन पर रिक्तियां उत्पन्न होने पर आकस्मिक मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ सर्विसेज (एमटीएस) के लिए आशा और एएफएस कार्यकर्ताओं के लिए 50 प्रतिशत रिक्तियों का आरक्षण की मांग भी शामिल है।

एसएसबी ने आयोजित किया स्वास्थ्य शिविर एवं कौशल शिविर

कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। कोकराझाड़ जिलांतर्गत रानीगुली स्थित शसस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 6वीं वाहिनी के कार्यवाहक कमांडेंट लोकेश कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में आज मनुष्य एवं पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. सौम्या हलदर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ. ई चीबा सिंह, कमांडेंट, पशु चिकित्सा अधिकारी तथा प्रभाकर कुमार वैद्य, उप-कमांडेंट ने शिविर में हिस्सा लिया। एसएसबी की 6वीं वाहिनी के वाह्य सीमा चौकी दादगिरी जिला चिरांग के अंतर्गत कॉम्युनिटी हॉल हातीचर में कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित विधायक जयंता बसुमतारी के द्वारा उद्घाटन किया गया। यह 30 दिनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम *सिलाई बुनाई* के प्रशिक्षण से संबंधित है, जिसमें इस क्षेत्र की 20 चयनित युवतियों को प्रशिक्षण एवं इसका लाभ दिया जाएगा। साथ ही साथ सीमा क्षेत्र में रह रहे नागरिकों एवं पशुधन को चिकित्सा सुविधा देने हेतु वहीं कॉम्युनिटी हॉल हातीचर में ही मानव चिकित्सा शिविर तथा पशुचिकित्सा शिविर कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस नागरिक कार्यक्रम में जरूरतमंदों को दवाइयां वितरित किया गया।

नाबालिग लड़की को *गर्भवती* करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के बंगाईगांव जिले में 16 वर्षीय नाबालिग को गर्भवती करने के आरोप में 24 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। लड़की के परिजनों द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद रविवार रात आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। बंगाईगांव के पुलिस अधीक्षक स्वप्नील डेका ने कहा कि लड़की और आरोपी व्यक्ति विवाहेतर संबंध में थे और अब नाबालिग पांच महीने की गर्भवती है। डेका ने कहा कि संदिग्ध को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के कई प्रावधानों के अनुसार गिरफ्तार किया गया था। लड़की ने मामले को छुपाने की कोशिश की, लेकिन जब उसने बेचैनी की शिकायत की तो परिवार को उसकी गर्भावस्था के बारे में पता चला। पुलिस ने लड़की के परिवार के सदस्यों के हवाले से बताया कि बाद में उसने सब कुछ कबूल कर लिया। अधिकारी ने कहा कि शिकायत मिलने के बाद हमने आरोपी को पुलिस के सामने पेश होने के लिए बुलाया था।

गौशाला में श्रीराम चरित्र मानस व शिव चरित्र कथा का शुभारंभ

जयकारों के बीच निकली भव्य कलश यात्रा

गुवाहाटी (विभास)। पुरुषोत्तम मास के पावन पर्व के मौके पर सेठ सांवरिया सत्संग समिति के तत्वावधान आज से आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला के बृंदावन गार्डन प्रांगण में नौ दिवसीय श्री रामचरित्र मानस तथा शिव चरित्र कथा का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर परम् मनीषी, विद्धान पुज्य आचार्य श्री गौरवजी व्यास (श्री गोपालजी) व्यास पीठ पर विराजमान थे। आचार्य गौरव व्यास ने कथा के प्रथम दिवस कथा आरंभ करने से पूर्व कलियुग की व्याख्या करते हुए कलिकाल में पुरूषोत्तम मास और इस बार पुरूषोत्तम मास के आगे एवं पीछे सावन मास के सुखद संयोग में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के साथ भगवान शिव के चरित्र की कथा का गुणगान एवं श्रवण करना कितने पुण्य फल का दाता है इसका आंकलन नहीं किया जा सकता। क्योंकि मानस में वर्णित है श्री राम कथा श्रवण करने की पात्रता वहीं रख सकता है जो भगवान शिव की कथा का पहले श्रवण करें। कथा श्रवण के लिए दो गुण व्यक्ति को अवश्य धारण करने चाहिए जो मानस के आरंभ से सोपान तक भगवान शिव एवं पार्वती ने श्रृद्धा एवं विश्वास के रूप में दर्शाया है। भक्ति करने में सिर्फ श्रृद्धा धारण करने से भक्ति प्राप्य नही हो सकती इसके साथ विश्वास का मेल भी होना होगा। इसलिए नौ दिवसीय कथा श्रवण आंनद में श्रृद्धा एवं विश्वास को धारण करें। कल से श्रीराम कथा व शिव चरित्र का अमृत बरसेगा। कथा के पहले दिन महिलाओं एवं पुरुषों की भारी भीड़ देखी गई। इससे पूर्व सोमवार की सुबह चाभीपुल स्थित श्रीराम जानकी मंदिर से आयोजन स्थल से भव्य कलश यात्रा गाजे बाजे के साथ निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं व पुरुषों ने हिस्सा लिया। रास्ते भर जयकारों के उद्घोष के साथ कलश यात्रा आयोजन स्थल पर पहुंची जहां सभी महिलाओं ने विधिवत अपने अपने कलश को स्थापित किया। तत्पश्चात आयोजकों की ओर से आज सेठ सांवरिया परिवार प्रमुख सुरेंद्र लाट, यजमान बसंत तांबी, शंकर बिड़ला, अरविन्द सरावगी, मुरारीलाल चोपदार, सूरज लाट द्वारा व्यास पीठ की पूजा अर्चना की गई। इसके पश्चात संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कथा का आयोजन 24 से 1 अगस्त तक रोजाना दोपहर 2:30 बजे से 6 बजे तक किया जाएगा। 25 जुलाई को प्रात: 9 बजे से गोपाल सहस्त्रनाम के साथ लड्डू गोपाल का अभिषेक किया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान विषेश प्रसंगों पर सजीव झांकीयो की प्रस्तुति के अलावा वाराणसी के विद्वान पंडितो द्वारा महाआरती भी की जाएगी। आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के सभी सदस्य जुटे हुए है।

लायंस उमंग के विभिन्न सेवा कार्य आयोजित

बच्चों को दी स्टडी किट, अनाथ आश्रम वृद्धा आश्रम में उपलब्ध कराया राशन

गुवाहाटी (विभास)। महिलाओं की अग्रणी संस्थानों में से एक लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से विभिन्न सेवा कार्य महानगर के अलग-अलग स्थान पर आयोजित किए गए क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका के मार्गदर्शन व अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में रविवार की रात नेपाली मंदिर के सामने कांवरिया सेवा शिविर का, आयोजन महालक्ष्मी फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया कार्यक्रम संयोजीका सपना सिंघल की देखरेख में आयोजित शिविर का लाभ बड़ी संख्या में लोगों ने लिया। इससे पूर्व क्लब की कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी के सहयोग से फटासिल जीएमसी कॉलोनी में बच्चों के लिए स्टेशनरी किट का वितरण किया गया करीब 80

बच्चों के बीच पठन-पाठन की सामग्री बांटी गई। इसके अलावा फीड द हंगर कार्यक्रम के तहत जीता अग्रवाल व मधु जगाती की देखरेख में बी बरुआ कैंसर इंस्टिट्यूट में बड़ी संख्या में लोगों को भोजन कराया गया। इसी तरह आशानिर संस्थान, फटासिल के छोटा सिरिडी मंदिर, जीएमसी कॉलोनी में स्वाति चौधरी के सहयोग से जरूरत की खाद्य वस्तुएं दी गई। वहीं रेहाबाड़ी स्थित ड्रीमहोम डे केयर होम में नीलम जालान की देखरेख में सुख राशन उपलब्ध कराया गया। इन सभी कार्यक्रमों को संपादित करने में क्लब की अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी, जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका, रेनू अग्रवाल, मधु जगती, जीता अग्रवाल, सरिता संचेती, शालू अग्रवाल, आशा मुरारका, अंजू अग्रवाल, नीलम जालान, निभा सराफ सहित सभी सदस्याओ का भरपूर सहयोग रहा।

स्वास्थ्य विभाग का कर्मी रिश्वत लेते गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी नबज्योति भुइयां को सोमवार को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा को भुइयां नगांव के संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक के कार्यालय में एक निम्न श्रेणी के सहायक नबज्योति भुइयां के खिलाफ एक फिजियोथेरेपिस्ट ने 20 हजार रुपए की रिश्वत मांगने की शिकायत की थी। इस पर विजिलेंस की टीम ने सोमवार को जाल बिछाकर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी नबज्योति भुइयां को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गुवाहाटी में एक युवती की रहस्यमय मौत

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के रूपनगर में एक युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवती मणिपुर की रहने वाली बताई जा रही है। मृत लड़की की पहचान रेबिका थाओडाम के रूप में किया गया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि फंदे से लटकता हुआ युवती का शव बीती रात को मिला। युवती रूपनगर में किराएदार थी। लेकिन, लड़की के परिवार का दावा है कि यह हत्या है। प्रेमी रोहित सैकिया पर हत्या का आरोप लगाया गया है। आरोपी रोहित सैकिया को भांगागढ़ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार दोनों करीब डेढ़ साल से रिलेशनशिप में थे। रोहित सैकिया के रिश्तेदार के अनुसार, उसे युवती ने गुवाहाटी बुलाया था। जिसके लिए रोहित लखीमपुर से गुवाहाटी आया था। रोहित को स्कूटी खरीदने को लेकर लड़की ने बुलाया था। रोहित पेशे से वकील है। खबरों के अनुसार दोनों के बीच झगड़ा हो गया और रोहित फिर बाहर चला गया। लेकिन, रोहित के लौटने के बाद युवती का शव फंदे से लटकता हुआ मिला। पुलिस इस संदर्भ में आगे की कार्रवाई कर रही है।

कसुवा में ड्रग्स बरामद महिला समेत दो गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। जिले की कसुवा थाना पुलिस ने कसुवा के खेरनी में नशे के खिलाफ एक छापामारी अभियान चलाया। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कसुवा थाना प्रभारी राजा इरशाद के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस को पॉलीथीन के पैकेट में 8.40 ग्राम संदिग्ध हेरोइन के साथ ही 83 ड्रग्स से भरे कंटेनर जब्त करने में कामयाबी हासिल हुई। उल्लेखनीय है कि कार्रवाई में एक महिला एवं आइनुल हक नाम के एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने एक दोपहिया वाहन (एएस-02 एएफ-1940) भी जब्त किया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रंगिया: संगीत ग्रुप ऑफ क्रिएशन की सात दिवसीय अभिनय कार्यशाला शुरू

रंगिया (विभास)। रंगिया की सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था संगीत ग्रुप ऑफ क्रिएशन के सौजन्य से सात दिवसीय अभिनय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। प्रसिद्ध अभिनेत्री रूमा कलिता ने कार्यशाला का स्थानीय आईटीआई सभागार में आयोजित समारोह में आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में अधिवक्ता तथा पत्रकार सैय्यद मोत्सफा आहमेद के अलावा लोकप्रिय गायक प्रांजल परश, रनदिया शतदल साहित्य सभा के सचिव उज्ज्वल डेका, नाट्यकार तथा अभिनेता प्रदीप शर्मा, मनोरंजन शर्मा, रीना देवी, रीता पसनी, मामोनी लहकर, मनालिसा गोस्वामी, अंजू कलिता सहित बहुत से विशिष्ट लोगों ने भाषण प्रदान किया। अपने भाषण प्रसंग में उन्होंने रंगिया के सांस्कृतिक क्षेत्र को जीवित रखने के में संगीत ग्रुप ऑफ क्रिएशन की भूमिका की सराहना की। अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त, निर्देशक, अभिनेता पंकज पल्लव शर्मा के संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में ध्रुवज्योति कलिता, भास्कर कलिता, हेमेन कलिता, खाईरुल इस्लाम सहित उपस्थित कई विशिष्ट लोगों को सम्मानित किया गया। वहीं कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी शिक्षार्थियों को प्रदीप शर्मा और पंकज पल्लव शर्मा ने अभिनय का प्रशिक्षण दिया।

Short Tender Notice
LIMITED BIDDING
Notice Inviting Bids (NIB) for Documentation and Publication of Coffee Table book of Heritage Trees of Assam
Bid Ref.No. SIL/02A/23-24 Dated : 24/07/2023

1. The Silviculturist, Assam invites e-tenders from Government Registered Reputed Firms/Organizations with Experience in outdoor still/movie/drone photography, documentation, DTP, printing and publication of books for carrying out following works as per schedule enclosed. Details of the Bid may be seen at e-procurement portal www.assamtenders.gov.in.as per following details:

Sl. No.	Work Description	Estimated Cost	Bid Processing Free Inclusive of GST ₹	Bid Security (₹)	Completion Period
1	Documentation and Publication of a Coffee Table Book on Heritage Trees of Assam	₹ 18,38,326.00	As perscribed by e-tender portal	2% for Gen, 1% for OBC/ SC/ST of the estimated cost	30th November 2023

2. Bidding will be conducted through Limited Bidding method and procedures as specified in "The Assam Public Procurement Act, 2017" and "The Assam Public Procurement Rules,2021".These Act and Rules may be viewed and downloaded from the web-link at https://finance.assam.gov.in/portlets/assam-public-procurement-rules-2020
3. The Bidding Documents may be freely downloaded by interested Bidders from the website(s)www.assamtenders.gov.in

-- Janasanyog /C/ 7706 /23

Silviceltuist, Assam,
Basistha, Guwahati - 29

प्रधानमंत्री मोदी 12 अगस्त को सागर में बनने वाले संत रविदास मंदिर निर्माण का करेंगे शिलान्यास

- प्रदेश में निकलेगी संत रविदास मंदिर निर्माण समरसता यात्रा
- 12 अगस्त को सागर पहुंचेगी यात्राएं, होगा भव्य कार्यक्रम

भोपाल, (हि.स.)। संत रविदास का समरसता संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा सरकार सागर के बड़तुमा में 100 करोड़ की लागत से संत रविदास का भव्य मंदिर निर्माण कर रही है। संत रविदास मंदिर निर्माण सभी समाजों की भावनाएं जुड़ें, इसके लिए प्रदेश सरकार की इकाई जन अभियान परिषद द्वारा प्रदेश के पांच स्थानों से 25 जुलाई को संत रविदास मंदिर निर्माण यात्राएं निकालेगी, जिस-ाको पार्टी के वरिष्ठ नेता ध्वज दिख-ाकर रवाना करेंगे। यह यात्राएं 12 अगस्त को सागर पहुचेंगी, जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में संत रविदास मंदिर निर्माण का भव्य शिलान्यास कार्यक्रम होगा। यह जानकारी भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य ने सोमवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार-वार्ता में दी। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस 47 वर्षों से अधिक सत्ता में रही, लेकिन कभी उसने संत रविदास महाकुंभ नहीं मनाया, क्योंकि कांग्रेस ने कभी संत रविदास, अंबेडकर और वाल्मीकि जैसे अनुसूचित समाज के श्रद्धा के केंद्रों को आदर सम्मान नहीं किया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में संत रविदास महाकुंभ मनाने का काम किया है। पत्रकार-वार्ता में पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल एवं प्रदेश प्रवक्ता सनवर पटेल भी मौजूद थे।

लालसिंह आर्य ने बताया कि संत रविदास मंदिर निर्माण की समरसता यात्राएं 25 जुलाई को पांच स्थानों से निकलेंगी। इन यात्राओं को मुख्यमंत्री चौहान सिंगरौली से, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर श्योपुर से, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय धार जिले के मांडव से, प्रदेश सरकार के मंत्री भूपेन्द्र सिंह बालाघाट से एवं मंत्री ऊषा ठाकुर नीमच से समरसता यात्राओं को ध्वज दिखाकर रवाना करेंगी। उन्होंने बताया कि यात्राएं 18 दिनों तक प्रदेश के 46 जिलों में भ्रमण करेंगी, इस दौरान 244 स्थानों पर जनसंवाद के कार्यक्रम होंगे, जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय नेता, प्रादेशिक नेता एवं संत जन संवाद करेंगे। सभी यात्राएं 11 अगस्त तक सागर पहुंचेंगी और 12 अगस्त को सागर में सभी यात्राओं का सामू-हिक एकत्रीकरण होगा, जहां प्रधानमंत्री मोदी के 100 करोड़ से बनने वाले संत रविदास मंदिर का भूमिपूजन करेंगे। आर्य ने बताया कि जनअभियान परिषद के संयोजन में निकलने वाली यात्राएं प्रदेश के 55 हजार गावों से मिट्टी और एक मुट्ठी अन्न के साथ पवित्र नदियों और जलाशयों का जल एकत्र करते हुए सागर पहुंचेंगी। जहां प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में संत रविदास के भव्य मंदिर का शिलान्यास होगा। यह यात्राएं प्रदेश में संत रविदास के सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएंगी। उन्होंने कहा कि सागर में बनने वाला भव्य संत रविदास मंदिर सामाजिक समरसता का एक प्रमुख केंद्र बनेगा। यात्राओं शामिल रथों में संत शिरोमणि रविदास महाराज का चित्र, चरण-पादुका और कलश रहेगा। यात्रा के दौरान प्रदेश एवं केंद्र सरकार द्वारा अनुसूचित वर्ग के लिए किए गये कार्यों और संत रविदास जी के संदेश पर केंद्रित फोल्डर वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यात्रा के लिए प्रदेश स्तर पर 21 लोगों की टोली बनाई गई है, इसी प्रकार जिला, विधानसभा और मंडलों में भी यात्रा के सफल संचालन हेतु टोलियां बनी हैं। लालसिंह आर्य ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे यह कहते हैं कि मध्य प्रदेश में दलितों पर अत्याचार की घटनाएं हो रही हैं, तो उन्हें राष्ट्रीय अपराध रिका-र्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट का अवलोकन करना चाहिए। एनसीआरबी की रिपोर्ट में स्पष्ट उल्लेख है कि राजस्थान महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाओं और दलितों पर अत्याचार के मामलों में देश में नंबर वन है। जहां कांग्रेस के गठबंधन वाले दलों की सरकार है, वहां दलितों के साथ अनाचार और अत्याचार हो रहा है, झारखंड इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। वहीं पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार में तीन हजार दलितों के मकान जला दिये गये। खड़गे जी को जवाब देना चाहिए कि आखिर कांग्रेस और उसके गठबंधन वाले दलों की सरकार में दलितों और महिलाओं पर इतने अत्याचार क्यों हो रहे हैं।

दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत और एक महीने बढ़ी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत एक महीने के लिए और बढ़ा दी है। जस्टिस एएस बोपन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत 24 अगस्त तक के लिए बढ़ाई है। आज कोर्ट को बताया गया कि सत्येंद्र जैन की 21 जुलाई को सर्जरी हुई है। उसके बाद कोर्ट ने जैन को मिली अंतरिम जमानत एक महीने के लिए बढ़ा दी। 10 जुलाई को कोर्ट ने आज तक की अंतरिम जमानत बढ़ाने का आदेश दिया था। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने 26 मई को सत्येंद्र जैन को छह हफ्ते की अंतरिम जमानत देकर अपनी पसंद के निजी अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति दी थी। सुनवाई से पहले ईडी ने जवाब दाखिल कर कहा कि सत्येंद्र जैन अपने प्रभाव के चलते बीमारी के बारे में गलत रिपोर्ट हासिल करते रहे हैं। ईडी ने कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट ने लोकनायक जयप्रकाश हॉस्पिटल की रिपोर्ट ठुकरा दी थी। ईडी ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत तभी मिलती है, जब बीमारी से जान का खतरा हो। सुप्रीम कोर्ट ने 18 मई को जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए ईडी को नोटिस जारी किया था। जैन की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने जैन के खराब स्वास्थ्य का हवाला दिया था और कहा कि जेल में जैन का वजन 35 किलोग्राम कम हो गया है। ईडी ने जमानत याचिका का दिल्ली हाई कोर्ट में विरोध करते हुए कहा था कि अगर जैन को जमानत दी जाती है, तो मामले के गवाहों की जान को खतरा हो सकता है। ईडी ने कहा था कि जैन को जमानत के लिए तय ट्रिपल टेस्ट को भी पास करना होगा। इससे पहले 17 नवंबर, 2022 को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सत्येंद्र जैन, वैभव जैन और अंकुश जैन की जमानत याचिका खारिज की थी। ईडी ने सत्येंद्र जैन को 30 मई, 2022 में गिरफ्तार किया था।

भारत ने दुनिया को दिखाया तकनीक और परंपराएं साथ-साथ चल सकती हैं : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत ने दुनिया को दिखाया कि तकनीक और परंपराएं साथ-साथ चल सकती हैं। भारतीय वन सेवा के प्रोबेशनर (2022 बैच) और भारतीय रक्षा संपदा सेवा (2018 और 2022 बैच) के अधिकारियों व प्रशिक्षुओं ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सिविल सेवकों के रूप में उनकी यात्रा ऐसे समय में शुरू हुई है जब भारत वैश्विक स्तर पर नेतृत्व की भूमिका हासिल कर रहा है। भारत अपनी सांस्कृतिक समृद्धि के साथ-साथ अपनी तकनीकी प्रगति के लिए वैश्विक ध्यान आकर्षित करता है। भारत ने दुनिया को दिखाया है कि तकनीक और परंपराएं साथ-साथ चल सकती हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि यह भारतीय रक्षा संपदा सेवा के अधिकारियों का कर्तव्य है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं और सुविधाएं पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ हों। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी सु-शासन के लिए एक महान समर्थक है और इसलिए, उन्हें डोमेन विशेषज्ञता के साथ-साथ अपने तकनीकी कौशल को अद्यतन करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि छावनियों के प्रभावी प्रशासन और रक्षा भूमि के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का अधिकतम संभव उपयोग किया जाना चाहिए। भारतीय वन सेवा के परिवीक्षाधीनों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की जलवायु और स्थलाकृति इसके वन वितरण से निकटता से जुड़ी हुई है। वन और उनके द्वारा समर्थित वन्य जीवन हमारे देश के अमूल्य संसाधन और विरासत हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय गिर-ावट, वन क्षेत्र में कमी, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के खतरे वैश्विक चर्चा और साझेदारी में केंद्र स्तर पर हैं। इसीलिए पर्यावरण संरक्षण 21वीं सदी के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय बन गया है। भारत ने दुनिया को "लाइफ-ला-इफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट" का मंत्र दिया है। वन समाधान का एक अभिन्न अंग हैं और भारतीय वन सेवा के अधिकारी समाधान प्रदाताओं में से हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे इस मंत्र के व्यावहारिक क्रियान्वयन के लिए अथक प्रयास करें।

उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई टली

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हिंसा के आरोपित उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई टाल दी है। जस्टिस एएस बोपन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 18 मई को दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था। इससे पहले 18 अक्टूबर, 2022 को दिल्ली हाई कोर्ट ने उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा दिसंबर, 2019 और फरवरी, 2020 के बीच हुई बैठकों का नतीजा थी, जिनमें उमर खालिद भी शामिल हुआ था। हाई कोर्ट ने कहा था कि उमर खालिद का नाम साजिश की शुरूआत से लेकर दंगा होने तक आता रहा। उमर खालिद व्हाट्स ऐप ग्रुप डीपीएसजी और मुस्लिम स्टूडेंट्स ऑफ जेएनयू का सदस्य था। उमर खालिद ने कई बैठकों में हिस्सा लिया। हाई कोर्ट ने कहा कि अगर चार्जशीट पर भरोसा किया जाए तो ये साजिश की ओर साफ-साफ इशारा कर रहे हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र में होने वाले आम राजनीतिक प्रदर्शन की तरह नहीं था बल्कि ये एक खतरनाक था, जिसके गंभीर परिणाम हुए। पुलिसकर्मियों पर महिला प्रदर्शनकारियों पर हमला किया गया, जिससे इलाके में दंगा फैला जो कि निश्चित रूप से एक आतंकी कार्रवाई थी।

इसरो 30 जुलाई को छह सह- यात्री उपग्रह के साथ पीएसएलवी-सी56 करेगा लॉन्च

नई दिल्ली, (हि.स.)। चंद्रयान-तीन लॉन्च करने के बाद अब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 30 जुलाई को छह सह-यात्री उपग्रहों के साथ पीएसएलवी-सी56 मिशन लॉन्च करेगा। सोमवार को इसरो ने ट्वीट करके जानकारी दी कि छह सह-यात्री उपग्रहों के साथ पीएसएलवी-सी56 को 30 जुलाई को सुबह साढ़े 6 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा। इसरो ने जानकारी दी कि पीएसएलवी-सी56 सिंगापुर की डीएसटीए एवं एसटी इंजीनियरिंग के डीएस-एसएआर उपग्रह और छह अन्य उपग्रहों को अंतरिक्ष में लेकर जाएगा। उल्लेखनीय है कि इसरो ने हाल ही में चंद्रयान 3 लॉन्च किया है।

आप सांसद संजय सिंह पूरे मानसून सत्र के लिए निलंबित

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह को राज्यसभा के मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया। संजय सिंह आज राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर सभापति के आसन के बहुत करीब पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। सभापति ने उन्हें शांत रहने को कहा और अपने स्थान पर जाने का अनुरोध किया लेकिन वह नहीं माने। नेता सदन पीयूष गोयल इस बारे में सदन में प्रस्ताव लाये, जिसे ध्वनिमत से मंजूर किया गया। उसके बाद आसन ने सदन की कार्यवाही में बाधा पहुंचाने के आरोप में सांसद संजय सिंह को मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए सस्पेंड कर दिया। उल्लेखनीय है कि आप सांसद संजय सिंह मणिपुर में हो रही हिंसा पर चर्चा करने की मांग को लेकर सभापति के आसन के बहुत करीब पहुंच गए थे। उन्होंने अपने बयान में कहा था कि मणिपुर में जिस महिला के साथ दुर्व्यवहार हुआ था, उसके पति करगिल के युद्ध में हिस्सा ले चुके सेना के रिटायर्ड सूबेदार हैं। यह गंभीर मुद्दा है। सदन में चर्चा होनी चाहिए।

हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़ते ही यमुना फिर हुई विकराल, दिल्ली में बाढ़ के हालात

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारी बारिश के दौरान हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़ते ही यमुना ने एक बार फिर विकराल रूप धारण कर लिया है। जानकारी के अनुसार दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर एक बार फिर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। यमुना का जलस्तर सोमवार सुबह 7 बजे तक 206.56 मीटर पर आ गया। खतरे को देखते हुए दिल्ली स-रकार एक बार फिर अलर्ट मोड में आ गई है। साथ ही निचले इलाकों और बाढ़ की चपेट में आ चुके क्षेत्र पर खास फोकस किए हुए है। सरकार द्वारा बाढ़ की स्थिति में किसी भी तरह से हालातों से निपटने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में लगातार हो रही भारी और मूसलधार बारिश से बैराज में पानी बढ़ गया। इसके बाद से हथिनीकुंड बैराज से फिर पानी छोड़ा जा रहा है। इस पानी के छोड़े जाने के बाद यमुना का जलस्तर रविवार शाम से बहुत तेजी के साथ बढ़ा है। दिल्ली सरकार के अधिकारियों का कहना है कि नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के बाढ़ प्रभावित निचले इलाकों में राहत एवं पुनर्वास के काम पर असर पड़ सकता है। हालांकि प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। क्योंकि यमुना के जलस्तर में कभी कमी तो बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। इसके चलते अभी हालात पूरी तरह से दुरूस्त नहीं है। यही वजह है कि निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडराया हुआ है।

पानी के स्तर के घटने के बाद से लोगों के राहत शिविरों से घरों की तरफ लौटने की कवायद भी शुरू हुई थी। लेकिन अब एक बार खतरा मंडाराता नजर आ रहा है। इसको लेकर प्रशासन पूरी तरह से एहतियात बरत रहा है। गौरतलब है कि गत शनिवार को राजस्व मंत्री आतिशी ने भी कहा था कि हथिनीकुंड बैराज से यमुना नदी में 2 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के कारण बाढ़ के खतरे के मद्देनजर दिल्ली स-रकार हाई अलर्ट पर है। राजस्व मंत्री आतिशी ने आशंका जताई थी कि अगर जलस्तर 206.7 मीटर तक पहुंचता है, तो यमुना खादर के कुछ हिस्से जलमग्न हो सकते हैं।

यमुना का जलस्तर पिछले कुछ दिनों से 205.33 मीटर के खतरे के निशान के आसपास है। 13 जुलाई को यह रिकॉर्ड 208.66 मीटर पर पहुंच गया था। लेकिन अब यमुना का जलस्तर सोमवार सुबह 7 बजे तक 206.56 मीटर पहुंच गया है। यमुना में बढ़ते जलस्तर को लेकर नॉर्दन रेलवे के दिल्ली डिविजन की ओर से दिल्ली और शाहदरा के बीच ट्रेनों की सेवा को निलंबित रखने का फैसला किया है।

संघ के वरिष्ठ प्रचारक मदन दास देवी का बेंगलुरु में निधन, प्रधानमंत्री ने जताया शोक

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक मदन दास देवी का सोमवार सुबह निधन हो गया। 81 वर्षीय मदन दास ने बेंगलुरु में अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। संघ के प्रचार विभाग के अनुसार संघ के पूर्व सह स-रकार्यवाह और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व राष्ट्रीय संगठन मंत्री मदन दास देवी ने सोमवार सुबह 5 बजे राष्ट्रोत्थाना हॉस्पिटल, राजराजेश्वरी नगर, बेंगलुरु में अंतिम सांस ली। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शनों के लिए बेंगलुरु में संघ के प्रांत कार्यालय में दोपहर 1:30 बजे से शाम चार बजे तक रखा जाएगा। उनका अंतिम संस्कार पुणे (महाराष्ट्र) में आज सुबह 11 बजे होगा। शोक की इस घड़ी में प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया है- 'मदन दास देवी जी के देहावसान से अत्यंत दुख हुआ है। उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्रसेवा में समर्पित कर

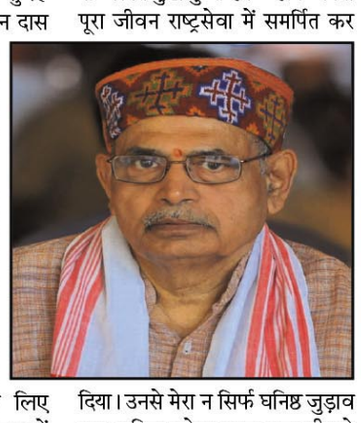

दिया। उनसे मेरा न सिर्फ घनिष्ठ जुड़ाव रहा, बल्कि हमेशा बहुत कुछ सीखने को मिला। शोक की इस घड़ी में ईश्वर सभी कार्यकताओं और उनके परिवारजनों को संबल प्रदान करे। ओम शांति!'

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने दलित अत्याचार को लेकर मप्र सरकार को घेरा

भोपाल, (हि.स.)। अखिल भारतीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मध्य प्रदेश में बीते एक माह के दौरान दलित-आदिवासियों के साथ हुई शर्मनाक घटनाओं को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से छतरपुर जिले में दो दिन पहले हुई घटना का उल्लेख करते हुए भाजपा के सबका साथ नारे को दिखावटी बताया है। खड़गे ने सोमवार को ट्वीट करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में एक महीने में दलित-आदिवासी अत्याचार की दूसरी बेहद निंदनीय व पीड़ादायक वारदात हुई है, जो मानवता को शर्मसार कर देने वाली है। उन्होंने एनसीआरबी रिपोर्ट (2021) का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश में दलितों के खिलाफ अपराधों का रेट सबसे ज्यादा है। आदिवासियों के खिलाफ सबसे अधिक अपराध हुए है। खड़गे ने आगे कहा कि भाजपा का "सबका साथ", केवल विज्ञापनों में सिमटकर, एक दिखावटी नारा और ढफर३४ल्ल३ बनकर रह गया है! भाजपा, हर दिन बाबासाहेब अंबेडकर के सामाजिक न्याय के सपने को चूर-चूर कर रही है। हम माँग करते हैं कि छतरपुर जिले की इस घटना पर कठोर से कठोर कार्रवाई हो। उल्लेखनीय है कि छतरपुर जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डिकौरा में गत 21 जुलाई को ग्राम पंचायत में कुछ निर्माण काम चल रहा था और देशराज अहिरवार नामक युवक यहां मजदूरी कर रहा था। उस-ाका आरोप है कि काम के दौरान सीमेंट उड़ कर गांव के रामकृपाल पटेल नामक व्यक्ति के ऊपर चला गया। इससे नाराज होकर उसने मारपीट की। बाद में उसने लोटे में मल लाकर उसके चेहरे और शरीर पर मल दिया। इस मामले में शनिवार को पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

रैपिड रेल प्रोजेक्ट के लिए दो सप्ताह में 415 करोड़ दे दिल्ली सरकार: सुप्रीम कोर्ट

अजय कुमार

नई दिल्ली। रैपिड रेल प्रोजेक्ट मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार की खिंचाई की है। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को रैपिड रेल प्रोजेक्ट के लिए 2 हफ्ते में 415 करोड़ रुपये देने को कहा है। जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली बेंच ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि आपने तीन साल में विज्ञापन पर 1100 करोड़ खर्च किए, लेकिन आम लोगों से जुड़ी अहम परियोजना के लिए हिस्सा नहीं दिया। क्या हमें एक साल का विज्ञापन बजट जब्त करने का आदेश देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने 3 जुलाई को रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के लिए धन उपलब्ध कराने में असमर्थता व्यक्त करने पर दिल्ली सरकार को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था कि रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम जैसे प्रोजेक्ट्स फंड के कारण रुकने नहीं चाहिए। कोर्ट ने प्रोजेक्ट के लिए फंड मुहैया ना कराने पर नाराजगी जताते हुए दिल्ली सरकार से 3 साल के विज्ञापनों पर खर्च का विस्तृत ब्योरा देने को कहा था। दरअसल, 21 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर को पर्यावरण मुआवजा शुल्क के फंड से 500 करोड़ रुपये का योगदान देने का निर्देश दिया था। इस पर दिल्ली सरकार के असमर्थता जाहिर करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने आप सरकार के जरिये पिछले तीन सालों में दिए गए विज्ञापन की विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने को कहा।

दरअसल, सेमी हाईस्पीड रेल कॉरिडोर के जरिए दिल्ली से मेरठ के बीच 82.15 किमी की दूरी 60 मिनट में तय होगी। 24 स्टेशनों वाला रीजनल रैपिड ट्रांसिट सिस्टम कॉरिडोर दिल्ली में सरायकाले खां से मोदीपुरम, मेरठ तक बनाया जा रहा है, जिसकी अनुमानित लागत करीब 31,632 करोड़ रुपये है।

जम्मू आधार शिविर से अमरनाथ तीर्थयात्रियों का 22वां जत्था रवाना

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से सोमवार सुबह अमरनाथ तीर्थ यात्रियों के 22वें जत्थे को कड़ी सुरक्षा के बीच रवाना किया गया। इस जत्थे में 3898 श्रद्धालु शामिल हैं। यह जत्था पहलगाम व बालटाल के लिए रवाना हुआ। 2606 श्रद्धालुओं का काफिला 99 वाहनों में सवार होकर पहलगाम और 1292 श्रद्धालु 50 वाहनों में सवार होकर बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुए। इस जत्थे में 2898 पुरुष, 898 महिलाएं, 12 बच्चे और 90 साध्वियां शामिल हैं। उल्लखेनीय है अमरनाथ मंदिर में पवित्र गुफा समुद्र तल से 3,888 मीटर ऊंचाई पर है। 62 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा 1 जुलाई को अनंतनाग जिले के पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल से शुरू हुई थी। यह यात्रा 31 अगस्त को सम्पन्न होगी।

लोकसभा में गृहमंत्री ने फिर दोहराया सरकार मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा में सोमवार को भी मणिपुर मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के चलते व्यवधान रहा और सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित हुई। अपराह्न ढाई बजे केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सदन में एक बार फिर दोहराया कि सरकार मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार है। साथ ही विपक्ष से आग्रह किया कि सदन चलने दें लेकिन विपक्ष के हंगामे को देखते हुए सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष लगातार मणिपुर के घटनाक्रम पर चर्चा कराने और प्रधानमंत्री के जवाब की मांग पर अड़ा हुआ है। सरकार का कहना है कि वे सदन में चर्चा के लिए तैयार हैं और चर्चा के अंत में गृहमंत्री जवाब देंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी आज सरकार की ओर से बार-बार दिए जा रहे आश्वासन का जिक्र करते हुए विपक्ष से सदन चलने देने का आग्रह किया। लोकसभा अध्यक्ष ने गृहमंत्री के बयान के बाद कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है। सदन में चर्चा का जवाब विभाग के मंत्री की ओर से ही दिया जाता है। ऐसे में नई परंपरा की मांग करना और सदन को नियोजित तरीके से नहीं चलने देना देश के हित में नहीं है। वे विपक्ष से दोबारा आग्रह करते हैं कि सरकार चर्चा कराने के लिए तैयार है, विपक्ष सहयोग करे। इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह ने सदन में कहा कि वे विपक्ष के सभी सम्मानित सदस्यों से आग्रह करते हैं कि मणिपुर का मुद्दा संवेदनशील है और सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के सदस्य चर्चा की मांग कर रहे हैं। स-रकार सदन में चर्चा के लिए तैयार है। वे नहीं जानते कि विपक्ष क्यों चर्चा नहीं करना चाहता। उनका आग्रह है कि चर्चा होने दें ताकि देश के सामने सच्चाई आए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सुबह लोकसभा की कार्यवाही कुछ देर प्रश्नकाल संचालित होने के बाद पहले 12 बजे, फिर दो बजे और फिर ढाई बजे तक स्थगित की गई।

जनभावना का आदर करना सीखें अखिलेश : अनिल राजभर

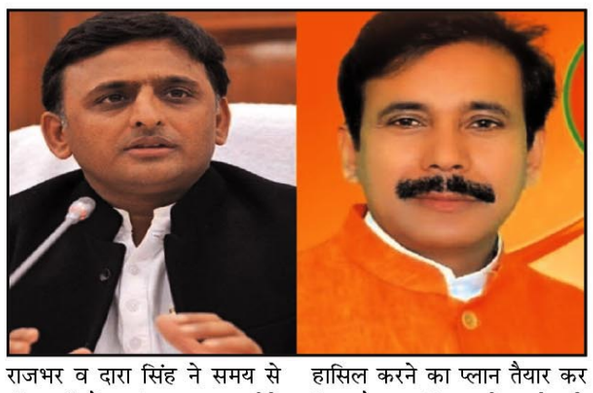

झांसी, (हि. स.)। अखिलेश यादव जनभावनाओं का आदर करना सीखें और जमीनी हकीकत को समझें, अन्यथा उनका बचा खुचा राजनैतिक अस्तित्व भी समाप्त हो जाएगा और कोई उनका नाम लेने वाला तक नहीं होगा। यह नि : शुल्क नसीहत प्रदेश सरकार के श्रम व सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को दी है। वह यहां आज सर्किट हाउस में विभागीय समीक्षा के बाद पत्रकारों से मुखातिब हो रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वामीप्रसाद मौर्य की वापसी के सवाल पर निजी राय देते हुए कहा कि अगर वह अपनी भूल सुधार लें, तो पार्टी को विचार करना चाहिए। वहीं उन्होंने जयंत चौधरी पर भी निशाना साधा। पत्रकारों से चर्चा कर रहे राजभर ने कहा कि ओमप्रकाश राजभर व दारा सिंह ने समय से सीख ली हैं, सही वक्त पर उन्होंने उचित निर्णय लिया है। जयंत चौधरी के सवाल पर कहा कि उन्हें भी सोचना चाहिए वर्ना जनता सबक सिखा देगी। राजभर ने कहा कि एनडीए में कोई भगदड़ नहीं है। यह अनुशासित गठबंधन है। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में 51 प्रतिशत वोट हासिल करने का प्लान तैयार कर लिया है। अब विपक्ष को अपने बारे में सोचना चाहिए। विपक्षी गठबंधन पर उन्होंने कहा कि 2019 में सपा-बसपा गठबंधन बड़ा गठबंधन था, लेकिन उसे भी जनता ने माटी में मिला दिया। अब विपक्ष फिर एकजुट होने में लगा है। परिणाम भी आपके सामने आ जाएंगे।

वृहत्तर भारत के कंकड़-कंकड़ में भगवान शंकर : योगी

- शिव की आराधना से मिलती है दूसरों के कल्याण की प्रेरणा : सीएम योगी

गोरखपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वृहत्तर भारत में उत्तर से दक्षिण तथा पूरब से पश्चिम तक श्रद्धालुओं को द्वादश ज्योतिर्लिंगों के माध्यम से अलौकिक कृपा का प्रसाद आदिकाल से प्राप्त होता रहा है। भारतीय मनीषा के माध्यम से हम कंकड़-कंकड़ में भगवान शंकर के दर्शन करते हैं। शिव की आराधना से हमें स्वयं के साथ दूसरों के कल्याण की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को गोरखनाथ मंदिर के सानिध्य में अँधियारी बाग स्थित मानसरोवर मंदिर में आयोजित सप्त दिवसीय (18 से 24 जुलाई) श्री शिव महापुराण कथा के विश्राम दिवस पर व्यासपीठ के समक्ष अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। व्यासपीठ की पूजा करने के बाद उन्होंने कहा कि पावन श्रावण मास के शुक्ल पक्ष में देवाधिदेव महादेव भगवान शिव की कथा का आनंद प्राप्त होना सौभाग्य है। वृहत्तर भारत में कैलाश से रामेश्वरम तक, पूरब में वैद्यनाथ धाम से लेकर पश्चिम में सोमनाथ धाम तक भगवान भोलेनाथ के पवित्र स्थल प्राचीन काल से आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक एकता के जागरण के केंद्र रहे हैं। श्रद्धालु नदियों व तीर्थों से शिला लाकर शंकर के रूप में पूजते हैं और आत्मिक संतुष्टि प्राप्त करते हैं। शिवालय और ज्योतिर्लिंग सांस्कृतिक एकता को मजबूत करते हैं।

शिव का अर्थ है कल्याण - मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिव का अर्थ ही है कल्याण। जिसमें कपट न हो, प्रपंच न हो, साधना में लीन होकर जो स्वयं व समाज के लिए कल्याणकारी हो, वही शिव के उपासक हैं। दूसरे के कष्टों को अपने ऊपर ले लेना, दूसरों को अमृत देकर स्वयं विषपान कर लेना ही शिवत्व है। इसलिए स्वयं के कल्याण के साथ दूसरों का कल्याण करना ही वास्तविक शिव पूजन होगा।

पूजा भाव के अनुसार मिलती है कृपा - मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम जिसकी पूजा करते हैं, उसके अनुरूप बनने का प्रयास करते हैं। भगवान शिव की पूजा में जाति, क्षेत्र, लिंग का भेद नहीं होता है। मनुष्य के साथ ही मनुष्येतर जीवों यथा देव, किन्नर, यक्ष, गंधर्व, भूत पिशाच को भी भोलेनाथ का सानिध्य प्राप्त होता था। हम जिस भाव से पूजा करेंगे, उसी के अनुसार कृपा भी प्राप्त होगी।

सांस्कृतिक व सामाजिक एकता का उदाहरण है कांवड़ यात्रा - मुख्यमंत्री ने कहा कि सावन माह में भगवान शिव की उपासना का विशिष्ट अवसर कांवड़ यात्रा सांस्कृतिक व सामाजिक एकता का अप्रतिम उदाहरण है। इसमें हर तबके के युवा, महिला व पुरुष भक्ति में लीन दिखते हैं, श्रद्धा के साथ भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। यह ईश्वरीय भक्ति का चमत्कारिक रूप है।

धर्मस्थलों व सार्वजनिक संपत्ति का करें संरक्षण - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी लोगों से धर्मस्थलों, सरकारी व सार्वजनिक संपत्ति के संरक्षण की अपील की। मानसरोवर मंदिर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि 10-11 वर्ष पूर्व यह मंदिर जर्जर और अव्यवस्थित था। समाज की चेतना जागृत हुई और गोरखपुर के श्रद्धालुओं ने संरक्षण का बीड़ा उठाया तो इसका कायाकल्प हो गया। हर धर्मस्थल, सरकारी व सार्वजनिक संपत्ति को सुंदर रखना सबका कर्तव्य होना चाहिए। यदि किसी सार्वजनिक संपत्ति को कोई नुकसान पहुंचाता है तो वह धरती माता, अपनी विरासत व पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव ईमानदारी से व्यक्त नहीं कर सकता। इसलिए इन स्थलों को न खुद नुकसान पहुंचाएं और न किसी को नुकसान पहुंचाने दें। उन्होंने कथाव्यास संत बालकदास एवं सभी यजमानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए देवाधिदेव महादेव से सभी लोगों के सुखमय व समृद्धमय जीवन की प्रार्थना की। इस अवसर पर महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, चचाईराम मठ के महंत पंचानन पुरी, भाजपा के महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, पार्षद पवन त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक किया - शिव महापुराण कथा के समापन में सहभागिता से पूर्व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक किया। सभी नागरिकों के मंगलमय जीवन की कामना की। भोलेनाथ का विधि विधान से दर्शन, पूजन व रुद्राभिषेक करने के उपरांत मुख्यमंत्री ने सभी देव विग्रहों का दर्शन पूजन कर लोक कल्याण की प्रार्थना की।

पूर्व मंत्री साहब सिंह सैनी समेत सपा बसपा कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल

लखनऊ, (हि.स.)। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार अपना कुनबा बढ़ाने में जुटी है। सोमवार को पूर्व मंत्री साहब सिंह सैनी व जगदीश सोनकर समेत सपा, बसपा और कांग्रेस कई नेता भाजपा में शामिल हुए। पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक की उपस्थिति में पूर्व सांसद अंशुल वर्मा, पूर्व विधायक गुलाब सरोज, वाराणसी से सपा से लोकसभा की प्रत्याशी रहीं डॉ. शालिनी यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सत्यपाल यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुनीता यादव, ब्लाक प्रमुख शिवानी यादव और डॉ. सुषमा पटेल सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुईं। इसी तरह कांग्रेस नेता राजीव बख्शी, बसपा से रवी भरद्वाज और गंगाधर कुशवाहा, सपा से डॉ. पियूष यादव, योगेश यादव, पुष्पेन्द्र पासी, शिवांस सैनी और महेन्द्र प्रताप सैनी ने भाजपा की सदस्ता ली। प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी इन सभी नेताओं को पटका पहनाकर स्वागत किया। नेताओं का स्वागत करते हुए भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि हम सब मिलकर 2024 के संपकल्प को पूरा करेंगे और मोदी व योगी के नेतृत्व में भाजपा की विकास यात्रा आगे ले जाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 80 में 80 लोकसभा सीटें हम लोग जीतेंगे। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विपक्षियों की जमानत नहीं बचेगी। विपक्ष चाहे जितना गठबंधन बना ले लेकिन 2024 में हम 80 में 80 सीट जीतकर मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर देश को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि मोदी सरकार ने जन-जन का विश्वास जीता है। पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यकों, सबके दिलों में प्रधानमंत्री ने जगह बनाई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का परिदृश्य अब पूरी तरह बदल चुका है। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री गिरीश चन्द्र यादव, मंत्री कपिल देव अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर पाठक व मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित समेत कई लोग मौजूद रहे।

जिले में सुरक्षा के लिए लगेंगे 1500 कैमरे

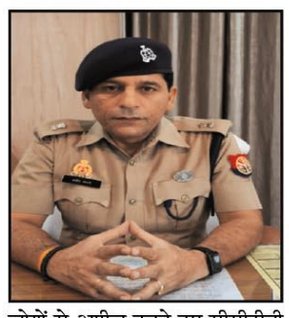

जालौन, (हि.स.)। जालौन पुलिस ने लोगों ने अपील की है कि वह अपनी-अपनी दुकानों में सीसीटीवी कैमरे जरूर लगाएं और खुद व जनता को सुरक्षित करें। जालौन पुलिस प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे "ऑपरेशन दृष्टि" के तहत कस्बों से लेकर शहरों तक को सीसीटीवी से लैस करने की योजना है और इस योजना के अंतर्गत जिले में 1500 व उरई में 350 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। वहीं, उरई शहर के मुख्य चौराहों पर 56 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। उरई शहर के कैमरों की मॉनिटरिंग शहर कोतवाली में की जाएगी। वहीं, जिले के कस्बों की मॉनिटरिंग संबंधित थानों में की जाएगी। वहीं, अपर पुलिस असीम चौधरी ने बताया कि आपराधिक मामलों पर अंकुश लगाया जा सके। इसी को लेकर जिले के लोगों से अपील करते हुए सीसीटीवी कैमरे लगवाए जा रहे हैं। ताकि गांव, कस्बा व शहर सेफ बन सकें और अपराधों पर अंकुश लगाई जा सके। स्कूल, कॉलेज, कोंचिग, दुकानदार, शोरूम, जिम जैसे प्रतिष्ठान इसमें सहयोग कर रहे हैं। जिले में करीब 1500 कैमरे लगाए जाने हैं और करीब 300 कैमरे पुलिस द्वारा लगाए जा चुके हैं।

अवैध कब्जे से मुक्त कराई जायेंगी वक्फ संपत्तियां : दानिश आजाद अंसारी

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा है कि वक्फ की संपत्तियां अवैध कब्जे से मुक्त कराई जायेंगी। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियों का इस्तेमाल मुस्लिम समाज के विकास के लिए होना चाहिए। वह सोमवार को इंदिरा भवन स्थित अल्पसंख्यक कल्याण निदेशालय में केंद्र सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के ज्वाइंट सेक्रेटरी पी.एस. बक्शी तथा विभाग के अधिकारियों के साथ वक्फ संबंधित विषयों पर समीक्षा बैठक कर रहे थे। बैठक में राज्य मंत्री ने प्रदेश भर से आए हुए लोगों से वक्फ के विकास संबंधित विषयों पर चर्चा की। बीते दिनों केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री स्मृति ईरानी ने देशभर के वक्फ बोर्ड के चेयरमैन के साथ बैठक कर वह वक्फ विकास के संबंध में चर्चा की थी । उसी क्रम में सोमवार को उत्तर प्रदेश में राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने अपर मुख्य सचिव, निदेशक व केंद्र से आए ज्वाइंट सेक्रेटरी के साथ समीक्षा बैठक कर वक्फ संबंधित विभिन्न मसलों पर चर्चा की। समीक्षा बैठक में उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की अपर मुख्य सचिव मोनिका एस गर्ग और निदेशक जे रिभा भी उपस्थित रहीं।

कांवड़ियों पर हुए पथराव मामले में 150 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बरेली, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में जनपद बरेली जोगी नवादा स्थित शाह नूरी मस्जिद से रविवार को कांवड़ियों पर किए गए पथराव मामले में पुलिस की कार्रवाई जारी है। इस मामले में अब तक 13 नामजद और 150 अज्ञातों पर मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधीक्षक नगर राहुल भाटी ने बताया कि इस मामले में सपा नेता पूर्व पार्षद उस्मान अली, मस्जिद के इमाम उसके बेटे को भी नामजद किया गया है। उस्मान अली की गिरफ्तारी हुई है। जिले के सभी शिव मंदिरों और शिवालयों में भारी फोर्स को तैनात किया गया है। एसपी ने बारादरी थाना क्षेत्र के जोगी नवादा स्थित महाभारतकालीन वनखंडी नाथ मंदिर से रविवार को कांवड़ियों का जत्था जल लेने के लिए कछला घाट जा रहा था। जत्थे में करीब दो हजार की भीड़, जिसमें महिलाएं, बच्चें भी शामिल थे। शाहनूरी मस्ज्दि से कांवड़ियों के जत्थे पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पत्थरबाजी की। जिसमें कई लोग घायल हुए हैं। पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए हैं। बताया जा रहा है कि मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पहले से तैयारी कर रखी थी। पूरा बाजार बंद कर रखा था और छतों पर पत्थर और कांच की बोतलें रख ली थी कि जैसे ही कांवड़ियों का जत्था निकला वैसे ही मस्जिद के पास पूर्व पार्षद उस्मान अली समेत मुस्लिम समुदाय के लोगों ने घरों से पथराव कर दिया। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उपद्रवियों को चिन्हित कर गिरफ्तारी की जा रही है।

नगर निकायों में नक्शा पास करने का सॉफ्टवेयर 25 से होगा लाइव

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि राज्य के नगर निकायों में नक्शे स्वीकृत करने के लिए नया सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है, जो मंगलवार को लाइव कर दिया जाएगा। इस नक्शा पास करने के सॉफ्टवेयर की टेस्टिंग और ट्रायल सप्ताह भर चलने की उम्मीद है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने बताया कि पूर्व में नक्शा पास करने की प्रक्रिया में संशोधन कर नया प्रोसेस लागू किया गया है। उस प्रोसेस में नक्शा स्वीकृति की प्रक्रिया पांच चरणों में पूरी हो जानी है। इसमें नक्शा की वैधता की जांच होनी है और नक्शा पास होना है। इसे लोगों के हित को देखते हुए पूरे राज्य के नगर निगमों में लागू किया जाना है। इसके लिए एक नया सॉफ्टवेयर भी तैयार किया गया है, जो मंगलवार को लाइव कर दिया जाएगा। इस नक्शा पास करने के सॉफ्टवेयर की टेस्टिंग और ट्रायल सप्ताह भर चलने की उम्मीद है। नक्शा का निष्पादन इस नए सॉफ्टवेयर से दो अगस्त से पूरे राज्य में चालू कर दिया जाएगा। कोर्ट ने मामले में आरआरडीए और रांची नगर निगम को लंबित नक्शा के बारे में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई तीन अगस्त निर्धारित की है। मामले में राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश, रांची नगर निगम की ओर से अधिवक्ता एलसीएन सहदेव एवं आरआरडीए की ओर से अधिवक्ता प्रशांत कुमार सिंह ने पैरवी की।

देवघर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ कार्रवाई पर 16 अगस्त तक रोक बरकरार

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस संजय प्रसाद की कोर्ट ने देवघर के डीसी मंजूनाथ के खिलाफ कार्रवाई पर रोक बरकरार रखते हुए मामले की अगली सुनवाई 16 अगस्त निर्धारित की है। सांसद निशिकांत दुबे को अगस्त, 2022 में प्लेन से दिल्ली जाने के क्रम में देवघर एयरपोर्ट में रोकने के खिलाफ दिल्ली में दर्ज जीरो एफआईआर को निरस्त करने को लेकर देवघर के डीसी मंजूनाथ भजंत्री की याचिका पर आज ऑशिक सुनवाई हुई। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से समय की मांग की गई, जिसके बाद कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 16 अगस्त निर्धारित की। पिछली सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से बताया गया था कि दिल्ली में दर्ज कराई गई जीरो एफआईआर झारखंड पुलिस को सौंप दी गई है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता मंजूनाथ के खिलाफ कार्रवाई पर रोक अगली सुनवाई तक जारी रखी है। प्रतिवादी निशिकांत दुबे की ओर से पार्थ जालान और अमित सिन्हा ने पैरवी की। पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया है कि 31 अगस्त, 2022 की शाम को जब वह प्लेन से दिल्ली जा रहे थे, तो तत्कालीन देवघर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के कहने पर सुरक्षाकर्मियों ने देवघर एयरपोर्ट पर उन्हें रोका और जान से मारने की धमकी भी दी। उनके सरकारी कार्य में बाधा डालने का भी निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया है।

राज्यपाल से स्वास्थ्य मंत्री ने की मुलाकात, विभाग की गतिविधियों से कराया अवगत

रांची, (हि. स.)। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से राजभवन में मुलाकात की। स्वास्थ्य मंत्री ने झारखंड में चल रहीं स्वास्थ्य विभाग के गतिविधियों और भविष्य की कार्ययोजनाओं से अवगत कराया, मंत्री ने राज्यपाल को बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग सीमित संसाधन के बावजूद इनोवेटिव आईडिया के साथ सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवा का लाभ दे रहा है। उन्होंने राज्यपाल को बताया मुख्यमंत्री ने विगत दिनों समीक्षा बैठक कर निर्देश दिया है राज्य के मेडिकल अस्पतालो में 24 घंटे सातों दिन चिकित्सा व्यवस्था दुरुस्त किया जाए। इस पर कार्ययोजना बनाकर कार्य कर रहे है। कालाजार उन्मूलन, सिकल सेल एनीमिया, सर्वाइकल कैंसर के उन्मूलन के साथ टीबी मुक्त झारखंड के लिए कार्य किया जा रहा है। राज्यपाल ने सभी बातों को गंभीरता पूर्वक सुना और स्वास्थ्य सेवा को सुधारने के लिए विशेष दिशा निर्देश दिए।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की जिला कार्यकारिणी गठित

बेगूसराय, (हि.स.)। आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा के सभी प्रकोष्ठ को सांगठनिक रूप से मजबूत किया जा रहा है। इसी कड़ी में अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मो. परवेज आलम ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष तुफैल खान कादरी एवं जिलाध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा की सहमति से पदाधिकारियों की घोषणा की गई है। जिलाध्यक्ष परवेज आलम ने बताया कि मो. सादिक आलम, मो. राशिद अंसारी, मो. आजाद एवं मो. आलम को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। जिला महामंत्री की जिम्मेवारी मो. शहादत अंसारी एवं मो. जावेद आलम को दी गई है जिला मंत्री मो. शेख फारुख, मो. मकुल, मो. रियाजउद्दीन एवं मो. शाहबाज आलम को बनाया गया है। जिला प्रवक्ता मो. आसिफ इकबाल, आईटी सेल संयोजक मो. साहदाब आलम, मीडिया प्रभारी मो. शकील आलम एवं कोषाध्यक्ष मो. मुन्ना मुख्तार को बनाया गया है। कार्यकारिणी समिति में डॉ. कलाम अंसारी, साकिब जिया, मो. साहिल अंसारी, मो. जमील अख्तर, मो. समीर आलम, मो. जैनुल शाह एवं मो. वसीम आलम को शामिल किया गया है।

भाजयुमो के हस्ताक्षर अभियान से जनता खोलेगी चाचा-भतीजा की पोल : कुंदन कुमार

बेगूसराय, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के निर्देशानुसार राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान के तहत बेगूसराय में जिला मुख्यालय सहित विभिन्न सांगठनिक मंडलों में अभियान चलाया जाएगा। इसकी सभी तैयारी कर ली गई है। यह जानकारी भारतीय जनता युवा मोर्चा के बेगूसराय जिलाध्यक्ष सुमित सन्नी ने दी। सुमित सन्नी ने कहा कि बिहार में कुशासन के कार्यकाल में बढ़ती अराजकता, अपराध, भ्रष्टाचार, दमनकारी नीति, मासूमों एवं बेकसूरों पर हो रहे लाठीचार्ज और तानाशाही के विरुद्ध राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान की घोषणा की गई है। प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार युवा मोर्चा के कार्यकर्ता 25 जुलाई से नौ अगस्त तक हस्ताक्षर अभियान चला हर वर्ग के लोगों को इस अराजक व्यवस्था के खिलाफ एकजुट करेंगे। 25 जुलाई को हड़ताली चौक पर इसका शुभारंभ किया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा ने कहा कि बिहार सरकार ने अराजकता का जो माहौल प्रदेश में उत्पन्न कर रखा है वह बर्दाश्त के योग्य कतई नही है। समाज की चिंता किए बिना यह भ्रष्ट शासन व्यवस्था चलाने वाली सरकार ने अपने प्रशासन को लाठी चलाने वाली कठपुतली बना दिया है। जिसका खामियाजा उन्हें अवश्य भुगतना होगा। बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार ने कहा कि बिहार में एक और अराजकता और बेरोजगारी चर्मोत्कर्ष पर है। दूसरी और दस लाख नौकरी का वादा करके सत्ता के नशे में चूर चाचा-भतीजा कुम्भकर्ण की नींद सोये हुए हैं। लेकिन बिहार की न्यायप्रिय जनता को ठगने का समय अब समाप्त हो चुका है। जनता सब देख रही है और हस्ताक्षर अभियान में साथ देकर इसका संकेत देगी। युवा मोर्चा प्रदर्शित करेगी कि जनता अब इस दमनकारी नीति वाली विनाश पुरुष को छोड़ न्याय एवं विकास के साथ खड़ी है। बिहार में आपराधिक गतिविधियां बढ़ती ही चली जा रही है। आए दिन हो रहे घटनाओं पर सब सत्ता लोभी मूकदर्शक बन बैठे हैं। शिक्षा व्यवस्था की बदहाली बढ़ती जा रही है। सरकारी विद्यालयों में ना तो शिक्षक हैं, ना ही शैक्षणिक व्यवस्था। नौवीं फेल को झेलता बिहार अब तैयारी कर रहा है चाचा-भतीजा के विदाई का।

भाजपा कोर कमिटी की बैठक गंड़क दियारा के छः मंडल की बूथों पर लोस चुनाव जीतने की रणनीति बनी

बगहा, (हि.स.)। 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर सोमवार के दिन बगहा पुलिस जिला के भाजपा कोर कमिटी के अधिकारी और सदस्यों की बैठक बगहा नगर स्थित नरायणापुर भाजपा कार्यालय में हुई । बैठक दौरान विगत दिनों बिहार की. राजधानी पटना में 13 जून को भाजपा के कार्यकताओं के विधान सभा घेराव के दौरान पुलिस के किये गये लाठी चार्ज में हुए एक कार्यकर्ता की मौत पर बिहार सरकार पर निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक दौरान वाल्मीकिनगर विधान सभा के बूथ सशक्तिकरण प्रारूप में चुनाव जिताने को लेकर विचार विमर्श करते हुए एक अलग बैठक की गयी। बैठक में वाल्मीकिनगर विधान सभा के छह मंडलों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक की अध्यक्षता कोर कमिटी के अध्यक्ष बगहा विधान सभा के विधायक राम सिंह ने किया। बैठक का संचालन ओमनिधि वत्स ने किया। इस दौरान विधायक राम सिंह ने बताया कि 2024 की लोकसभा तथा 2025 के वाल्मीकिनगर लोक सभा तथा विधान सभा के चुनाव में बूथ सशक्तिकरण में चुनाव जितने के सफल प्रयासों पर चर्चा की गयी। वही कोर कमिटी में जिला भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्षा सह मधुबनी प्रखंड प्रमुख विजया सिंह को पार्टी के पदधाधिकारियों के तरफ से विशेष रूप से जिम्मेदारी सौंपी गयी। इस संदर्भ में विजया सिंह ने बताया कि पार्टी के हम भाजपा के महिला ब्रिग्रेड के सिपाही हैं। हमारे वाल्मीकिनगर के मंडलों में वाल्मीकिनगर , बगहा2 , पिपरासी, मधुबनी, भीतहा तथा ठकरहा के बूथ कमिटी सदस्यों से आपसी तालमेल कर 2024 के लोकसभा तथा 2025 के बिहार विधान सभा चुनाव में बूथ जितने को लेकर सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया जायेगा। इस दौरान आंनद सिंह, रविन्द्र श्रीवास्तव,सुजीत चौरसिया, अमरलाल चौधरी, परितोष राय, अमित कुमार तथा पारस महतो आदि दर्जनों सदस्य मौजूद थे।

संपादकीय

एनडीए बनाम इंडिया मोर्चेबंदी

संसद के मानसून सत्र के पहले दो दिनों की कार्यवाही, विपक्ष के हंगामे और जिद, अंततः स्थगन से स्पष्ट है कि सत्ता और विपक्ष में दो मुख्य पाले तय हो गए हैं। सियासत सज गई है। बल्कि निर्णायक दौर में पहुंच गई है कि कौन, किधर होगा? संसद सत्र की पूर्व संध्या पर ही एक ऐसा वीडियो वायरल हुआ कि मणिपुर के मुद्दे पर सियासत बिल्कुल बंट गई। बेंगलुरु में गठित 'इंडियन नेशनल विकासवादी समावेशी गठबंधन' (इंडिया) को लगा कि संसद के जरिए भी राजनीति को पुख्ता किया जा सकता है और ऐसे ही माहौल में 2024 के आम चुनाव में कुछ बढ़त हासिल की जा सकती है। सत्ता-पक्ष में जिस तरह कांग्रेस नेतृत्व का यूपीए अपने फैसलों पर अड़ा रहता था, उसी तरह भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की भी प्रवृत्ति है। शायद यही सत्ता-पक्ष का स्वाभाविक रंग और उसकी सोच है! मॉनसून सत्र की शुरुआत से ही 'इंडिया' के तले विपक्ष की लामबंदी, गोलबंदी साफ दिखाई दे रही है। यह बिम्ब संसद के शीतकालीन सत्र तक दृश्यमान नहीं था। बजट सत्र की प्राथमिकताएं भिन्न होती हैं। यानी अब कहा जा सकता है कि 38 घटक दलों वाले एनडीए और 26 दलों वाले 'इंडिया' के मोर्चे निर्णायक दौर में पहुंच चुके हैं। कुछ अपवाद यहां भी हो सकते हैं। कमोबेश अब यह मान लेना चाहिए कि अब इसी मोर्चेबंदी के आधार पर आम चुनाव लड़े जाएंगे। मणिपुर पर संसद को जानबूझ कर, राजनीति के तहत, अवरुद्ध किया जा रहा है। संसदीय कार्यवाही के नियम पहले से ही तय हैं। उन्हें न तो सत्ता-पक्ष और न ही विपक्ष थोप सकता है। अलबत्ता किसी भी विषय पर बहस के लिए सांसद नोटिस दे सकते हैं और नियम का आग्रह भी कर सकते हैं। अंततः लोकसभा स्पीकर या राज्यसभा सभापति कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में फैसला ले सकते हैं कि बहस किस नियम के तहत होगी। बहस का समय भी तय किया जा सकता है, लेकिन उसमें पीठासीन अध्यक्ष बढ़ोतरी भी कर सकते हैं। आसन के कुछ विशेषाधिकार भी होते हैं। इसी तरह सरकार को भी कुछ अधिकार हासिल हैं कि सदन की कार्यवाही कैसे सुचारू ढंग से चलाई जा सकती है। अब सवाल है कि विपक्ष खासकर राज्यसभा में एक ही नियम के तहत बहस कराने पर क्यों आमादा है? प्रधानमंत्री सदन में उपस्थित हों, विपक्ष यह बाध्यता भी क्यों थोपना चाहता है? प्रधानमंत्री की देश-विदेश के मामलों की व्यस्तता खूब होती है। मणिपुर में औरतों को निर्वस्त्र कर घुमाने जैसा मुद्दा गृह मंत्रालय के अधीन आता है। खुद गृहमंत्री मणिपुर के 3-4 दिन के दौरे पर भी गए थे, लिहाजा उन्हें ज्यादा जानकारी है कि मणिपुर का संकट क्या है? गृह मंत्री अमित शाह को बहस का जवाब देने का सक्षम और उपयुक्त पात्र मानना चाहिए। प्रधानमंत्री तो सरकार के 'प्रथम पुरुष' हैं। वह तो कभी भी बहस में हस्तक्षेप कर सकते हैं। चिंता और सरोकार यह होना चाहिए कि मणिपुर के साथ-साथ बिहार, पश्चिम बंगाल, राजस्थान सरीखे राज्यों के संदर्भ में भी बहस की जानी चाहिए, क्योंकि उन राज्यों में भी महिलाओं की इज्जत को न केवल तार-तार किया गया है, बल्कि सामूहिक बलात्कार, हत्या और आगजनी की कंपा देने वाली खौफनाक घटनाएं भी हुई हैं। ये अपराध रिकॉर्ड में दर्ज हैं। राजस्थान में एक निश्चित वर्ष में बलात्कार के 6337 केस दर्ज किए गए, जबकि मणिपुर जैसे छोटे से राज्य में यह औसत मात्र 26 है। महिलाओं के खिलाफ दूसरे अपराध भी बहुत हैं। विपक्ष शासित राज्य मणिपुर से भी ज्यादा महत्त्वपूर्ण और संवेदनशील हैं। तीन राज्यों से ही 107 सांसद चुनकर लोकसभा में आते हैं। इन राज्यों में भी भारत की बेटियों की इज्जत और गरिमा को नग्न किया गया है। बेशक इन राज्यों में 'इंडिया' की सत्ता है, महज इसी आधार पर न तो बहस तय हो सकती है और न ही उन्हें संसद की चिंताओं से अलग रखा जा सकता है। राजनीति करने के दूसरे बहुत मुद्दे और आधार हैं। यदि संसद के भीतर सिर्फ शोर मचाना और हंगामा करना ही मकसद है, तो बीते दौर में भाजपा करती थी, आज 'इंडिया' कर रहा है। देश की चिंता कौन करेगा? पक्ष तथा विपक्ष को सोचना है कि लोकतंत्र की सफलता के लिए उन्हें मिलजुल कर काम करना है।

सत्ता-पक्ष में जिस तरह कांग्रेस नेतृत्व का यूपीए अपने फैसलों पर अड़ा रहता था, उसी तरह भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की भी प्रवृत्ति है। शायद यही सत्ता-पक्ष का स्वाभाविक रंग और उसकी सोच है! मॉनसून सत्र की शुरुआत से ही 'इंडिया' के तले विपक्ष की लामबंदी, गोलबंदी साफ दिखाई दे रही है। यह बिम्ब संसद के शीतकालीन सत्र तक दृश्यमान नहीं था। बजट सत्र की प्राथमिकताएं भिन्न होती हैं। यानी अब कहा जा सकता है कि 38 घटक दलों वाले एनडीए और 26 दलों वाले 'इंडिया' के मोर्चे निर्णायक दौर में पहुंच चुके हैं। कुछ अपवाद यहां भी हो सकते हैं। कमोबेश अब यह मान लेना चाहिए कि अब इसी मोर्चेबंदी के आधार पर आम चुनाव लड़े जाएंगे। मणिपुर पर संसद को जानबूझ कर, राजनीति के तहत, अवरुद्ध किया जा रहा है। संसदीय कार्यवाही के नियम पहले से ही तय हैं। उन्हें न तो सत्ता-पक्ष और न ही विपक्ष थोप सकता है। अलबत्ता किसी भी विषय पर बहस के लिए सांसद नोटिस दे सकते हैं और नियम का आग्रह भी कर सकते हैं।

बोधि वृक्ष

अर्जुन नहीं उठाते हथियार तो इस तरह का होता कौरवों का राज

अर्जुन श्रीकृष्ण से कहते हैं कि अपने सगे-संबंधियों, गुरुजनों और मित्रों का वध करके मैं राज्यप्राप्ति का सुख भोगूं, क्या ऐसा करने से मुझे आत्मसंतुष्टि हासिल हो सकेगी। इससे तो बेहतर है कि मैं बिना किसी को नुकसान पहुंचाए वन में जाकर संन्यासी का जीवन व्यतीत करने लगूं। यहां वही भ्रांति है जो लोग अध्यात्मवादियों के बारे में रखते हैं। इस तरह की भ्रांति की वजह से लोग यह मानते हैं कि अध्यात्म के मार्ग पर चलने वाला कभी महत्वाकांक्षी नहीं हो सकता। भगवान श्रीकृष्ण इस भ्रांति का निराकरण करते हुए अर्जुन को लड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। अभिप्राय यह है कि अर्जुन यदि हथियार डाल देता तो संसार के सीमित संसाधन हमेशा के लिए कौरवों के हाथों में ही रह जाते और कौरव उनका अनुचित इस्तेमाल करते हुए अपनी प्रजा का शोषण करते। यानी जब चरित्रहीन व्यक्ति संसाधनों के स्वामी बन जाते हैं तो समाज में कदाचार और अराजकता फैलने की संभावना प्रबल हो जाती है। इसके उलट चरित्रवान और सदाचारी व्यक्ति अपने विवेक और प्रज्ञा का इस्तेमाल करते हुए सामाजिक समरसता और सेवाभाव से अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति करता है। कठोपनिषद् में कहा गया है कि जब एक सच्चिदानंद स्वरूप सदगुरु और श्रद्धावान शिष्य का समन्वय होता है तो बेजोड़ ज्ञान का उदय होता है। गीता में ज्ञान अर्जित करने से संबंधित एक श्लोक में योगेश्वर कहते हैं कि 'श्रद्धावान लभते ज्ञानम्तत्परः संयतेन्द्रिय' यानी ऐसे शिष्य को ही ज्ञान की प्राप्ति होगी जो श्रद्धावान है, तत्पर है और संयमी है। कबीरदास जी ने सदियों पहले कहा था- गुरु गोविंद दोउ खड़े, काके लागूं पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताय। गुरु एक ऐसा प्रकाश स्तंभ है जो कभी अपने लिए मार्गदर्शक नहीं बनता बल्कि उसकी रोशनी से उसके शिष्यों की मंजिलें आसान होती हैं। आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित करने के लिए सद्गुरु का मार्गदर्शन बेहद जरूरी है। गुरु एक ऐसा प्रकाश स्तंभ है जो ज्ञानरूपी प्रकाश भी देता है और प्रेरणा भी, जो मार्ग भी दिखाता है और मंजिल पर भी पहुंचाता है। गुरु पवित्रता का प्रवाह है, गुरु नैतिकता का निर्वाह है। विश्व विख्यात वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टाइन ने कहा है कि वह गुरु ही है जो रचनात्मक क्रियाओं और अपने ज्ञान से हमारे अन्तःकरण में आनंद उत्पन्न करता है। इस आनंद की अनुभूति में आत्मसात किए गए सब्जेक्ट को शिष्य जीवन-पर्यंत नहीं भूलता। विश्व विजेता सिकंदर का कथन है- अच्छे रहन-सहन के लिए मैं अपने पिता का ऋणी हूं लेकिन अच्छी तरह से रह पाने के लिए अपने गुरु का। वायुपुराण में गुरु को बहुत सुंदर शब्दों में परिभाषित किया गया है। 'जो हमें सद्बुद्धि दे, हमें संसार में जीना सिखाए, सामाजिक बाधाओं को सहजता से पार करने की कला सिखाए। गूढ़ से गूढ़ बातों को सरलता से समझाए और समझाने का तरीका ऐसा हो कि वह बात हृदय में उतर जाए, वही सच्चा गुरु है, वही आचार्य है। इसलिए गुरु के सान्निध्य में जाने से जीवन की दिशा और दशा दोनों बदल जाती हैं।' सच्चिदानंद स्वरूप गुरु को लोगों के हृदय परिवर्तन के लिए ज्यादा उपदेश नहीं देने पड़ते, उसकी उपस्थिति मात्र से व्यक्तित्व का रूपांतरण हो जाता है। उसकी छोटी सी प्रेरणा हृदय परिवर्तन करने में सक्षम होती है। गौतम बुद्ध को वैशाली की नगरवधू आम्रपाली और मगध साम्राज्य में आतंक का पर्याय बन चुके अंगुलिमाल का हृदय परिवर्तन करने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। दोनों के लिए ज्यादा उपदेशपरक शिक्षाएं खर्च नहीं करनी पड़ी। आध्यात्मिक मार्ग हो या सांसारिक जीवन सद्गुरु की कृपा से प्रगति सुनिश्चित है।

देश को विदेशी निवेश का पसंदीदा देश बनाने में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका है

विदेशी निवेश की अनुकूलताएं व चुनौतियां

डा. जयंती लाल भंडारी

विदेशी निवेश की बदौलत भारत विश्व में नई परियोजनाओं की घोषणा करने वाला तीसरा देश बन गया और अंतरराष्ट्रीय परियोजना वित्त सौदों में दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया। अंकटाड की वल्र्ड इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और भारत में तेजी से कई आर्थिक सुधार भी हो रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में यह भी उल्लेखनीय है कि 9 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनईएससीएपी) की डिजिटल एवं टिकाऊ व्यापार सुविधा संबंधी रिपोर्ट में भारत 140 देशों को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में सबस आगे पहुंच गया है।

21 जुलाई को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री ने संसद में बताया कि पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में दुनिया में वैश्विक सुस्ती के कारण भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पूर्व वित्त वर्ष की तुलना में 22 फीसदी घटकर 46 अरब डॉलर रह गया है। इसके बावजूद अभी भी भारत दुनिया के प्रमुख एफडीआई प्राप्त करने वाले देशों की सूची में ऊंचे क्रम पर रेखांकित हो रहा है। हाल ही में प्रकाशित संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (अंकटाड) की वल्र्ड इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट 2023 पढ़ी जा रही है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में गिरावट के रुझान के बीच भारत दुनिया के सर्वाधिक एफडीआई प्राप्त करने वाले 20 देशों की सूची में आठवें पायदान पर रहा। विदेशी निवेश की बदौलत भारत विश्व में नई परियोजनाओं की घोषणा करने वाला तीसरा देश बन गया और अंतरराष्ट्रीय परियोजना वित्त सौदों में दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया। अंकटाड की वल्र्ड इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और भारत में तेजी से कई आर्थिक सुधार भी हो रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में यह भी उल्लेखनीय है कि 9 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनईएससीएपी) की डिजिटल एवं टिकाऊ व्यापार सुविधा संबंधी रिपोर्ट में भारत 140 देशों को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में सबस आगे पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक पारदर्शिता, औपचारिकताएं, संस्थागत व्यवस्था, सहयोग और कागज रहित व्यापार संबंधी मूल्यांकन में भारत ने 100 प्रतिशत की उत्कृष्ट रैंक हासिल की है। गौरतलब है कि देश को विदेशी निवेश का पसंदीदा देश बनाने में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका है। पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में देश की विकास दर अनुमानों से अधिक 7.2 फीसदी रही है। देश में जून 2023 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), विनिर्माण के लिए पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई), यात्री वाहनों की बिक्री और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये हुए लेन-देन में प्रभावी वृद्धि पाई गई है। ऐसे उत्साहवद्र्धक आर्थिक आंकड़ों से दुनियाभर के वित्तीय संगठनों और क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के द्वारा वर्ष 2023-24 में भारत की विकास दर के 6 से 6.5 फीसदी रहने की उम्मीदें प्र स्तुत्त की जा रही हैं। विभिन्न वैश्विक रिपोर्टों में यह कहा जा रहा है कि भारत विश्व अर्थव्यवस्था में नई शक्ति प्राप्त कर रहा है। चार वैश्विक रुझान जनसांख्यिकी, डिजिटलीकरण, डीकार्बोनाइजेशन और डीग्लोबलाइजेशन न्यू इंडिया के पक्ष में हैं। भारत में मजबूत राजनीतिक नेतृत्व है। भारत में निवेश पर बेहतर रिटर्न है। भारतीय बाजार बढ़ती डिमांड वाला बाजार है। देश में प्रतिभाशाली नई पीढ़ी की कौशल दक्षता,

आउटसोर्सिंग और देश में बढ़ते हुए मध्यम वर्ग की चमकीली क्रयशक्ति के कारण विदेशी निवेश भारत की ओर तेजी से बढने लगा है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि मोदी सरकार के द्वारा उद्योग-कारोबार को आसान बनाने के लिए विगत 9 वर्षों में करीब 1500 पुराने कानूनों और 40 हजार अनावश्यक अनुपालन को समाप्त कर दिया गया है। आर्थिक क्षेत्र में जीएसटी और दिवालिया कानून जैसे सुधार किए गए हैं। बैंकिंग क्षेत्र में जोरदार सुधार करके मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद की मदद से अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया गया है। कॉरपोरेट टैक्स को कम किया गया है। कारोबार का खुद संचालन करने के बजाय सरकार ने कारोबार करने के लिए आधार तैयार किया है। भारत के युवाओं ने डिजिटल और उद्यमिता के क्षेत्र में दुनिया भर में दबदबा कायम किया है। 100 से ज्यादा यूनिकार्न बनाए हैं और पिछले 9 साल में एक लाख से ज्यादा नए स्टार्टअप शुरू किए हैं। कानून के कई प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और एफडीआई के लिए नए रास्ते जैसे अभूतपूर्व कदमों से देश की ओर विदेशी निवेश का प्रवाह तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर सुस्त बाजारों और चीन की आर्थिक रफ्तार सुस्त होने के बीच भारत ने विदेशी निवेश प्राप्त करने का अब तक एक शानदार मुकाम हासिल किया है। विनिर्माता और निवेशक चीन का विकल्प तलाश रहे हैं और इस समय एशिया में अधिकांश निवेशकों को भारत से बेहतर कोई नहीं दिख रहा है। देश की अर्थव्यवस्था की चाल में लगातार सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) से भारी निवेश प्राप्त होने की बदौलत भारतीय शेयरों में लगातार तेजी दर्ज की जा रही है। इस समय देश में शेयर बाजार ने शानदार प्रदर्शन किया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी तथा बंबई स्टॉक एक्सचेंज का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स रिकॉर्ड स्तर पर है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए सरकार जिन रणनीतियों के साथ आगे बढ़ रही है, उससे देश में तेजी से विदेशी निवेश बढ़ रहा है। भारत को एक वैश्विक डिजाइन और विनिर्माण केंद्र में बदलने के लिए मेक इन इंडिया 2.0, मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के लिए तकनीकी समाधान को बढ़ावा देने के लिए उद्योग 4.0, स्टार्टअप संस्कृति को उत्प्रेरित करने के लिए स्टार्टअप इंडिया, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी अवसंरचना परियोजना के लिए पीएम गति शक्ति और उद्योगों को डिजिटल तकनीकी शक्ति प्रदान करने के लिए डिजिटल इंडिया जैसी सफल पहलों के कारण भारत चतुर्थ औद्योगिक क्रांति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिका के दौरे के बाद उद्योग-कारोबार से संबंधित ऐसा महत्वपूर्ण परिदृश्य उभरकर सामने आ रहा है जिससे भारत दुनिया का नया मैन्युफैक्चरिंग हब बनते हुए दिखाई देगा और भारत में विदेशी निवेश बढ़ेगा। माइक्रोन, एप्लाइड मैटेरियल्स और लैम रिसर्च जैसी कंपनियों की घोषणाओं से आने वाले दिनों में लाखों की संख्या में नई नौकरियां भी पैदा होंगी। कंप्यूटर चिप बनाने वाली अमेरिकन कंपनी माइक्रोन ने गुजरात में अपना सेमीकंडक्टर असेंबली एवं परीक्षण संयंत्र के परिचालन को वर्ष 2024 के अंत तक शुरू करने की घोषणा की है जिस पर करीब 2.75 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। देश में सेमीकंडक्टर के निर्माण से अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदल जाएगी क्योंकि सेमीकंडक्टर उद्योग स्टील, गैस और केमिकल्स की तरह आधारभूत उद्योग है जो कई सेक्टर की जरूरतों को पूरा करता है। सेमीकंडक्टर के निर्माण से ऑटमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, टीवी, फ्रिज जैसी उपभोक्ता वस्तुएं, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन व रक्षा सेक्टर को काफी लाभ मिलेगा। माना जा रहा है कि सेमीकंडक्टर प्लांट के लिए माइक्रोन टेक्नोलॉजी की घोषणा के बाद इनकी सप्लाई चेन से जुड़ी 200 से अधिक छोटी-बड़ी कंपनियां भारत में निवेश करते हुए दिखाई देंगी। हम उम्मीद करें कि भारत की विशाल कौशल प्रशिक्षित युवा आबादी नवाचार, तकनीकी और डिजिटल नवोन्मेषों के साथ भारत को दुनिया के विदेशी निवेशकों की नजरों में और अधिक पसंदीदा देश बनाने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ाएगी। हम उम्मीद करें कि इस बार वल्र्ड इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट 2023 में आठवें क्रम पर स्थित भारत नई लॉजिस्टिक नीति, गति शक्ति योजना के कारगर कार्यान्वयन, नीतिगत सुधारों, उत्पादों के कारोबार के लिए सिंगल विंडो मंजूरी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, श्रमिकों के नए दौर के अनुरूप शिक्षण प्रशिक्षण के साथ-साथ विभिन्न आर्थिक और वित्तीय सुधारों से आगामी वर्ष 2024 की रिपोर्ट में दुनिया के पहले पांच सबसे पसंदीदा एफडीआई वाले देशों के ऊंचे क्रम पर रेखांकित होते हुए दिखाई देगा।

सीयू का बढ़ता अधिमान गर्व की बात

विपरीत परिस्थितियों के इस समय काल में विश्वविद्यालय के विभागों की नींव रखना तथा उनका संचालन करवाना सबसे बड़ी चुनौती था। लेकिन जैसे-तैसे यह विश्वविद्यालय संघर्षकाल में आगे बढ़ता रहा। वर्ष 2021 से इस विश्वविद्यालय को एक दूरदर्शी नेतृत्व प्रो. बंसल के रूप में मिला। पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है कि 19 जुलाई 2023 को इस विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) के द्वारा ए प्लस ग्रेड विश्वविद्यालय को मिला है। भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों के गुणवत्ता का निर्धारण के लिए प्रत्येक प्रमुख पैरामीटर पर गौर करके विश्वविद्यालय को ए प्लस ग्रेड मिला है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि के लिए राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने बधाई दी। सीजीपीए ग्रेडिंग सिस्टम के अनुसार रैंकिंग दी जाती है। इसमें अधिकतम सीजीपीए 4 और कम से कम 1.5 रहता है।

हिमाचल प्रदेश को 15 जुलाई 2009 को केंद्रीय विश्वविद्यालय मिला था। इस शैक्षणिक संस्थान के खुलने से प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अपनी तालीम अपने ही प्रदेश में पूरा करने का एक अवसर प्राप्त हुआ था। प्रदेश में उच्च शिक्षा की प्राप्ति के बहुत ही कम संस्थान हैं। इस विश्वविद्यालय की स्वीकृति के उपरांत से ही भूमि विवाद के कारण कई वर्षों तक अपने स्थायी निवास की खोज में तड़पता रहा। प्रदेश के दुर्गम, असहाय तथा निर्धन परिवारों से संबंध रखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह विश्वविद्यालय किसी वरदान से कम नहीं था, लेकिन भूमि विवाद के कारण यह विश्वविद्यालय सही तथा व्यवस्थित ढंग से शिक्षा मुहैया करवाने में असमर्थ था। वर्ष 2009 से लेकर 2021 तक यानी 11 वर्षों तक यह विश्वविद्यालय प्रदेश में शिक्षा के उत्थान के लिए कोई ज्यादा काम नहीं कर पाया था। विपरीत परिस्थितियों के इस समय काल में विश्वविद्यालय के विभागों की नींव रखना तथा उनका संचालन करवाना सबसे बड़ी चुनौती था। लेकिन जैसे-तैसे यह विश्वविद्यालय संघर्षकाल में आगे बढ़ता रहा। वर्ष 2021 से इस विश्वविद्यालय को एक दूरदर्शी नेतृत्व प्रो. बंसल के रूप में मिला। पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है कि 19 जुलाई 2023 को इस विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) के द्वारा ए प्लस ग्रेड विश्वविद्यालय को मिला है। भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों के गुणवत्ता का निर्धारण के लिए प्रत्येक प्रमुख पैरामीटर पर गौर करके विश्वविद्यालय को ए प्लस ग्रेड मिला है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि के लिए राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने बधाई दी। सीजीपीए ग्रेडिंग सिस्टम के अनुसार रैंकिंग दी जाती है। इसमें अधिकतम सीजीपीए 4 और कम से कम 1.5 रहता है। अगर सीजीपीए 3.26 से 3.50 के बीच है तो विश्वविद्यालय या कॉलेज को ए प्लस ग्रेड मिलता है। इसका मतलब यह है कि वह विश्वविद्यालय या कॉलेज सबसे बेहतर है। परिणामस्वरूप हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश का ए प्लस प्राप्त करने वाला पहला संस्थान बन गया है। इसी तरह से सीजीपीए के आधार पर ए प्लस, ए, बी प्लस प्लस, बी प्लस, बी, सी और डी ग्रेड दिए जाते हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश आज भी किरायों की बिल्डिंग पर चलता है। फिर भी इस विश्वविद्यालय को ए प्लस ग्रेड मिलना प्रदेश की शिक्षा जगत के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि माना जा सकता है। यदि इस विश्वविद्यालय के पास अपना स्थायी कैंपस तथा सभी आधारभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध हो गई होती तो आज यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों की श्रेणी में सम्मिलित होता। ए प्लस ग्रेड की यात्रा तथा इस विश्वविद्यालय के भविष्य का विश्लेषण करना समय की मांग बन चुका है। विश्वविद्यालय को ए प्लस ग्रेड मिलने के पीछे एक अनुभवी नेतृत्त्व तथा शिक्षाविदों की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। 28 जुलाई, 2021 को इस विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यभार प्रो. एसपी बंसल ने संभाला। उनके नेतृत्व में यूनिवर्सिटी के लिए अनेक सुविधाएं जुटाई गईं। इस विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाले अध्यापक तथा विद्यार्थी अक्सर सुविधाओं तथा व्यवस्थाओं का रोना रोते रहते थे। लेकिन धीरे-धीरे समस्याओं को सुलझाया गया और आधारभूत आवश्यकताओं को शीघ्रता से पूरा करवाने में भी प्रो. बसंल की टीम कामयाब हुई। विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को बैठने के लिए कमरों की व्यवस्था, लाइब्रेरी की सुचारू व्यवस्था, पेयजल तथा शौचालय जैसी आधारभूत आवश्यकताओं में सुधार, उत्कृष्ट जर्नल की पहुंच तथा अनेकों डिजिटल माध्यमों से बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं। किसी भी समस्या से लडने या उसे सुलझाने के लिए आपके पास एक प्रबुद्ध, कार्यशील तथा ऊर्जावान टीम का होना अति आवश्यक है। सबसे पहले इस विश्वविद्यालय ने अपने लिए एक सजग तथा कुशल टीम का निर्माण किया जिसमें रजिस्ट्रार प्रो. विशाल सूद, डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर प्रदीप कुमार, परीक्षा संचालक तथा खेल डायरेक्टर प्रो. सुमन शर्मा, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. अमरीश महाजन निदेशक आइक्यूएसी, प्रोफेसर रोशनलाल, प्रोफेसर मनोज सक्सेना सहित अनेकों प्रबुद्ध व्यक्तियों की कुशल टीम बनाई। यह टीम बड़े से बड़े आयोजनों को भी बड़ी सरलता तथा सुगमता के साथ सफल बना देती है। राष्ट्रीय स्तर की खेलों का आयोजन हो या अन्य कार्यक्रमों का सफल आयोजन, विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली का एक अभिन्न अंग बन चुका है। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में शोधार्थी व विद्यार्थी भी विश्वविद्यालय के उत्थान में अग्रणी भूमिका सुनिश्चित कर रहे हैं। वर्तमान में यह विश्वविद्यालय तीन कैंपस धर्मशाला, शाहपुर तथा देहरा से अपनी शिक्षा गतिविधियों को आगे बढ़ा रहा है। ऐसे में इन तीनों कैंपसों में गुणवत्तापूर्ण शोध की प्रणाली का संचालन करवाना एक चुनौती भरा कार्य था, लेकिन समय-समय पर औचक निरीक्षण करके इस विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों, शोधार्थियों तथा अन्य विद्यार्थियों में एक अद्भुत कार्यप्रणाली का प्रचलन संचालित करवाने में टीम कामयाब रही। विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों ने भी अपने कार्य को पूर्ण ईमानदारी तथा निष्ठा से करना शुरू किया। औचक निरीक्षण से प्रोफेसर तथा अभ्यर्थियों में पढ़ाई की गतिविधियों को एक नई उड़ान मिली।

नागरिक बोध

आग फैलने न दें

मणिपुर में पिछले करीब तीन महीने से जारी दंगों पर रोक लगना तो दूर, अब पड़ोसी राज्य मिजोरम में भी इसका असर दिखने लगा है। मणिपुर में दो महिलाओं को वस्त्रहीन करके उनकी परेड कराए जाने से जुड़ा एक विडियो वायरल होने के बाद मिजोरम में भी तनाव बढ़ने की खबर है। इसी संदर्भ में शनिवार को पूर्व उग्रवादियों के एक ग्रुप PAMRA ने मिजोरम में रह रहे मणिपुर के मैतेई समुदाय के लोगों से कहा कि वे जल्द से जल्द मिजोरम छोड़ दें। उसके बाद इन लोगों में घबराहट फैल गई और कई लोग विमान से या सड़क मार्ग से वहां से निकलने लगे। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं बेहद खतरनाक है। इसमें दो राय नहीं कि मणिपुर में जो कुछ हुआ और हो रहा है, उसकी जितनी निंदा की जाए वह कम है। वहां हालात काबू करने की कोशिशें की जा रही हैं। हालांकि उन कोशिशों को किस तरह आगे बढ़ाया जाए और किन

उपायों से उन्हें कारगर बनाया जाए इस पर अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है। सबसे बड़ी बात यह कि संसद में उस पर कोई चर्चा तक नहीं हो पा रही। केंद्र और विपक्ष को अविलंब पहलकदमी लेकर इस गतिरोध को जल्द से जल्द दूर करने की जरूरत है ताकि मणिपुर की घटनाओं पर राजनीतिक आम सहमति बनती दिखे और वहां हालात संभालने के प्रयासों को और तेज किया जा सके। लेकिन इस बीच यह सावधानी भी बरतना जरूरी है कि मणिपुर की आग अन्य क्षेत्रों में न फैल जाए। यह अच्छी बात है कि मिजोरम से अभी तक हिंसा की कोई सूचना नहीं है। PAMRA की कथित धमकी को भी राज्य सरकार के गृह मंत्रालय ने तत्काल संज्ञान में लिया और PAMRA ने भी यह स्पष्ट किया कि उनकी तरफ से दिया गया बयान अडवाइजरी नेचर का था। लेकिन किसी भी जिम्मेदार संगठन से इस तरह की सलाह की भी उम्मीद नहीं की जाती। अगर देश के किसी हिस्से में कुछ अप्रिय घटा है तो उससे दुख या तकलीफ होना स्वाभाविक है, लेकिन जो व्यक्ति उन अप्रिय घटनाओं के लिए दोषी हों, गुस्सा भी सिर्फ उन लोगों के खिलाफ होना चाहिए, सजा की मांग भी उन्हीं के लिए की जानी चाहिए। अगर किसी एक पूरे समूह को उसके लिए दोषी माना या बताया जाने लगे तो यह भी सांप्रदायिक, जातिवादी या नस्लवादी सोच का ही नमूना है। अगर मणिपुर की घटनाओं से मिजोरम में तनाव दिख रहा है तो जिम्मेदार संगठनों को माहौल ठीक करने की कोशिश में जुटना चाहिए जिसका उपाय यह है कि मणिपुर के लोगों को आश्वस्त किया जाए कि आप न घबराएं, हम आपके साथ हैं। यह नहीं कि उन्हें इलाका छोड़ देने की सलाह दी जाए। जरूरी है कि राज्य सरकार ऐसे माहौल में गड़बड़ी फैलाने वाले तत्वों से विशेष तौर पर सावधान रहे।

देश दुनीया से

शिक्षा पर भारी न पड़े कृत्रिम बुद्धिमत्ता

प्रोद्योगिकी मनुष्य और समाज को बदलती है। बिजली आई, तो इंसानों की रातें बदल गईं। कृषि ने बस्तियों व सभ्यता की शुरुआत की। टीकों और एंटीबायोटिक्स से कई बीमारियां खत्म हुईं या काबू में आ गईं, और महज एक सदी के भीतर इंसानों की जीवन-प्रत्याशा दोगुनी हो गई। इन प्रौद्योगिकियों और उनके प्रभावों ने हमारी दुनिया को वैसा बना दिया, जैसा आज है। हमारे शरीर-विज्ञान पर भी प्रौद्योगिकी का गहरा असर है। जैसे, आग खाना पकाने की तकनीक है, पर प्रजातियों के विकास-क्रम में इसने हमारे पाचन तंत्र को अन्य स्तनधारियों से अलग कर दिया। प्रौद्योगिकी का हमारे व्यक्तिगत व्यवहार पर पड़ने वाला असर महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव पैदा कर सकता है। कृषि ऐसा ही एक उदाहरण है। अब हम व्यवहार परिवर्तन के एक और ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जो स्थायी और परिवर्तनकारी सामाजिक प्रभाव पैदा कर भी कर सकता है और नहीं भी। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि हम उस प्रौद्योगिकी का कैसे इस्तेमाल करते हैं? स्मार्टफोन और सोशल मीडिया सामाजिक संबंधों को खत्म कर रहे हैं। हम बेशक इस बात को लेकर अफसोस जताते हैं, लेकिन शायद ही कभी यह समझने का प्रयास करते हैं कि ये सब मिलकर किस तरह की सुनामी लाने जा रहे हैं। 'साल 2012 के बाद से, जब से स्मार्टफोन की पहुंच में वृद्धि हुई है और इंटरनेट का उपभोग बढ़ा है, दुनिया भर में किशोरों की मानसिक सेहत कमजोर हुई है'। यह निष्कर्ष उस शोध का है, जो 37 देशों में जीन एम ट्वेंज, जोनाथन हैड्ट और उनके साथियों द्वारा किया गया था। ट्वेंज की किताब जेनरेशन्स इस मसले पर विस्तार से चर्चा करती है। किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट चौंकाने वाली घटना है। 2012 के बाद से खुद को नुकसान पहुंचाने, अस्पताल में भर्ती होने और आत्महत्या की दर दोगुनी हो गई है। बेशक, व्यापक असरंदाज होने वाली ऐसी परिघटनाओं की मूल वजह साबित करने में अधिक समय लगेगा, मगर स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के सीधे प्रभाव को नजरंदाज नहीं कर सकते हैं।

हमारे शरीर-विज्ञान पर भी प्रौद्योगिकी का गहरा असर है। जैसे, आग खाना पकाने की तकनीक है, पर प्रजातियों के विकास-क्रम में इसने हमारे पाचन तंत्र को अन्य स्तनधारियों से अलग कर दिया। प्रौद्योगिकी का हमारे व्यक्तिगत व्यवहार पर पड़ने वाला असर महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव पैदा कर सकता है। कृषि ऐसा ही एक उदाहरण है। अब हम व्यवहार परिवर्तन के एक और ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जो स्थायी और परिवर्तनकारी सामाजिक प्रभाव पैदा कर भी कर सकता है और नहीं भी। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि हम उस प्रौद्योगिकी का कैसे इस्तेमाल करते हैं? स्मार्टफोन और सोशल मीडिया सामाजिक संबंधों को खत्म कर रहे हैं। हम बेशक इस बात को लेकर अफसोस जताते हैं, लेकिन शायद ही कभी यह समझने का प्रयास करते हैं कि ये सब मिलकर किस तरह की सुनामी लाने जा रहे हैं।

इस 'डिजिटल जटिलता' का दूसरा प्रभाव हमारी 'एकाग्रता' पर पड़ा है, जिसे अब शोध से साबित किया जा चुका है। यह जटिलता 'अटेंशन इकोनॉमी' (सूचना प्रबंधन का एक ऐसा दृष्टिकोण, जिसमें हमारी एकाग्रता को एक उत्पाद माना जाता है) का आधार है। यह हमारा ध्यान खींचने और उस पर एकाधिकार स्थापित करने में सफल होता है, जबकि ध्यान अथवा एकाग्रता हमारे लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जब तक आप ध्यान नहीं देंगे, कुछ नहीं होगा। रिश्तों से लेकर, समस्या समाधान की समझ बनाने और तरक्की करने तक, हर चीज पर ध्यान देने की जरूरत होती है। ऐसे में, यदि आपका ध्यान आपसे छीन लिया जाए, तो सब कुछ प्रभावित होता है। हमारी एकाग्रता पर डिजिटल जटिलता के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक उदाहरण पेश करता हूं। जो लोग अधिकतर डिजिटल माध्यमों पर पढ़ते हैं, वे उसे सतही तौर पर पढ़ते हैं। ऐसे कई प्रमाण हैं, जिनसे स्पष्ट होता है कि डिजिटली पढ़ने से विषय की समझ, उसकी अवधारणा और उसके उपयोग की क्षमता में गिरावट आती है। इसका उन बच्चों पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, जो डिजिटल उपकरणों पर ही हमेशा नजर गड़ाए रहते हैं। फंक्शनल मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एफएमआरआई) अध्ययनों से पता चलता है कि डिजिटल पाठकों में मस्तिष्क के हिस्से पूरी तरह विकसित नहीं हो पाते।

पाकिस्तान की यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर बेच रहे थे ड्रग्स: फोन से गर्ल्स स्टूडेंट के अश्लील वीडियोज मिले, सिक्योरिटी चीफ गिरफ्तार

लाहौर।

पाकिस्तान की इस्लामिया यूनिवर्सिटी ऑफ बहावलपुर में ड्रग्स और ब्लैकमेलिंग के केस का खुलासा हुआ है। स्टूडेंट्स को प्रोफेसर्स का एक गिरोह ही ड्रग्स बेच रहा था। कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। इनके फोन्स से गर्ल्स स्टूडेंट्स के वीडियोज मिले हैं। आरोप है कि इन वीडियोज के जरिए लड़कियों को ब्लैकमेल किया जा रहा था। सरकार ने इस केस को दबाने की तमाम कोशिशें कीं, लेकिन एक मीडिया रिपोर्ट के जरिए स्कैंडल सामने आ ही गया। यूनिवर्सिटी के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर को बर्खास्त करने के बाद गिरफ्तार भी कर लिया गया है।

गर्ल्स स्टूडेंट और टीचर्स से रेप

ड्रग्स रैकेट पर तफ्सीली रिपोर्ट पब्लिश की है। इसमें पुलिस का बयान भी शामिल है। पुलिस के मुताबिक- ड्रक्कमें ड्रग्स रैकेट पर कई दिनों से जानकारी मिल रही थी। जांच में पाया गया कि यूनिवर्सिटी के कुछ प्रोफेसर्स ही इस रैकेट को चला रहे थे। छापे के दौरान एक प्रोफेसर से हेरोइन बरामद भी हुई। पुलिस इस मामले की जांच जून से कर रही थी, हालांकि सबूत न मिलने की वजह से आरोपियों के खिलाफ एक्शन लेना मुमकिन नहीं था। पुख्ता जानकारी मिलने के बाद 28 जून को यूनिवर्सिटी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से काफी ड्रग्स बरामद हुए। फाइनेंस अफसर को एक वैन से पकड़ा गया। उसके साथ यूनिवर्सिटी का चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर भी मौजूद था। इसके पास से भी ड्रग्स मिले। इन दोनों के फोन चेक किए गए तो पुलिस के होश उड़ गए। इनमें यूनवर्सिटी की स्टूडेंट्स और फीमेल टीचर्स के अश्लील वीडियोज थे। जांच में पता चला कि इन लड़कियों और फीमेल टीचर्स को ब्लैकमेल किया जाता था और उनके साथ अलग-अलग ठिकानों पर रेप भी किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक- पूछताछ में चीफ फाइनेंस ऑफिसर और चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर ने हैरान करने वाले खुलासे किए। इनके मुताबिक- यूनिवर्सिटी के कुछ प्रोफेसर्स ही ड्रग्स बेचते थे। यही लोग ड्रग्स, डांस और सेक्स की पार्टीज भी ऑर्गनाइज करते थे। पाकिस्तानी नागरिक अपने देश में बेहद मुश्किल से शराब खरीद सकते हैं। हालांकि, आरोपियों के ठिकानों से काफी शराब भी बरामद की गई है। इस मामले की जांच स्पेशल क्राइम यूनिट कर रही है। इसने जब आरोपियों से पूछताछ की तो उन्होंने माना कि कैम्पस में ड्रग्स बेचे जाते थे और इसके बाद लड़कियों और फीमेल टीचर्स को कुछ खास जगहों पर बुलाकर डांस और ड्रग्स पार्टीज की जातीं थीं।

न्यूज ब्रीफ

पुतिन से मिले बेलारूस के राष्ट्रपतिः प्रिगोजिन की बगावत के बाद पहली मुलाकात, कहा- वैगनर के लड़ाकों ने परेशान कर दिया है

मास्को। वैगनर आर्मी की बगावत के बाद पुतिन और बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको ने रविवार को पहली मुलाकात की है। इस दौरान दोनों नेताओं ने वैगनर चीफ प्रिगोजिन समेत कई मुद्दों पर चर्चा की है। दोनों के मिलने का वीडियो रूस की सरकारी मीडिया एजेंसी ने शेयर किया है। वीडियो में पुतिन बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको को यूक्रेन के हमलों के बारे में बता रहे हैं। पुतिन कहते हैं- हमने यूक्रेन के काउंटर ऑफेंसिव को पूरी तरह से फेल कर दिया है। लुकाशेंको ने मजाकिया लहजे में कहा कि सही मायने में देखें तो रूस के हमले का यूक्रेन काउंटर ही नहीं कर पाया। इस पर पुतिन ने कहा- जवाबी हमला तो किया था पर रूस ने उसे नाकाम कर दिया। एक टेलीग्राम चैनल के हवाले से बताया है कि इस मीटिंग के दौरान लुकाशेंको ने पुतिन को बताया कि बेलारूस वैगनर आर्मी के लड़ाकों से परेशान हो गया है। वो पश्चिमी देशों की ओर जाना चाहते हैं। लुकाशेंको ने बताया कि प्राइवेट आर्मी के लड़ाके कहते हैं- चलो वारसा और रेजसोव की तरफ घूम कर आते हैं। दरअसल, पोलैंड का बॉर्डर बेलारूस से लगता है, फिलहाल वैगनर के लड़ाकों को वहीं रखा गया है। ये लड़ाके बेलारूस के सैनिकों को ट्रेनिंग दे रहे हैं। वहीं, पुतिन ने बताया है कि वो लुकाशेंको के साथ सिक्योरिटी को लेकर चर्चा करेंगे। इसके लिए उन्होंने अपने शेड्यूल में बदलाव किए हैं।

यूएस में तीन बच्चों और मां की लाश मिलीः ओक्लाहोमा में पुलिस से भी भिड़ गई महिला, बाद में खुदकुशी कर ली

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक महिला ने तीन बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी। बाद में पुलिस ने जब

उससे संपर्क साधा तो उसने खुद को भी गोली मार ली। चारों की लाशें बरामद कर ली गई हैं। महिला का नाम ब्रेंडी मैक्सिलन बताया गया है। उसकी उम्र 39 साल थी। मारे गए बच्चों की उम्र दस, छह और ग्यारह साल थी। घटना एक छोटे से गांव टुल्सा की है। यहां वर्डिग्रिस इलाके में ब्रेंडी इन बच्चों के साथ रहती थी। इस मामले की जांच ओक्लाहोमा स्टेट ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन की टीम कर रही है। घटना गुरुवार की है। यहां पुलिस की टीम गश्त पर थी। इसी दौरान उसे फायरिंग की आवाज सुनाई दी। उस वक्त दोपहर के करीब चार बज रहे थे। कुछ ही देर में टीम एक मकान के पास पहुंची। यहां एक महिला की आवाज सुनाई दी। मकान के बाहर बैरिकेड्स लगे थे। उसके हाथ में बंदूक थी। पुलिस ने जब महिला से बातचीत की कोशिश की तो वो भड़क गई। इसके बाद पुलिस ने मकान को घेर लिया। इसे दौरान क्रिक रिस्पॉन्स टीम भी मौजूद थी। करीब तीन से चार घंटे चले ऑपरेशन में पुलिस को मकान के अंदर से बाद में कोई आवाज सुनाई नहीं दी। इसके बाद क्रिक रिस्पॉन्स टीम मकान में दाखिल हुई। यहां उसे ब्रेंडी के अलावा तीन बच्चों की लाशें मिलीं। एक अफसर ने कहा- पहली नजर में ही साफ हो गया कि महिला ने पहले तीन बच्चों की हत्या की है और इसके बाद खुदकुशी कर ली। पुलिस की जांच जारी है, लेकिन अब तक घटना की किसी वजह का खुलासा नहीं हो सका है।

कनाडा में कार चोरी के लिए भारतीय छात्र की हत्या, पिज्जा डिलीवरी के दौरान किया हमला

टोरंटो। कनाडा में एक 24 वर्षीय भारतीय छात्र पर कार चोरी के दौरान जानलेवा हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक भारतीय छात्र कॉलेज की छुट्टियों में पिज्जा डिलीवरी का काम कर रहा था। इसी दौरान यह घटना घटी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक छात्र की पहचान गुरविंदर नाथ के रूप में हुई है। घटना कनाडा के मिसिसॉगा के ब्रिटानिया एंड क्रेडिटव्यू रोड की है। खबर के अनुसार, गुरविंदर, कनाडा के एक बिजनेस स्कूल में फाइनल सेमेस्टर का छात्र था और ब्रैम्पटन इलाके में रह रहा था। फिलहाल उसके कॉलेज की गर्मियों की छुट्टियां चल रहीं थी। ऐसे में गुरविंदर ने पिज्जा डिलीवरी का काम करना शुरू कर दिया था। बीती नौ जुलाई को गुरविंदर देर रात करीब 2.10 बजे पिज्जा डिलीवरी करने गया था। तभी कुछ लोगों ने उसकी गाड़ी चुराने की कोशिश की। गुरविंदर ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले में गुरविंदर के सिर पर गंभीर चोट लगी, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां ट्रॉमा सेंटर में उसका इलाज चल रहा था। हालांकि 14 जुलाई को हालत बिगड़ने पर गुरविंदर की मौत हो गई। मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक जांच में पता चला है कि घटना में कई आरोपी हैं ।

अमेरिका ने साउथ कोरिया भेजी एक और परमाणु पनडुब्बी

नॉर्थ कोरिया भागे सैनिक को वापस लाएगा अमेरिका; किम जोंग के अधिकारी नहीं कर रहे बात

सियोल।

अमेरिका ने सोमवार को एक और परमाणु पनडुब्बी साउथ कोरिया भेजी है। इसका नाम एनापोलिस है। साउथ कोरिया भेजी गई ये अमेरिका की दूसरी परमाणु पनडुब्बी है। पिछले हफ्ते अमेरिका ने 1983 के बाद पहली बार साउथ कोरिया में स्स केंटकी नाम की पनडुब्बी भेजी थी। तब नॉर्थ कोरिया ने साउथ कोरिया को परमाणु हमले की चेतावनी दी थी। साथ ही कई मिसाइलें भी दागीं थीं। नॉर्थ कोरिया ने कहा था कि अमेरिका की इन हरकतों से कोरिया में परमाणु जंग का खतरा बढ़ता जा रहा है। एनापोलिस परमाणु पनडुब्बी को फिलहाल जेजू आईलैंड पर डॉक किया गया है। एनापोलिस का मेन मिशन दुश्मन के जहाजों और सबमरीन को तबाह करना होता है। वहीं, अमेरिका ने कहा है कि वो नॉर्थ कोरिया भागे अपने सैनिक को वापस लाने किम जोंग उन की सरकार से बातचीत कर रहे हैं।

नॉर्थ कोरिया भागे अमेरिकी सैनिक पर चुप हैं किम जोंग उन

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि वो नॉर्थ कोरिया भागे अपने सैनिक ट्रेविस किंग की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि हम नॉर्थ कोरिया से बात करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन की तरफ से कोई बात नहीं की जा रही है।

एपी ने एनालिस्ट्स के हवाले से बताया है कि इस बात की काफी संभावनाएं हैं कि नॉर्थ कोरिया कई हफ्तों और महीनों तक अमेरिका से बात नहीं करेगा। न ही हिरासत में रखे गए अमेरिकी सैनिक को लेकर कोई जानकारी देगा। एनालिस्ट्स का कहना है कि ट्रेविस किंग के बदले नॉर्थ कोरिया अमेरिका से मांग करेगा कि वो साउथ कोरिया को दी जाने वाली मदद कम करे।

शुक्र है उसे देखते ही गोली नहीं मारी

अमेरिका सेना में कमांडर रह चुके रिटायर्ड जनरल रॉबर्ट अब्राम्स ने बताया कि ये सेना से जुड़ी बड़ी बात है। उन्होंने कहा- मुझे ट्रेविस की चिंता है, लेकिन इस बात की खुशी है कि नॉर्थ कोरिया की सेना ने उसे देखते ही गोली नहीं मारी। ट्रेविस को पता चल रहा होगा की नॉर्थ कोरिया अपने देश में घुसने वाले लोगों को कितना गलत और गैरकानूनी व्यवहार करता है।

पहले भी बॉर्डर पार कर नॉर्थ कोरिया भाग चुके अमेरिकी

1950 से 1953 तक एक-दूसरे के खिलाफ जंग लड़ चुके अमेरिका और नॉर्थ कोरिया के बीच संबंध अच्छे नहीं है। अमेरिका नॉर्थ कोरिया पर कई तरह की पाबंदियां लगा चुका है। ऐसे में किसी अमेरिकी सैनिक का बॉर्डर पार कर नॉर्थ कोरिया जाना बड़ी घटना है। हालांकि, ये पहला मौका नहीं है जब कोई अमेरिकी भागकर नॉर्थ कोरिया चला गया हो।

1965 में अमेरिकी सार्जेंट चार्ल्स रोबर्ट जेनकिंस वियतनाम जंग में हिस्सा लेने से बचने के लिए नॉर्थ कोरिया भाग गए थे। इसके बाद उन्हें पूरे 39 साल बाद 2004 में नॉर्थ कोरिया से लौटने की इजाजत मिली थी। जापान लौटने के बाद उन्होंने बताया था कि उन्होंने नॉर्थ कोरिया के सैनिकों को इंग्लिश पढ़ाई थी।

2009 में लॉस एंजिल्स का एक मिशनरी रॉबर्ट पार्क चीन की तरफ से क्रिसमस के दिन नॉर्थ कोरिया में घुस गया। इस दौरान उसने हाथ में बाइबिल पकड़ी थी और वो चिल्ला-चिल्ला कर जीजस लव्स नॉर्थ कोरिया कह रहा था। रॉबर्ट पार्क को नॉर्थ कोरिया ने 43 दिन तक हिरासत में रखने के बाद देश से निकाल दिया।

वहीं, 2013 में एक युनिवर्सिटी ऑफ वर्जिनिया का एक छात्र मेरिल एडवर्ड न्यूमैन नॉर्थ कोरिया चली गई थी। जहां उसे पोस्टर चुराने के आरोप में 15 साल की सजा दी गई थी। हालांकि, 2017 में 17 महीने की जेल की बाद उसे छुड़ा लिया गया था। अमेरिका लौटने के कुछ ही दिनों बाद उसकी मौत हो गई ।

ओवल ऑफिस में बाइडन-मोदी की गुप्त बैठक में चीन था मुख्य मुद्दा, वरिष्ठ अफसर का खुलासा

वाशिंगटन।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन की पिछले महीने हुई गुप्त मुलाकात को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी का कहना है कि ओवल कार्यालय में बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने चीन और उसके प्रमुख शी जिनपिंग पर सबसे अधिक चर्चा की।

चीन से संबंध सुधारने के लिए की कड़ी मेहनत

नाम न छापने की शर्त पर बात करने वाले वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि ओवल कार्यालय में हुई बैठक में मोदी और बाइडन के बीच हुई चर्चा का प्रमुख मुद्दा चीन था। दोनों ने अधिकांश समय चीन और शी के साथ उनके अनुभवों के बारे में चर्चा करने में बिताया था। उन्होंने कहा कि दोनों ही लोग शी को लंबे समय से जानते थे और उनके साथ संबंध सुधारने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहे थे। हालांकि,अब दोनों नेताओं ने हार मान ली।

ड्रैगन एक बड़ा खतरा

अधिकारी ने कहा कि चीन हमारे रिश्तों को जोड़ने के लिए जरूरी नहीं है। लेकिन वह एक कारण है, जिसकी वजह से हम काफी लंबे समय तक एक साथ रहने वाले हैं। अधिकारी ने आगे कहा कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों का मानना है कि चीन उनके लिए एक बड़ा राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा है। बाइडन प्रशासन सोचता है कि बीजिंग को संभालने के मामले में नई दिल्ली वाशिंगटन से आगे रही है।

पिछले महीने अमेरिका गए थे पीएम मोदी

गौरतलब है, प्रधानमंत्री मोदी 21 से 23 जून के बीच अमेरिका की राजकीय यात्रा पर थे। 22 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति ने सुबह व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री का स्वागत किया था। बाद में उसी दिन शाम को राजकीय रात्रिभोज में बाइडन और मोदी ने आठ घंटे से अधिक समय तक एक साथ समय बिताया था। अधिकारी ने बताया कि नागरिक सुरक्षा, लोकतंत्र और मानवाधिकार मामलों की अवर सचिव उजरा जेया ने कुछ हफ्ते पहले नई दिल्ली में दलाई लामा के साथ एक बैठक की थी और चीन के लोग इसे लेकर पागल हो गए थे।

मॉस्को में यूक्रेन का ड्रोन अटैकः रूस बोला- हमने आतंकी हमले को नाकाम किया; जेलेंस्की ने कही थी बदला लेने की बात

मॉस्को।

रूस ने कहा है कि यूक्रेन ने मॉस्को पर सोमवार को ड्रोन से हमला किया जिसे उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने इसे आतंकी हमला बताया है। रूस ने कहा है कि यूक्रेन ने मॉस्को पर आतंकी हमले के लिए 2 ड्रोन भेजे थे। हमले में किसी को चोट नहीं पहुंची है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने बताया कि हमला लगभग 4 बजे 2 गैर-आवासीय इमारतों पर हुआ है। मॉस्को पर ये हमला तब हुआ है जब एक दिन पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस से बदला लेने की बात कही थी। दरअसल, रूस ने पिछले हफ्ते ग्रेन डील से बाहर निकलने के बाद ब्लैक सी के पास ओडेसा में यूक्रेनी पोर्ट पर हमला कर दिया था। जेलेंस्की ने कहा था- उन्हें (रूस) को भी वैसा ही महसूस करने को मिलेगा जैसा हम कर रहे हैं।

यूक्रेन ने रूस के कब्जे से छुड़ाई 50प्रतिशत जमीन

एक ड्रोन रूस के रक्षा मंत्रालय के करीब कोम्सोमोल्स्की प्रॉस्पेक्ट पर गिरा है, जबकि दूसरा लिकचेवा स्ट्रीट पर एक बिजनेस सेंटर पर गिरा है। इसके बाद रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी किया और कहा कि दो यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया गया है। एक तरफ जहां पुतिन ये दावा कर रहे हैं कि उन्होंने यूक्रेन के काउंटर ऑफेंसिव को फेल कर दिया है। वहीं, अमेरिका ने दावा किया है कि यूक्रेन ने रूसी कब्जे से अपनी 50प्रतिशत जमीन को छुड़वा लिया है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने ये जानकारी दी है। ब्लिंकन ने कहा कि यूक्रेन ने बहुत मुश्किल लड़ाई लड़ी है। रूस से अपने इलाके छुड़वाने के लिए किया गया यूक्रेन का काउंटर ऑफेंसिव (हमला) अभी शुरुआती फेज में है। ब्लिंकन ने कहा कि यूक्रेनी हमले एक या दो हफ्तों में खत्म नहीं होंगे। ये कई महीनों तक जारी रहने वाले हैं। वहीं, यूक्रेन को उम्मीद है कि उसे अगले साल नाटो की सदस्यता मिल जाएगी।

अगले साल नाटो का सदस्य बन जाएगा यूक्रेन

यूक्रेन के विदेश मंत्री ओलेस्की रेजनिकोव ने कहा है कि वो अगले साल होने वाले नाटो समिट में संगठन के सदस्य बन सकते हैं। अगले साल वॉशिंटन में होने वाले समिट में संगठन के 75 साल पूरे हो जाएंगे। रेजनिकोव ने कहा- कौन जानता है, हो सकता कि अगले साल का जुलाई महीना यूक्रेन के लिए अहम साबित हो। ये मेरा अनुमान है। रेजनिकोव का ये बयान पिछले हफ्ते हुए नाटो समिट के बाद आया है।

चीनी विदेश मंत्री एक महीने से लापता, राष्ट्रपति से दुश्मनी या अमेरिकी टीवी एंकर से अफेयर पड़ा भारी

चीन।

चीन के 57 वर्षीय विदेश मंत्री किन गैंग को एक महीने से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। वह अपने तय कार्यक्रमों में विदेशी नेताओं से नहीं मिल रहे हैं। चीन का विदेश मंत्रालय भी उनके बारे कुछ भी बताने को तैयार नहीं है। इसके चलते चीन में अटकलों का दौर तेज हो गया है। कुछ लोगों का मानना है कि चीन के विदेश मंत्री तो टीवी एंकर के साथ अफेयर करना महंगा पड़ गया। वहीं कुछ का कहना है गैंग की लोकप्रियता के कारण राष्ट्रपति उनके दुश्मन बन गए हैं। ऐसे में एक बार फिर से चीन में बड़े फेरबदल की आशंका जताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, किन को संयुक्त राज्य अमेरिका में राजदूत के रूप में एक संक्षिप्त कार्यकाल के बाद दिसंबर में विदेश मंत्री के रूप में पदोन्नत किया गया था।

वाशिंगटन को लगाई थी फटकार

गैंग पेशेवर राजनयिक हैं और उन्हें चीनी नेता शी जिनपिंग के भरोसेमंद सहयोगी माना जाता है। विदेश मंत्री के रूप में किन ने अमेरिका के ऊपर छोड़े गए एक संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे के मुद्दे पर वाशिंगटन को कड़ी फटकार लगाई थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में काफी खटास आ गई थी। उन्होंने दोनों पक्षों के बीच खराब संबंधों को सुधारने और बातचीत बहाल करने के प्रयासों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसमें जून के मध्य में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की बीजिंग यात्रा के दौरान मुलाकात शामिल है।

आइए आपको चीन के विदेश मंत्री किन गैंग के बारे में कुछ बताते हैं -

किन गैंग साल 2022 के दिसंबर में चीन के विदेश मंत्री बने थे। वह अपने जवाब देने और कूटनीतिज्ञ के रूप में जाने जाते हैं। गैंग ने 10 साल तक विदेश मंत्री रहे वांग यी का स्थान लिया था। ऐसा माना जाता है कि उन्होंने हाल ही में चीन के अपनाए गए 'वुल्फ वॉरियर' वाले डिप्लोमेटिक स्टाइल से खुद को अलग कर लिया था। इसकी वजह कम्युनिस्ट सरकार के नेतृत्व से उनकी नाराजगी थी। गैंग ने कहा था कि साल 2020 में पश्चिम में चीन की छवि खराब हो गई थी। इसका कारण यूरोपीय और अमेरिकियों, खासतौर पर मीडिया ने कभी भी चीन की राजनीतिक व्यवस्था या उसके आर्थिक उत्थान को स्वीकार नहीं किया था। संयुक्त राज्य अमेरिका में राजदूत के रूप में कार्य करते हुए किन ने वाशिंगटन में सार्वजनिक और मीडिया कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी उपस्थिति बढ़ाई थी। इसमें उन्होंने चीन के हालातों के बारे में बताया था। चीन के विदेश मंत्री किन गैंग को 4 जुलाई को यूरोपीय यूनियन के फॉरेन पॉलिसी चीफ जोसेफ बोरेल से मिलना था, लेकिन इस बैठक की तारीख अचानक से आगे बढ़ा दी गई। बोरेल को दो दिन पहले इसकी जानकारी दी गई और बैठक टालने का कोई कारण भी नहीं बताया गया। मंत्री के रूप में जब उनकी नियुक्ति हुई तो गैंग ने अफ्रीका, यूरोप और मध्य एशिया का दौरा किया। इसके साथ-साथ बीजिंग में विदेशी गणमान्य व्यक्तियों की मेजबानी करते हुए एक कार्यक्रम भी आयोजित किया।

तालिबान बोला- हमारी अंतरराष्ट्रीय मान्यता में अमेरिका सबसे बड़ा अड़ंगा

दूसरे देशों पर दबाव डाल रहा, रक्षा मंत्री ने कहा- अल कायदा है ही नहीं तो लड़ें किससे

काबुल।

तालिबान ने कहा है कि अफगानिस्तान में उनकी सरकार को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने में अमेरिका सबसे बड़ा अड़ंगा है। तालिबान के कार्यकारी रक्षा मंत्री मुल्लाह मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने ये बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने मान्यता हासिल करने के लिए सारी जरूरतों को पूरा किया है। इसके बावजूद अमेरिका के दबाव में आकर दूसरे देश हमें मान्यता नहीं दे रहे हैं। हम उन देशों से मान्यता की अपील करते हैं जो अमेरिका के दबाव में नहीं हैं। हम चाहते हैं कि दुनिया के ताकतवर इस्लामिक देश हमें सरकार के तौर पर पहचानें।

अमेरिका हमारे एयर स्पेस में घुसपैठ कर रहा

आतंकी संगठन अल-कायदा से लड़ने में अमेरिका का साथ देने के सवाल पर मुजाहिद ने कहा कि वो अफगानिस्तान में मौजूद नहीं है। उन्होंने कहा कि अलकायदा अफगानिस्तान में है ही नहीं तो लड़ेंगे किससे। उन्होंने कहा कि अमेरिका बार-बार उनके एयरस्पेस में घुसपैठ कर रहा है। उन्हें ये बंद करना होगा। मुजाहिद ने कहा कि इस बात को बार-बार कहा गया है कि अफगानिस्तान की आजादी का सम्मान किया जाना चाहिए और किसी भी देश की जमीन का इस्तेमाल अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं किया जाना चाहिए, फिर भी अमेरिका नहीं मानता है।

58 मुस्लिम देशों को मान्यता के लिए मनाएंगे

मुजाहिद ने कहा- अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बातचीत करने और उनकी चिंताओं को सुनने के लिए तैयार है।

उन्होंने यह भी बताया कि अगर सउदी अरब उन्हें मान्यता देने को तैयार हो जाता है तो वो 58 और मुस्लिम देशों से बातचीत करने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, अफगानिस्तान में बैन हुए ब्यूटी पार्लर को लेकर तालिबान ने कहा है कि वो निर्देशों का पालन नहीं कर रहे थे। इसलिए बैन करने का कदम उठाया गया था। तालिबान की मदद कर रही अमेरिका की खुफिया एजेंसी मई 2021 में अमेरिका ने अचानक अफगानिस्तान में तालिबान से लड़ रही अपनी सेना को वापस बुला लिया था। अपने नागरिकों समेत उन लोगों को भी निकाला जिन्होंने तालिबान से लड़ने में अमेरिका की मदद की थी। अब अफगानिस्तान के ही पूर्व उप राष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने दावा किया है कि अमेरिका की खुफिया एजेंसी तालिबान के साथ बैठकें कर रही है। उन्होंने कहा कि तालिबान को 2 रूसी एमआई-17 हेलिकॉप्टर भी दिए हैं। उन्होंने कहा- ये हेलिकॉप्टर तालिबान के कब्जे से पहले इस्तेमाल किए जाते थे और मेंटनेंस के लिए ले जाए गए थे। अब इन्हें तालिबान को सौंप दिया है। रणनीतिक फायदे के लिए तालिबान का इस्तेमाल अमरुल्लाह सालेह ने अमेरिका पर तालिबान से साथ सांठ-गांठ करने के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि अमेरिका ने दोहा डील के जरिए तालिबान को करोड़ों दिए हैं। इसके जरिए अमेरिका तालिबान का इस्तेमाल अपने रणनीतिक हितों के लिए करना चाहता है। पंजशीर घाटी में तालिबान की जीत के बाद अमरुल्लाह सालेह ने अफगानिस्तान छोड़ दिया था। उन्होंने तालिबान से लड़ने में अहम भूमिका निभाई थी। बाइडेन के जल्दबाजी में अफगानिस्तान ने सेना निकालने का सालेह ने विरोध भी किया था। जानें क्या है वो दोहा डील जिसके जरिए तालिबान ने सीआईए से मुलाकात की फरवरी 2020 में अमेरिका और तालिबान के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत अमेरिका ने अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को हटाने की प्रतिबद्धता जताई थी। तालिबान भी अमेरिकी सैनिकों पर हमले बंद करने को तैयार हुआ था। तब से अमेरिका और तालिबान के बीच इसी दोहा डील के जरिए बातचीत होती है।

राजस्थान सरकार के बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा बोले

मंत्रियों और विधायकों ने मारा, लाल डायरी छीन ली

जयपुर (हिंस)। राजस्थान की अशोक गहलोत की अगुवाई वाली सरकार से बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने खुलासा किया है कि वे लाल डायरी को विधानसभा के पटल पर रखना चाह रहे थे लेकिन कांग्रेस के विधायकों और मंत्रियों ने उनके साथ मारपीट कर उनसे वो डायरी छीन ली। उन्होंने कहा कि इस प्रदेश की हर बहन-बेटी, उनकी बहन-बेटी है, वे उन्हें अपनी बहन से भी बढ़कर मानते हैं। उन्होंने कहा कि मैं महाराव शेखाजी का वंशज हूं, जिनकी तीन पीढ़ियों ने महिला सम्मान के लिए सब कुछ कुर्बान कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के मंत्री विधायक दुष्कर्मी हैं। उनके साथ मंत्री-विधायकों का नारको टेस्ट करवाना चाहिए, इनमें से बहुत से बलात्कारी निकलेंगे। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा सदन से बाहर निकाले जाने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए गुढ़ा ने कहा कि मैंने इस सरकार को 2008 और 2018 में संकट के वक्त साथ दिया और आज उन्होंने ही मुझे विधानसभा के अंदर लात घूंसों से मारा है। मुझे नीचे गिरा दिया गया। रुंआसे होते हुए गुढ़ा ने कहा कि वे लाल डायरी को सदन के पटल पर रखने के लिए लेकर गए थे लेकिन विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी। इतना ही नहीं, कांग्रेस के विधायक और मंत्रियों ने उन्हें लात घूंसे मारे, उन्हें जबरन सदन से बाहर निकाला गया। उनसे लाल डायरी का एक हिस्सा छीन लिया गया लेकिन उन्होंने दावा किया कि उनके पास एक हिस्सा बाकी है, जिसमें मुख्यमंत्री और मंत्रियों

के सारे कारनामे लिखे हुए हैं। गुढ़ा ने कहा कि उनका कसूर सिर्फ इतना था कि वे अपने क्षेत्र में महिलाओं और बच्चियों के साथ में हो रही दुष्कर्म की घटनाओं के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। अगर सच बोलने की सजा उन्हें मिली है तो यह सजा वे भुगतने के लिए बार बार तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उनसे माफी मांगने को कहा गया लेकिन किस बात की माफी मांगें। गुढ़ा ने कहा कि अगर उन्हें महिलाओं बच्चियों की दुष्कर्म की आवाज उठाने पर जेल की सलाखों के पीछे भी डाल दें तो भी वे जाने को तैयार हैं..., लेकिन इस घमंडी और अहंकारी सरकार से अब जनता सड़कों पर जवाब मांगेगी। लाल डायरी को लेकर खुलासा करते हुए राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि जब कांग्रेस पर संकट आया था, ईडी और इनकम टैक्स की टीमें कार्रवाई कर रही थीं तब मुख्यमंत्री ने उन्हें बुलाकर कहा था कि उनके करीबी धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ के घर से वह लाल डायरी लेकर आओ। अगर वह लाल डायरी नहीं आई तो वे बर्बाद हो जाएंगे, यह सरकार गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि ये काम सिर्फ तू ही कर सकता है। वे मुख्यमंत्री के कहने पर सीएम के करीबी धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ के बंद घर से खिड़की तोड़ कर कांग्रेस नेता रामलाल और धीरज गुर्जर के साथ अपनी जान जोखिम में डालकर वह लाल डायरी लेकर आए लेकिन आज उन्हें बर्खास्त कर दिया गया। आज वे उन्हें झूठे मुकदमों में जेल में डालने की तैयारी कर रहे हैं। गुढ़ा ने कहा कि अब वे जनता के बीच जाएंगे और सरकार के काले कारनामों को जनता के सामने रखेंगे।

राजस्थान विधानसभा : चार विधेयक ध्वनिमत से पारित

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को भारी हंगामे के बीच कोटा विकास प्राधिकरण विधेयक-2023, उदयपुर विकास प्राधिकरण विधेयक-2023, गांधी वाटिका न्यास, जयपुर विधेयक-2023 तथा राजस्थान प्लेटफॉर्म आधारित गिग कर्मकार (रजिस्ट्रीकरण और कल्याण) विधेयक- 2023 ध्वनिमत से पारित कर दिए गए। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के विधायक विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी द्वारा सदन में बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा की बात नहीं सुनने और उन्हें सदन से बाहर निकालने के विरोध में हंगामा और नारेबाजी करते रहे। नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री शांति कुमार धारीवाल ने कहा कि कोटा विकास प्राधिकरण विधेयक- 2023 से कोटा रीजन में समुचित एवं सुव्यवस्थित विकास सुनिश्चित हो सकेगा। इस रीजन में कोटा शहर, कैथून (जिला कोटा), तालेड़ा व केशवरायपाटन (जिला बूंदी) सहित 292 गांवों को शामिल किया गया है। धारीवाल सोमवार को विधान सभा में कोटा विकास प्राधिकरण विधेयक-2023 पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे थे। प्रारंभ में प्रभारी मंत्री एवं नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री ने विधेयक चर्चा के लिए सदन में प्रस्तुत किया। चर्चा के बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक के उद्देश्यों एवं कारणों पर प्रकाश डालते हुए नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री ने बताया कि विधेयक में आसपास के गांवों-कस्बों को शामिल करते हुए कोटा रीजन को परिभाषित किया गया है। इससे कोटा रीजन के विकास से संबंधित योजनाएं एवं परियोजनाएं बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने में सहायता मिलेगी। इससे पहले सदन ने विधेयक को जनमत जानने के लिए परिचालित करने के प्रस्ताव को ध्वनिमत से अस्वीकार कर दिया। विधान सभा ने सोमवार को उदयपुर विकास प्राधिकरण विधेयक-2023 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। प्रारंभ में प्रभारी मंत्री एवं नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री शांति कुमार धारीवाल ने विधेयक को सदन में विचारार्थ प्रस्तुत किया, जिसके बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित किया। इससे पहले सदन ने विधेयक को जनमत जानने के लिए परिचालित करने के प्रस्ताव को ध्वनिमत से अस्वीकार कर दिया। इसके अलावा गांधी वाटिका न्यास, जयपुर विधेयक-2023 को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। प्रारंभ में प्रभारी मंत्री एवं शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने विधेयक को सदन में विचारार्थ प्रस्तुत किया, जिसके बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित किया। इससे पहले सदन ने विधेयक को जनमत जानने के लिए परिचालित करने के प्रस्ताव को ध्वनिमत से अस्वीकार कर दिया। विधान सभा ने राजस्थान प्लेटफॉर्म आधारित गिग कर्मकार (रजिस्ट्रीकरण और कल्याण) विधेयक-2023 को भी ध्वनिमत से पारित कर दिया। प्रारंभ में प्रभारी मंत्री एवं श्रम राज्य मंत्री सुखराम विश्नोई ने विधेयक को सदन में विचारार्थ प्रस्तुत किया, जिसके बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित किया। इससे पहले सदन ने विधेयक को जनमत जानने के लिए परिचालित करने के प्रस्ताव को ध्वनिमत से अस्वीकार कर दिया।

युवाओं को अंग्रेजी में माहिर बनाने को पंजाब सरकार की पहल, ब्रिटिश कौंसिल से मिलाया हाथ

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने नई पहल करते हुए नौजवानों के लिए रोजगार के नए मौके पैदा करने के लिए ब्रिटिश कौंसिल एजुकेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटिड के साथ समझौता किया है। इस समझौते पर पंजाब सरकार की तरफ से उच्च शिक्षा विभाग के निदशेक डॉ. अमरपाल सिंह और ब्रिटिश कौंसिल के एमडी डंकन विल्सन ने मुख्यमंत्री भगवंत मान, शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस और चंडीगढ़ में इंग्लैंड के डिप्टी हाई कमिश्नर कैरोलाईन रोवैट ने हस्ताक्षर किए। समझौतापत्र पर हस्ताक्षर के बाद उच्च शिक्षा विभाग को मुबारकबाद देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के इतिहास में यह दिन सुनहरी अक्षरों के साथ लिखा गया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से उच्च शिक्षा विभाग के अधीन सरकारी कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए *इंग्लिश फार वर्क* के लिए प्रशिक्षण कोर्स शुरू करने का रास्ता साफ होगा। मुख्यमंत्री मान ने उम्मीद जताई कि इससे पंजाब के नौजवानों में रोजगार अनुकूल महारत निखारने में मदद मिलेगी और नौजवान औद्योगिक और सेवा क्षेत्र में अपने के लिए नौकरियों के अधिक मौके हासिल कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इससे नौजवानों को भारत में ही रह कर काम करने का उत्साह मिलेगा और वह पंजाब की सामाजिक-आर्थिक तरक्की में योगदान डालेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य से हुनरमंद नौजवानों के प्रवास के रुझान को विपरीत चक्कर देने की

दिशा में यह एक बड़ा कदम है। मान ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के हिस्से के तौर पर विद्यार्थी काम के लिए अंग्रेजी के एक *लेवल* की पढ़ाई करेंगे, जिससे अंग्रेजी जानने के कारण उनमें रोजगार अनुकूल महारत पैदा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि *इंग्लिश फार वर्क* एक ऐसा मिश्रित कोर्स है, जिसमें काम जैसे असली हालात में इस्तेमाल की जाने वाली अंग्रेजी भाषा सीखने पर ध्यान केंद्रित होगा। उन्होंने कहा कि इसमें लिसनिंग (सुनने), रीडिंग (पढ़ने), राइटिंग (लिखने) और स्पीकिंग (बोलने) समेत व्याकरण, मात्राओं का उच्चारण और शब्दावली पर ध्यान दिया जायेगा। भगवंत मान ने कहा कि इस समझौते के अंतर्गत यह प्रोजेक्ट शैक्षिक सेशन 2023-24 से राज्य के सरकारी कॉलेजों में पांच हजार विद्यार्थियों के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू होगा।

पटियाला के काली माता मंदिर में तैनात एटीएस जवान की गोली लगने से मौत

चंडीगढ़ (हिंस)। पटियाला के ऐतिहासिक काली माता मंदिर में तैनात पंजाब पुलिस के एक कमांडो की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस के आला अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा करके मामले की जांच के आदेश दिए हैं। गोली कैसे चली है, अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है। दरअसल, करीब एक साल पहले पटियाला के काली माता मंदिर परिसर में हिंसा की घटना के बाद यहां भारी पुलिस बल के साथ-साथ एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड भी तैनात किया गया था। रविवार की रात यहां अचानक गोली चलने की आवाज से अफरा-तफरी फैल गई। गोली एके-47 से चली थी। मौके पर पहुंचे कर्मचारियों ने देखा कि वहां मौजूद कर्मचारी जग्गा सिंह की गोली लगने से मौत हो चुकी है। मृतक जग्गा पटियाला जिले के गांव हसनपुर निवासी का था। घटना की सूचना मिलते ही थाना कोतवाली पुलिस सहित सीनियर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे।

नवजोत सिद्धू ने केंद्र के अध्यादेश के विरोध में किया आआपा का समर्थन

प्रताप बाजवा ने मल्लिकार्जुन खड़गे से मांगा मुलाकात का समय

चंडीगढ़ (हिंस)। केंद्र सरकार के अध्यादेश का समर्थन करने के मुद्दे पर एक तरफ जहां राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस आम आदमी पार्टी का समर्थन कर रही है। वहीं पंजाब प्रदेश कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। इस उठापटक के बीच पंजाब कांग्रेस से अलग राह अपनाते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने अरविंद केजरीवाल का समर्थन किया है। इसी मुद्दे पर कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप बाजवा ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात का समय मांग लिया है। उन्होंने दिल्ली ऑर्डिनेंस पर कांग्रेस के स्टैंड को लेकर अपनी सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल और लेफ्टिनेंट गवर्नर चुने हुए नुमाइंदों को अपनी कठपुतली नहीं बना सकते हैं। पटियाला में पत्रकारों से बातचीत में नवजोत सिद्धू ने कहा कि वह आम आदमी पार्टी के साथ जाने के सख्त खिलाफ है, लेकिन यह किसी भी चुनी हुई सरकार की संवैधानिक शक्तियों का मामला है। वजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि राज्यपाल और लेफ्टिनेंट गवर्नर चुने हुए नुमाइंदों को अपनी कठपुतली नहीं बना सकते। दोनों इस देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को गुलाम नहीं बना सकते। किसी भी चुनी हुई सरकार को हिदायत नहीं दे सकते। उन्होंने केंद्र सरकार के अध्यादेश के विरोध में कहा कि यदि यह सरकार रही तो देश नहीं रहेगा, देश का लोकतंत्र नहीं रहेगा।

अतिरिक्त उपायुक्त ने आर्य कन्या सदन का किया निरीक्षण

फरीदाबाद (हिंस)। अतिरिक्त उपायुक्त अपराजिता ने सोमवार को अनाथ बच्चों के उत्थान एवं कल्याण को समर्पित सेक्टर-15 स्थित आर्य कन्या सदन का दौरा कर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें बालगृह की व्यवस्था संतोष जनक लगी। उन्होंने आर्य कन्या सदन में बच्चों के रहने, भोजन व्यवस्था, पेयजलापूर्ति, साफ-सफाई तथा विद्युत आपूर्ति आदि सुविधाओं की स्थिति सहित अन्य सुख-सुविधाओं का गहनता से निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों के विकास लिए आवश्यक सभी विधाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। इस दौरान अतिरिक्त उपायुक्त अपराजिता ने आर्या कन्या सदन में रह रहे बच्चों से वार्तालाप भी किया और उनसे उनकी शिक्षा और उनके रहन-सहन के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। आर्य कन्या सदन के दौरे के दौरान अतिरिक्त उपायुक्त ने सदन की आवश्यकताओं के बारे में वहां के पदाधिकारियों से भी बातचीत की।

गरीब विद्यार्थियों की फीस वहन करेगी हरियाणा सरकार : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़(हिंस)। हरियाणा प्रदेश में पैसे के अभाव के कारण अब कोई भी गरीब बच्चा उच्चतर शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा। विश्वविद्यालय ऐसे बच्चों की परिवार पहचान पत्र के डाटा से वार्षिक आय की श्रेणी निर्धारित करें। प्रदेश सरकार ऐसे गरीब बच्चों की फीस वहन करेगी। यह निर्णय मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में सोमवार को चंडीगढ़ में हुई स्थाई वित्त समिति *सी* की बैठक में लिया गया। बैठक में खेल विश्वविद्यालय हरियाणा, राई, सोनीपत के भवन व अन्य निर्माण कार्यों के लिए एक सौ करोड़ रुपए की राशि जारी करने की स्वीकृति दी गई, जिसमें 50 करोड़ रुपए ऋण के रूप में अनुदान तथा 50 करोड़ रुपए ग्रांट इन ऐड के रूप में शामिल हैं। बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति एसएस देसवाल ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि हरियाणा खेल विश्वविद्यालय 254 एकड़ भूमि पर स्थापित किया जा रहा है। वर्ष 2023-24 में 100 करोड़ रुपए, 2024-25 में 230 करोड़ रुपए, 2025-26 में 200 करोड़ रुपए तथा 2026-27 में 100

करोड़ रुपए खर्च किए जायेंगे। कुल 630 करोड़ रुपए के बजट का प्रस्ताव है। विश्वविद्यालय में खेल विज्ञान में पीएचडी, एमएसई, बीएसई के नियमित कोर्स होंगे। इसके अलावा 50 सीटों पर 42 दिन का फिटनेस सर्टिफिकेट कोर्स भी आरंभ करने का प्रस्ताव है। एमएसई की 20, बीएसई की 50, पीएचडी की 5 सीटें होंगी। हरियाणा के युवा सेना, अर्ध-सैनिक बल व पुलिस में भर्ती होने के लिए व शारीरिक तौर पर तैयारी करने के लिए प्राइवेट एजेंसियों के पास जाते हैं जहां पैसे भी अधिक लिए जाते हैं। विश्वविद्यालय कम पैसे में कोर्स करवाएगा। उन्होंने इस बात की भी जानकारी दी कि वर्तमान में देश में पटियाला, इंफाल, चेन्नई व वडोदरा में खेल विश्वविद्यालय संचालित हैं। इसके अलावा समिति ने लाला लाजपतराय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय हिसार के लिए 105 करोड़ रुपए जारी करने की स्वीकृति प्रदान की।

बेरोजगार विद्यार्थीमित्रों ने किया अर्धनग्न प्रदर्शन

बीकानेर (हिंस)। संविदा सेवा नियम 2022 में शामिल होने से वंचित रहे बेरोजगार विद्यार्थीमित्रों ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सामने अर्धनग्न प्रदर्शन किया और सरकार के विरोध में नारे लगाते नियुक्ति देने की मांग की। विद्यार्थिमित्र शिक्षा निदेशालय से कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि शिक्षा निदेशालय में हम पिछले 28 दिनों से धरने पर बैठे है पर सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि अशोक जी का बयान था कि आप मांगते हुए थक जाएंगे में देते हुए नहीं आज हम मांगते थक गए है और आप देते हुए रुक गए है। अगर हमारी मांगे जल्द नही मानी गई तो दो दिन भूख हड़ताल ओर उसके बाद आमरण अनशन किया जाएगा। विद्यार्थीमित्रों ने प्रदर्शन कर कलेक्टर, संभागीय आयुक्त, को ज्ञापन देने की बात कही।

फास्ट फूड की दुकान में धमाका, जांच जारी

यमुनानगर (हिंस)। यमुनानगर के पॉश इलाके मॉडल टाउन में सोमवार की अल सुबह करीब तीन बजे के करीब फास्ट फूड की बंद दुकान पर जोरदार धमाका होने से हड़कंप मच गया। गनीमत यह रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। धमाका इतना तेज था कि दुकान का बोर्ड, शटर और सामान कई फुट दूर जाकर गिरा और सारी दुकान तहस नहस हो गई। सूचना मिलने पर शहर यमुनानगर की पुलिस और अग्निशमन की गाड़ी भी पहुंची। फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। फिलहाल पुलिस की जांच जारी है। पड़ोसी दुकानदारों ने बताया कि डोलमा मोमोज फास्ट फूड की दुकान पर हुआ धमाका इतना तेज था कि आसपास बंद दुकानों के साथ-साथ कई फुट दूर बंद दुकानों के भी शीशे टूट गए। दुकान के ऊपरी मंजिल की दीवार भी हिल गई। धमाके की आवाज की सुनकर आसपास के लोग सहम गए और घरों से निकल कर बाहर आ गए। शहर यमुनानगर के थाना प्रभारी पृथ्वी सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह 3 बजे के करीब हुई घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। इस धमाके के पीछे की क्या वजह है। पुलिस उसकी जांच कर रही हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगालेगी। जिससे इस धमाके के बारे में कुछ पता चल सके। थाना प्रभारी ने बताया कि दुकान के अंदर का एसी, फ्रिज,सिलिंडर और बिजली का कोई उपकरण, कुछ भी नही फटा तो ऐसे में ये धमाका कैसे हुआ। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि या तो दुकान में गैस इकठ्ठा हुई और उसके बाद गैस का दबाव बनने से धमाका हो गया हो। गनीमत यह रही कि यहां धमाका देर रात हुआ। अगर धमाका दिन या शाम के समय ऐसा होता तो बहुत बड़ा हादसा हो सकता था। क्योंकि प्रतिदिन इस सड़क पर भारी चहल पहल रहती है।

अंजू का पाकिस्तान से एक नया वीडियो आया सामने

अपील की परिजनों को परेशान नहीं करें

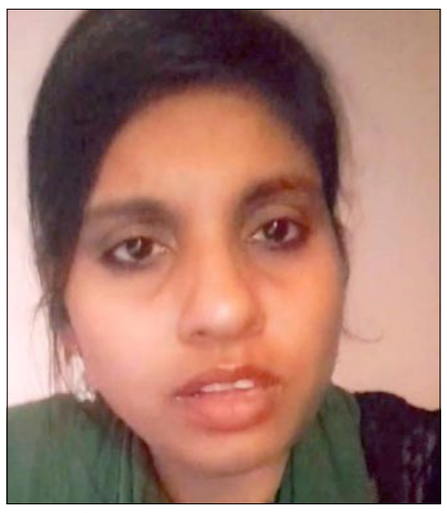

अलवर(हिंस)। अलवर के भिवाड़ी की अंजू सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। तरह तरह को खबरे मीडिया में चल रही है। इसकी जानकारी मिलने के बाद पाकिस्तान से अंजू ने एक वीडियो बनाकर अपने परिजन को भेजा है। इसमें उसने पुलिस प्रशासन व मीडिया से अपील की है कि उनके बच्चों या परिवार के सदस्यों को परेशान नहीं किया जाए। पाकिस्तान वो अचानक नहीं आई है। इसके लिए लंबे समय से उनकी प्लानिंग थी। लीगल तरीके से वो पाकिस्तान आई है। जिस तरह से वो आई है, उसी लीगल तरीके से वो वापस भारत आएंगी। जिसको कोई बात करनी है, वो सीधे अंजू से बात करें और वह सभी बात का जवाब देगी। उल्लेखनीय है कि भिवाड़ी की रहने वाली अंजू पाकिस्तान के लाहौर पहुंचने की खबर के बाद से पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया। भिवाड़ी में अंजू के पति अरविंद से पूछताछ की जा रही है। रविवार की रात जानकारी मिली की भिवाड़ी की रहने वाली अंजू पाकिस्तान पहुंच गई। अंजू शादी शुदा है और दो बच्चे हैं। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के खानपुर गांव निवासी अरविंद साल 2005 में जॉब के लिए भिवाड़ी आए थे। साल 2007 में मध्य प्रदेश के गुना जिले की रहने वाली अंजू से उसकी मुलाकात हुई और शादी कर ली। अंजू भी भिवाड़ी के टपूकड़ा की एक कंपनी में जॉब करती है। वहा नसरुल्लाह नाम के व्यक्ति से शादी करने के लिए गई है। इस तरह की खबर चल रही है। उन दोनों की फेसबुक के जरिए दोस्ती हुई है।

जम्मू आधार शिविर से अमरनाथ तीर्थयात्रियों का 22वां जत्था रवाना

जम्मू (हिंस)। जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से सोमवार सुबह अमरनाथ तीर्थ यात्रियों के 22वें जत्थे को कड़ी सुरक्षा के बीच रवाना किया गया। इस जत्थे में 3898 श्रद्धालु शामिल हैं। यह जत्था पहलगाम व बालटाल के लिए रवाना हुआ। 2606 श्रद्धालुओं का काफिला 99 वाहनों में सवार होकर पहलगाम और 1292 श्रद्धालु 50 वाहनों में सवार होकर बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुए। इस जत्थे में 2898 पुरुष, 898 महिलाएं, 12 बच्चे और 90 साध्वियां शामिल हैं। उल्लखेनीय है अमरनाथ मंदिर में पवित्र गुफा समुद्र तल से 3,888 मीटर ऊंचाई पर है। 62 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा 1 जुलाई को अनंतनाग जिले के पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल से शुरू हुई थी। यह यात्रा 31 अगस्त को सम्पन्न होगी।

रजत पालकी में सवार हो महाकालेश्वर में किया जल भ्रमण

उदयपुर (हिंस)। अधिक सावन के पहले सोमवार को आशुतोष भगवान श्री महाकालेश्वर की विधि विधान परम्परागत रूप से अभिजीत मुहूर्त में रजत पालकी में बिराजमान कराकर जल भ्रमण कराया गया। भगवान आशुतोष का नवजल से अभिषेक भी किया गया। सार्वजनिक प्रन्यास मंदिर श्री महाकालेश्वर के अध्यक्ष तेजसिंह सरूपरिया ने बताया कि इस बार सावन दो हैं। ऐसे में सावन के तीसरे सोमवार व अधिक मास के प्रथम सोमवार के अवसर पर आशुतोष भगवान श्री महाकालेश्वर रजत पालकी में बिराजमान करा सभामंडप से मंदिर परिक्रमा करते हुए गंगा घाट ले जाया गया। पालकी की आगे महिलाएं और पुरुष महादेव के जयकारे लगाते नृत्य करते चले। प्रन्यास सचिव चन्द्रशेखर दाधीच ने बताया कि गंगा घाट पर विधिवत रूप से बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों के समक्ष आशुतोष भगवान की पूजा अर्चना कर आरती की गई तथा नव जल को भगवान का अर्पित कर झूला मनोरथ कराया गया। पालकी को पुन: सभा मंडप में भक्तजनों द्वारा लाया गया जहां पर भगवान को विराजित कर पूजा अर्चना कर महाआरती की गई, जिसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो. गौरव वल्लभ द्वारा सभामंडप में आशुतोष भगवान की पूजा अर्चना कर महाआरती की गई। इनके साथ लाल सिंह झाला, सुधीर जोशी आदि गणमान्य उपस्थित थे। श्रावण महोत्सव समिति की संयोजिका दीक्षा भार्गव, दुर्गा टांक ने दर्शनार्थ आए शिवभक्तों के ललाट पर त्रिपुण्ड लगा कर सुरम्य बनाया।

अडाणी कैपिटल की 90प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी यूएस फर्म : बेन कैपिटल 1,000 करोड़ इन्वेस्ट करेगी, सीईओ गौरव गुप्ता ने कहा- 4 गुना तेजी से ग्रोथ होगी

नई दिल्ली।

यूएस बेस्ड इन्वेस्टमेंट और प्राइवेट इक्विटी कंपनी बेन कैपिटल ने अडाणी ग्रुप के साथ स्टॉक परचेज एग्रीमेंट साइन किया है। इस एग्रीमेंट के तहत अडाणी कैपिटल लिमिटेड और अडाणी हाउसिंग लिमिटेड के 90प्रतिशत स्टेक्स खरीदेगी। ग्लोबल फर्म बेन कैपिटल अडाणी ग्रुप में प्राइमरी कैपिटल के रूप में 984 करोड़ रुपए और नॉन कन्वर्टिबल डिबेंचर के रूप में 410 करोड़ रुपए की लिक्विडिटी इन्वेस्ट करेगी। 23 जुलाई को जारी एक बयान में कंपनी ने कहा कि वे इस डील के बाद अडाणी फैमिली के प्राइवेट इन्वेस्टमेंट के 100प्रतिशत स्टेक्स खरीद लेगी। हालांकि, इस डील में 10प्रतिशत की हिस्सेदारी अडाणी हाउसिंग के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ अपने पास ही रखेंगे। इस डील के बाद भी गौरव गुप्ता अपने पद पर बने रहेंगे। इस पूरी डील के सभी जरुरी मार्केट अप्रूवल आने वाले क्वार्टर में फाइनल किए जाएंगे, जो 31 मार्च 2024 तक संभव है। कंपनी के एमडी और सीईओ गौरव गुप्ता ने बताया कि मैं और मेरी टीम बेन कैपिटल जैसे पार्टनर का स्वागत करते हैं। वह हमारे कस्टमर सेगमेंट को उचित और अफोर्डेबल फाइनेंस उपलब्ध कराने के हमारे विजन को आगे ले जाने में मदद करेगी। बेन कैपिटल की ओर से कंपनी में 1,000 करोड़ रुपए लगाने के बाद हम यहां से 4 गुना ज्यादा तेजी से ग्रोथ करेंगे। अडाणी कैपिटल 2017 में स्थापित हुई थी, जो एमएसएमई को लोन और अफोर्डेबल हाउसिंग के लिए लोन देती है। कंपनी के पास फिलहाल 2,500 कर्मचारियों और 170 ब्रांचेज के साथ 4000 करोड़ रुपए से ज्यादा का लोनबुक (कुल आउटस्टैंडिंग का लोन का लेखा-जोखा और फाइनेंशियल पोजीशन) है। इस डील के ट्रांजेक्शन को पूरा करने में अडाणी कैपिटल, हाउसिंग फाइनेंस और उनके शेयरहोल्डर्स की ओर से एवेंडस कैपिटल एक्सक्लूसिव फाइनेंशियल एडवाइजर था। वहीं बेन कैपिटल की ओर से रोथ्सचाइल्ड एक्लूसिव फाइनेंशियल एडवाइजर था। बिते दिनों अडाणी ग्रुप ने कहा कि पिछले 4 सालों में कंपनी ने 73,830 करोड़ के इन्वेस्टमेंट रेज किए हैं। इनमें कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, टोटल एनर्जिज, इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी और पार्टनर्स जैसे दुनिया के बड़े इन्वेस्टर्स शामिल हैं। टोटल एनर्जी ने अप्रैल 2019 में अडाणी गैस और ग्रीन एनर्जी में 3.3 बिलियन डॉलर (2,700 करोड़ रुपए) इन्वेस्ट किया था।

न्यूज ब्रीफ

जी-20: बैठकों में पारंपरिक चिकित्सा पर हो रही अहम चर्चा, अमिताभ कांत बोले- आयुष मंत्रालय का काम सराहनीय

नई दिल्ली। भारत इस बार जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। इसके लिए देश भर से इससे जुड़ी बैठकों

का दौरान जारी है। देश के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत भी इन बैठकों के लिए काफी सक्रिय है। एक बैठक के दौरान उन्होने कहा कि जी-20 चर्चाओं में पारंपरिक चिकित्सा सबसे आगे है और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से निपटने में इसकी संभावित भूमिका को स्वीकार किया जा रहा है। कांत ने रविवार को यहां आयोजित जी-20 भागीदारी समूहों के साथ एक महत्वपूर्ण बातचीत में यह बात कही। आयुष मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, हितधारकों का स्पष्ट और जोरदार विचार था कि भारत सरकार के प्रयासों ने पारंपरिक चिकित्सा को स्वास्थ्य पर जी-20 की चर्चाओं में सबसे आगे ला दिया है। अपने संबोधन में अमिताभ कांत ने कहा, मैं आयुष मंत्रालय की बहुत सराहना करता हूं कि वह सभी सहभागिता और कार्य समूहों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने में सबसे आगे है। हमें समग्र स्वास्थ्य और कल्याण प्राप्त करने में आयुष प्रथाओं के महत्व को बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा भारत में सदियों से स्वास्थ्य का एक अभिन्न अंग रही है। अमिताभ कांत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) भारत में एक समर्पित डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (डब्ल्यूएचओ जीसीटीएम) की अवधारणा लेकर आया है, जो पारंपरिक चिकित्सा की शक्ति का उपयोग करेगा। स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त सचिव लव अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा, दुनिया सभी स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के संदर्भ में एकीकृत स्वास्थ्य या समग्र स्वास्थ्य की अवधारणा पर चर्चा हो रही है। हम जी-20 देशों के बीच साझेदारी और समन्वय के साथ काम कर रहे हैं।

बायजू ने बंगलुरु स्थित अपने दो दफ्तर खाली किए, रिपोर्ट्स में दावा- खर्च घटाने के लिए लिया गया फैसला

नई दिल्ली। एडटेक कंपनी बायजू ने फंडिंग में देरी के बीच लागत में कटौती और लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए बेंगलुरु में अपने सबसे बड़े दफ्तर को खाली कर दिया है। बेंगलुरु में बायजू के तीन ऑफिस हैं। 5.58 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैले कल्याणी टेक पार्क स्थित दफ्त को खाली करा लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि संकटग्रस्त एडटेक ने प्रेस्टीज टेक पार्क में स्थित एक अन्य कार्यालय का भी एक हिस्सा छोड़ दिया है। कंपनी ने इमारत की नौ में से दो मंजिलों को खाली कर दिया है। कंपनी ने कथित तौर पर कर्मचारियों को 23 जुलाई से अपने अन्य परिसरों से या अपने घरों से से काम करने को कहा है। बायजू के पास अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए देश भर में 3 लाख वर्ग फुट से अधिक किराए की जगह है। कार्यालय स्थान में विस्तार और कमी कामकाजी नीतियों और व्यावसायिक प्राथमिकताओं में बदलाव पर आधारित है, जो बहुत नियमित हैं और इसका उद्देश्य परिचालन क्षमता को बढ़ावा देना है।

राजीव चंद्रशेखर बोले- जिस एचएएल को राहुल गांधी ने बीमार कहा, वह 1.35 लाख करोड़ रुपये की कंपनी बनी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एचएएल की खूबियां बताते हुए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा, कुछ साल पहले राहुल गांधी ने एचएएल की आलोचना की थी और सरकार पर कटाक्ष करने और लोगों को विचलित करने और गुमराह करने के लिए झूठ का इस्तेमाल करते हुए कहा था कि एचएएल एक ऐसी कंपनी है जो बीमार होने जा रही है। केंद्रीय मंत्री बोले, लोगों को यह जानकर खुशी होगी कि कैसे पीएम मोदी के नेतृत्व में एचएएल 1.35 लाख करोड़ रुपये की कंपनी बन गई है। एचएएल के शेयर 2013 की तुलना में पांच गुना तक उछले हैं। संसद में जारी हंगामे पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, विपक्ष सदन में कोई चर्चा नहीं चाहता क्योंकि अगर चर्चा होती है तो सच बाहर आएगा। सरकार मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार है...कांग्रेस बहस के लिए कभी नहीं आएगी, ये डरे हुए हैं क्योंकि बहस के दौरान जो सच बाहर आएगा, उससे ये डरते हैं। विपक्ष कोई चर्चा नहीं चाहता क्योंकि अगर चर्चा होती है तो सच बाहर आएगा।

आईटीआर की आखिरी तारीख मिस भी कर गए तो भी कुछ लोगों को नहीं भरना पड़ेगा जुर्माना

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2022-23 (आकलन वर्ष 2023-24) के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2023 है। ऐसे लोग जो आईटीआर फाइल करने की डेडलाइन मिस कर जाते हैं, तो उन्हें बिलेटेड आईटीआर फाइल करते समय जुर्माने का भुगतान करना पड़ेगा। हालांकि, कुछ ऐसे व्यक्ति हैं जो आईटीआर फाइलिंग की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी जुर्माना दिए बिना अपना आईटीआर दाखिल कर सकेंगे। आइए एक नजर डालते हैं कि आईटीआर फाइलिंग की समय सीमा से चूकने पर किन लोगों को जुर्माने का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। आयकर कानून के अनुसार, समय सीमा समाप्त होने के बाद आईटीआर दाखिल करने के लिए हर किसी को विलंब शुल्क का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। यदि कोई व्यक्ति जिसकी सकल कुल आय मूल छूट सीमा से अधिक नहीं है और वह देर से आईटीआर दाखिल करता है, तो वह देर से दाखिल करने के लिए जुर्माना भरने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। आयकर की धारा 234एफ के तहत देरी से रिटर्न दाखिल करने वालों को भी मिलती है छूट आयकर रिटर्न दाखिल करने वाली वेबसाइट के सीईओ अभिषेक सोनी के अनुसार ने आयकर विभाग ने एक बयान में कहा, अगर सकल कुल आय मूल छूट सीमा से अधिक नहीं होती है तो समयसीमा के बाद दाखिल किए गए आईटीआर पर धारा 234एफ के तहत उल्लिखित विलंब शुल्क नहीं लगेगा। कहा, धारा 139(1) में उल्लिखित सकल कुल आय का मतलब अधिनियम के तहत धारा 80सी से 80यू के तहत कटौती को ध्यान में रखने से पहले कुल आय से है।

किसी व्यक्ति पर लागू मूल कर छूट चुनी गई कर व्यवस्था पर करती है निर्भर - वर्तमान कर कानूनों के अनुसार किसी व्यक्ति पर लागू मूल कर छूट सीमा उसकी ओर से चुनी गई कर व्यवस्था पर निर्भर करती है। यदि कोई व्यक्ति नई कर व्यवस्था का विकल्प चुनता है, तो मूल छूट सीमा 2.5 लाख रुपये होगी, भले ही उसकी उम्रसीमा कुछ भी हो। हालांकि, यदि कोई व्यक्ति पुरानी कर व्यवस्था का विकल्प चुनता है, तो मूल छूट सीमा व्यक्ति की उम्र पर निर्भर करती है। वर्तमान में, 60 वर्ष से कम आयु के निवासी व्यक्तियों के लिए मूल छूट सीमा 2.5 लाख रुपये है। 60 वर्ष और उससे अधिक लेकिन 80 वर्ष से कम आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए, 3 लाख रुपये तक की आय को कर से छूट दी गई है। अति वरिष्ठ नागरिकों (80 वर्ष से अधिक आयु के) के लिए, मूल छूट सीमा 5 लाख रुपये तक है। ध्यान दें कि बजट 2023 ने नई कर व्यवस्था के तहत नए आयकर स्लैब की घोषणा की है। हालांकि, नई कर व्यवस्था के तहत नए आयकर स्लैब चालू वित्त वर्ष 2023-24 (यानी 1 अप्रैल, 2023 और 31 मार्च, 2024 के बीच) और वित्त वर्ष 2023-24 (आकलन वर्ष 2024-25) के लिए अगले साल आईटीआर दाखिल करते समय अर्जित आय के लिए लागू होंगे।

उपरोक्त नियम के अपवाद - हालांकि, उपरोक्त नियम के दो अपवाद हैं। नियम का पहला अपवाद व्यक्तियों के कुछ वर्गों के लिए आईटीआर दाखिल करना अनिवार्य है, भले ही उनकी सकल कुल आय मूल छूट सीमा से अधिक न हो। ईवाई इंडिया में पीपुल एडवाइजरी सर्विसेज की टैक्स पार्टनर शालिनी जैन ने कहा, अगर कोई व्यक्ति धारा 139 (1) के सातवें नियम में उल्लिखित किसी भी शर्त को पूरा करता है, तो उसे वित्त वर्ष 2022-23 के लिए अनिवार्य रूप से आईटीआर दाखिल करना होगा, ऐसा नहीं करने पर धारा 234 एफ के तहत शुल्क लगाया जाएगा।

धारा 139 (1) के सातवें नियम के तहत निम्न व्यक्ति आते हैं- ऐसे व्यक्ति जिन्होंने अपने बैंक या सहकारी बैंक के एक या अधिक चालू खातों में 1 करोड़ रुपये से अधिक की राशि या कुल राशि जमा की है। जिन्होंने किसी विदेशी यात्रा के लिए अपने या किसी अन्य व्यक्ति के लिए 2 लाख रुपये से अधिक की राशि या कुल राशि का व्यय किया है।

ऐसे व्यक्ति जिन्होंने बिजली की खपत के लिए 1 लाख रुपये से अधिक की राशि या कुल राशि का व्यय किया है। ऐसे व्यक्ति जो उपरोक्त में से किसी भी एक कारण के अंतर्गत आते हैं। यदि आप ऊपर उल्लेखित किसी भी शर्त के अंतर्गत आते हैं तो आपको अनिवार्य रूप से आईटीआर दाखिल पड़ेगा। ऐसी स्थिति में आपको सुनिश्चित करना चाहिए कि आपने समय सीमा से पहले अपना टैक्स रिटर्न दाखिल कर लिया है अन्यथा आपको विलंब शुल्क भरना पड़ेगा, भले ही आपकी सकल कुल आय कर योग्य सीमा से नीचे हो।

विदेशी संपत्ति से आमदनी होने पर भी भरना पड़ेगा जुर्माना - दूसरा अपवाद यह है कि यदि आप विदेशी संपत्ति रखते हैं जैसे कि विदेशी कंपनी के स्टॉक इत्यादि और उस विदेशी संपत्ति से आप को आमदनी होती है तो आपको हर हाल में समय से पहले आईटीआर दाखिल करना पड़ेगा ऐसा नहीं करने पर आपको जुर्माना भरना पड़ेगा फिर चाहे आपकी आपकी आमदनी कुल आय कर योग्य सीमा से कम ही क्यों ना हो।

देश में मनाया जा रहा 164वां आयकर दिवस - देश में 164वां आयकर दिवस मनाया जा रहा है। बता दें कि भारत में सर जेम्स विल्सन ने पहली बार 24 जुलाई 1860 को आयकर कानून पेश किया था। इसके बाद साल 1922 में आयकर से जुड़ा एक व्यापक कानून इनकम टैक्स एक्ट 1922 लाया गया। इसी आयकर कानून में कर व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं को जोड़ा गया था।

सोने-चांदी के दामों में गिरावट

सोना 59 हजार और चांदी 74 हजार पर आई, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली।

सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 165 रुपए गिरकर 59,290 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 54,309 रुपए रह गई है।

74 हजार पर आई चांदी - वेबसाइट के अनुसार चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है। ये 578 रुपए फिसलकर 74,044 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को ये 75,622 रुपए पर थी।

इस महीने अब तक सोने में रही तेजी - इस महीने यानी जुलाई में अब तक सोने में बढ़त देखने को मिली है। इस महीने की शुरुआत यानी 3 जुलाई (1 और 2 जुलाई को मार्केट बंद था) को ये 58,139 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 59,290 रुपए पर है। यानी इसके दाम में 1,151 रुपए की तेजी आई है।

साल के आखिर तक 62 हजार तक जा सकता है सोना - सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि आने वाले दिनों में सोने की कीमत में फिर बढ़त देखने को मिल सकती है। अनुज गुप्ता के अनुसार साल के आखिर तक सोना फिर 62 हजार तक जा सकता है।

अप्रैल-जून की तिमाही में आया 298 करोड़ रुपए का निवेश - गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंडों में अप्रैल-जून की तिमाही में 298 करोड़ रुपए का निवेश आया है। गोल्ड फोलियो की संख्या 1.5 लाख बढ़कर 47.52 लाख हो गई। इससे पहले लगातार तीन तिमाहियों के दौरान निकासी हुई थी। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के मुताबिक, मार्च तिमाही में गोल्ड से 1,243 करोड़, दिसंबर तिमाही में 320 करोड़ और सितंबर तिमाही में 165 करोड़ रुपए की निकासी हुई थी।

मैकडॉनल्ड्स के बाद सबवे ने भी टमाटर हटाया: कहा- अच्छी क्वालिटी के टमाटर नहीं मिल रहे, इसके बिना फूड आइटम्स देने के लिए मजबूर

नई दिल्ली।

फास्ट फूड रेस्टोरेंट कंपनी सबवे ने अपने आउटलेट्स से टमाटर को हटा दिया है। सबवे इंडिया ने दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल्स में से एक टर्मिनल पर नोटिस लगाकर इस बात की जानकारी दी है। नोटिस में लिखा, टमाटर की अन-अवेलेबिलिटी टेम्परेरी है। हम कोशिश कर रहे हैं कि जल्द से जल्द अपने कस्टमर्स को फूड आइटम्स में टमाटर दें।

अब सबवे के सैंडविच सहित अन्य फूड आइटम्स में कुछ समय तक टमाटर नहीं मिलेगा। इससे पहले मैकडॉनल्ड्स ने भी अपने फूड आइटम्स से टमाटर को हटाया था।

सबवे ने इंडिया नोटिस के माध्यम से क्या कहा...

हम हमेशा अपने कस्टमर्स को बेस्ट इनग्रेडिएंट्स के साथ बेस्ट फूड आइटम्स सर्व करने के लिए कमिटेड हैं। हमारे सभी प्रयासों के बावजूद हम टमाटर पर्याप्त मात्रा में नहीं खरीद पा रहे हैं, जो हमारे वर्ल्ड क्लास क्वालिटी चेक में पास हो सके। इसलिए फिलहाल हम आपको टमाटर के बिना फूड आइटम्स देने के लिए मजबूर हैं। हमारी कोशिश है कि हम जल्द से जल्द अपने कस्टमर्स को फूड आइटम्स में टमाटर सर्व करें। असुविधा के लिए खेद है।

मैकडॉनल्ड्स इंडिया ने बर्गर से टमाटर हटाने पर कही थी ये बात

फूड क्वालिटी और सेफ्टी के हाइएस्ट स्टैंडर्ड्स के लिए कमिटेड एक ब्रांड के रूप में, हम क्वालिटी और सेफ्टी चेक के बाद ही सामग्री का इस्तेमाल करते हैं। सीजनल इश्यूज के कारण और हमारे सभी प्रयासों के बावजूद, हम ऐसे टमाटर नहीं खरीद पा रहे हैं जो हमारे वर्ल्ड क्लास क्वालिटी चेक से पास हो सकें। इसलिए, हम अपने कुछ रेस्तरां में मेन्यू से टमाटर हटा रहे हैं।

पीएफ पर 8.15प्रतिशत मिलेगा ब्याज, सरकार की मंजूरी: 2022-2023 के लिए 0.05प्रतिशत बढ़ाया, 1 लाख जमा पर 8150 इंटरेस्ट मिलेगा

नई दिल्ली।

सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रोविडेंट फंड अकाउंट पर 8.15प्रतिशत ब्याज को मंजूरी दे दी है। एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन ने मार्च में ब्याज दरें 0.05प्रतिशत बढ़ाने की सिफारिश की थी। यानी अगर आपके 1 लाख रुपए जमा है तो इस पर साल में 8,150 रुपए का ब्याज मिलेगा। इसका ऑर्डर जारी किया। देश के 6 करोड़ से ज्यादा कर्मचारी पीएफ के दायरे में आते हैं। कर्मचारी की बेसिक सैलरी प्लस डीए का 12प्रतिशत पीएफ अकाउंट में जाता है। कंपनी भी कर्मचारी की बेसिक सैलरी प्लस डीए का 12प्रतिशत कॉन्ट्रीब्यूट करती है। कंपनी के 12प्रतिशत कॉन्ट्रीब्यूशन में से 3.67प्रतिशत पीएफ अकाउंट में जाता है और बाकी 8.33प्रतिशत पेंशन स्कीम में जाता है।

1952 में 3प्रतिशत ब्याज से शुरुआत हुई थी

1952 में पीएफ पर ब्याज दर केवल

3प्रतिशत थी। हालांकि, इसके बाद इसमें बढ़ोतरी होती गई। पहली बार 1972 में यह 6प्रतिशत के ऊपर पहुंची। 1984 में यह पहली बार 10प्रतिशत के ऊपर पहुंची। पीएफ धारकों के लिए सबसे अच्छा समय 1989 से 1999 तक था। इस दौरान पीएफ पर 12प्रतिशत ब्याज मिलता था। इसके बाद ब्याज दर में गिरावट आनी शुरू हो गई। 1999 के बाद ब्याज दर कभी भी 10प्रतिशत के करीब नहीं पहुंची। 2001 के बाद से यह 9.50प्रतिशत के नीचे ही रही है। पिछले सात सालों से यह 8.5प्रतिशत या उससे कम रही है।

यहां समझें पीएफ पर अब कितना ज्यादा मिलेगा ब्याज

मान लीजिए आपके पीएफ अकाउंट में 31 मार्च 2023 तक कुल 5 लाख रुपए जमा हैं। ऐसे में अगर 8.10प्रतिशत की दर से ब्याज मिलता तो 5 लाख पर 40,500 रुपए ब्याज के रूप में मिलते। लेकिन अब ब्याज दर को बढ़ाकर 8.15प्रतिशत करने के बाद आपको 40,750 रुपए मिलेंगे।

फाइनेंशियल ईयर के आखिर में तय होती है ब्याज दर

पीएफ में ब्याज दर के फैसले के लिए सबसे पहले फाइनेंस इन्वेस्टमेंट एंड ऑडिट कमेटी की बैठक होती है। यह इस फाइनेंशियल ईयर में जमा हुए पैसों के बारे में हिसाब देती है। इसके बाद सीबीटी की बैठक होती है।

एलन मस्क ने ट्विटर का लोगो बदला

नीली चिड़िया की जगह अब एक्स का निशान, इस प्लेटफॉर्म को एक्स. कॉम से जोड़ा गया

वॉशिंगटन।

ट्विटर का नया नाम अब एक्स हो गया है। कंपनी के मालिक एलन मस्क ने एक्स. कॉम को ट्विटर.कॉम से जोड़ दिया है। यानी एक्स. कॉम लिखने पर आप सीधे ट्विटर की वेबसाइट पर पहुंच जाएंगे। अब माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म का नीली चिड़िया वाला लोगो भी बदल गया है।

मस्क ने अपनी प्रोफाइल पिक भी बदलकर एक्स कर दी है। उन्होंने एक वीडियो भी पिन किया है, जिसमें ट्विटर का लोगो एक्स में बदलते हुए दिखाई दे रहा है। एक्स एक ऐसा प्लेटफॉर्म होगा जो सब कुछ डिलीवर कर सकता है। पेमेंट, बैंकिंग और ई-कॉमर्स जैसी सर्विसेज भी।

एक्स उन तरीकों से कनेक्ट करेगा जिनकी हम कल्पना कर रहे

ट्विटर की सीईओ लिंडा याकारिनो ने कहा- एआई पावर्ड एक्स हमें उन तरीकों से कनेक्ट करेगा जिनकी हम अभी कल्पना करना शुरू कर रहे हैं। वहीं बीते दिनों मस्क ने कहा था कि वह इस प्लेटफॉर्म को एक्स एवरीथिंग ऐप में बदलने के लिए लिंडा के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।

1999 से मस्क का लेटर एक्स से नाता

एलन मस्क का एक्स लेटर से नाता साल 1999 से है। तब उन्होंने एक ऑनलाइन बैंकिंग कंपनी बनाई थी। इसे बाद में एक अन्य कंपनी के साथ मर्ज कर दिया जो पेपाल बनी। साल 2017 में मस्क ने यूआरएल को फिर से खरीदा था। उन्होंने कहा था कि इस डोमेन का उनके लिए बहुत भावुक मूल्य है। उनकी एक और कंपनी में भी एक्स की झलक दिखती है। उनकी नई एक्स कंपनी का नाम भी है। 2020 में, मस्क ने अपने एक बेटे का नाम रखा था। ठ का उच्चारण ऐश होता है।

नीली चिड़िया हटाकर डॉग को ट्विटर का लोगो बनाया था

4 महीने पहले एलन मस्क ने ट्विटर की नीली चिड़िया हटाकर एक डॉग को ट्विटर का लोगो बनाया था। उन्होंने एक ट्वीट में कहा था- जैसा वादा किया था, वह पूरा किया। हालांकि बाद में उन्होंने दोबारा नीली चिड़िया को ट्विटर लोगो बना लिया था।

ट्विटर सीईओ बनने के बाद मस्क के 4 बड़े फैसले...

एलन मस्क ने पिछले साल 27 अक्टूबर 2022 को 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर खरीदा था। इसके बाद कई बड़े फैसलों को लेकर मस्क चर्चा में रहे।

1. आधे से ज्यादा कर्मचारियों को निकाला

ट्विटर खरीदने के बाद मस्क ने सबसे पहले कंपनी के चार टॉप ऑफिशियल्स को निकाला था। इनमें सीईओ पराग अग्रवाल, फाइनेंस चीफ नेड सेगल, लीगल एग्जीक्यूटिव्स विजया गड्डे और सीन एडगेट शामिल थे। जब मस्क ने ट्विटर की कमान संभाली थी, तो उसमे करीब 7500 एम्प्लॉई थे, लेकिन अब 2500 के करीब ही बचे हैं।

2. कई ब्लॉक अकाउंट को अन-ब्लॉक किया

नवंबर 2022 में मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई ब्लॉक अकाउंट को अनब्लॉक कर दिया था। उन्होंने ट्विटर पर ट्रम्प की वापसी को लेकर एक पोल किया था। उन्होंने पूछा था, क्या प्रेसिडेंट ट्रंप का अकाउंट बहाल किया जाना चाहिए। हां या ना। 1.5 करोड़ से ज्यादा यूजर्स ने वोटिंग में हिस्सा लिया और 52प्रतिशत लोगों ने हां में जवाब दिया था।

3. ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस लॉन्च की

एलन मस्क ने दुनियाभर में ब्लू सब्सक्रिप्शन लॉन्च किया है। भारत में वेब यूजर्स के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन कॉस्ट 650 रुपए है। मोबाइल के लिए सब्सक्रिप्शन चार्ज 900 रुपए महीना है। इसमें ब्लू टिक, लंबे वीडियो पोस्ट समेत कई सारे फीचर्स मिलते हैं।

4. कैरेक्टर लिमिट बढ़ाई, पोस्ट पढ़ने की लिमिट

मस्क ने पोस्ट की कैरेक्टर लिमिट 280 से बढ़ाकर 25,000 कर दी है। पोस्ट पढ़ने की लिमिट भी अप्लाय की है। वेरिफाइड यूजर एक दिन में सिर्फ दस हजार पोस्ट पढ़ सकते हैं। अनवेरिफाइड यूजर एक हजार पोस्ट, वहीं नए अनवेरिफाइड यूजर रोजाना सिर्फ 500 पोस्ट ही पढ़ सकते हैं।

वीडी13 में विजय देवराकोंडा के साथ काम करने को लेकर उत्सुक हूं : मृणाल ठाकुर

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अपनी अगली फिल्म हाय नन्ना की तैयारी कर रही हैं, साथ ही वह फिल्म वीडी 13 में विजय देवराकोंडा के साथ नजर आने वाली हैं। विजय की प्रशंसा करते हुए मृणाल ने कहा कि हर गुजरती फिल्म के साथ अर्जुन रेड्डी ने यादगार किरदार दिए हैं। हाल ही में उन्होंने विजय के साथ अपनी अगली तेलुगु फिल्म की घोषणा की। उन्होंने साउथ के नानी और दुलकर सलमान के साथ काम किया है। मृणाल ने कहा कि इतने विविध अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिलना एक अवास्तविक एहसास है। उन्होंने कहा, जब मैंने सीता रामम पर काम करना शुरू किया, तब दक्षिण फिल्म उद्योग के लोगों ने गर्मजोशी और प्यार से मेरा स्वागत किया। इंडस्ट्री में बेहतरीन कलाकार हैं। उन्होंने कहा कि मैं आभारी हूं कि मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिल रहा है। अभिनेत्री ने कहा, दुलकर, नानी और विजय अलग-अलग तरह के अभिनेता है। सेट पर मेरे लिए कभी भी सुस्त दिन नहीं होता। जो प्यार मुझे सीता रामम के लिए मिला, मुझे उम्मीद है कि वहीं प्यार मुझे मेरी आने वाली फिल्मों हाय नन्ना और वीडी13 के लिए भी मिलेगा। विजय के बारे में मृणाल ने कहा कि मैं विजय के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि मैं जानती हूं कि हम अभिनेता के रूप में एक-दूसरे से सीख सकते हैं। फिलहाल हमने तैयारी शुरू कर दी है और फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। विजय के साथ स्क्रीन स्पेस सा-झा करने को लेकर मैं उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, स्क्रीन पर वह चाहे जो भी भूमिकाएं निभाते हों, कैमरे के सामने उनकी अद्भुत क्षमता है।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर-3 में अभियन करती दिखाई देगी शनाया कपूर

मुंबई (ईएमएस)। करण जौहर अपनी स्टूडेंट ऑफ द ईयर फिल्म फ्रेंचाइजी को वेब सीरीज में बदल रहे हैं। अगली किस्त, स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3, संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर के ओटीटी डेब्यू को भी चिह्नित करेगी। हाल ही में घोषणा की गई थी कि शनाया कपूर की पहली फिल्म करण की बेधड़क नहीं होगी, इसके बजाय उन्हें मोहनलाल की अखिल भारतीय फिल्म वृषभ से लांच किया जाएगा। शनाया पहले ही चचेरी बहन-अभिनेत्री जान्हवी कपूर-स्टारर गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल में सहायक निर्देशक के रूप में काम कर चुकी हैं। हालाँकि, अभिनय में उनके परिवर्तन पर पिछले कुछ वर्षों में चर्चा हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, करण जौहर डिज्नी+हॉटस्टार के साथ साझेदारी में स्टूडेंट ऑफ द ईयर फिल्म फ्रेंचाइजी को एक वेब सीरीज में बदल रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि परियोजना फिलहाल लेखन चरण में है और इस साल की आखिरी तिमाही में इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है। शनाया के साथ कुछ और नए चेहरों को पेश करने की उम्मीद है, और इसके लिए कास्टिंग प्रक्रिया कथित तौर पर चल रही है। शो की कहानी के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है, लेकिन रिपोर्ट में उद्धृत सूत्रों के अनुसार, इस श्रृंखला पर धर्मा की डिजिटल सामग्री शाखा, धर्मैटिक एंटरटेनमेंट में काम जोरों पर चल रहा है। उम्मीद है कि एक महीने के भीतर सीरीज के लिए निर्देशक का चयन होगा। शनाया के बॉलीवुड लांच की खबरें पिछले दो साल से आ रही हैं। स्टार किड को शुरूआत में लक्ष्य लालवानी और गुरफतेह पीर-जादा के साथ करण जौहर की बेधड़क से अभिनय की शुरूआत करने के लिए तैयार किया गया था। हालाँकि, शशांक खेतान द्वारा निर्देशित इस फिल्म को कथित तौर पर स्क्रिप्ट मुद्दों के कारण बंद कर दिया गया था। अब, अनुभवी मलयालम अभिनेता मोहनलाल की आगामी फिल्म वृषभ अंततः एक अभिनेता के रूप में शनाया की पहली फिल्म होगी।

प्रोजेक्ट के के लिए आयोजित ग्रैंड इवेंट में शामिल नहीं होंगी दीपिका

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण 20 जुलाई को सैन डिएगो कॉमिक-कॉन में अपकमिंग साइंस-फिक्शन फिल्म प्रोजेक्ट के के लिए आयोजित ग्रैंड इवेंट में शामिल नहीं होंगी। हाल ही में फिल्म से उनका पहला लुक जारी किया गया था। दीपिका के इस इवेंट में शामिल न होने के पीछे का कारण एसएजी-एएफट-ीआरए (स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड- अमेरिकन फेडरेशन ऑफ टेलीविजन एंड रेडियो आर्टिस्ट्स) द्वारा चल रही हॉलीवुड हड़ताल है। दीपिका अमेरिका में फिल्म, टीवी और रेडियो कलाकारों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगी, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर बढ़ती निर्भरता और बड़े हॉलीवुड स्टूडियो द्वारा अवशिष्ट आय में कमी के मद्देनजर हड़ताल पर हैं। इसके पहले, फिल्म के अन्य कलाकार जैसे प्रभास और कमल हासन, राणा दग्गुबाती के साथ एसडीसीसी में फिल्म के ग्रैंड लांच इवेंट में भाग लेने के लिए सैन डिएगो पहुंचे। एसड-ीसीसी सेलिब्रेशन 20 जुलाई को एक रोमांचक पैनल के साथ शुरू होगा, जिसमें स्पेशल गेस्ट कमल हासन, प्रभास और नाग अश्विन शामिल हैं। इस पैनल के दौरान, प्रोजेक्ट के के निमार्ता फिल्म के टाइटल, ट्रेलर और रिलीज की तारीख का अनावरण करने वाले हैं। कॉमिक-कॉन के सबसे भव्य स्टेज पर दर्शकों को सचमुच एक अद्भुत अनुभव मिलेगा। प्रोजेक्ट के वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित एक बहुभाषी साइंस फिक्शन फिल्म है। फिल्म में अमिताभ बच्चन और दिशा पाटनी भी हैं।यह फिल्म 12 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

ड्रीम गर्ल की एक झलक पाने बेकरार है फैंस

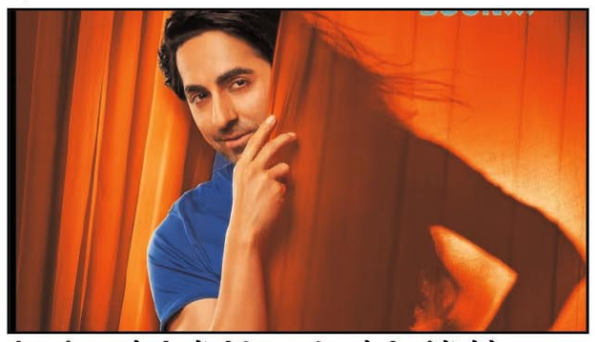

ड्रीम गर्ल 2 पूजा के दीवानों की लिस्ट फिल्म इंडस्ट्री के सभी बड़े सुपरस्टार्स से भरी जो पड़ी है, जिसमें लेटेस्ट एंट्री रॉकी की हुई है। हालांकि ड्रीम गर्ल की प्रेम कहानी की हालिया झलक में भी जब उनके सुंदर मुखड़े का दीदार नही हुआ, तो लोगों की बेकरारी का लेवल और बढ़ गया। पर अब लगता है कि ड्रीम गर्ल की झलक देखने का ड्रीम पूरा होने को आया है फिल्म के एक नए और दिलचस्प पोस्टर के साथ। ये पोस्टर पहले से ही सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इसमें आयुष्मान खुराना को एक आकर्षक नए अवतार में दिखाया गया है। वाइब्रेंट पर्दे के पीछे से बाहर निकलते ही दर्शकों को केवल उनका चेहरा ही दिखाई देता है। जो चीज वास्तव में हर किसी का ध्यान खींचती है वह है आयुष्मान के किरदार पूजा का उल्लेखनीय ट्रांसफॉर्मेशन, जो फेमिनिन लुक में कमाल लगती है, जिससे फैन्स को अगली कड़ी की कहानी की दिशा के बारे में उत्सुकता होती है। करम के रूप में पूजा की परछाई पर्दे से झांकती है जो लोगों को खिलखिलाने और हंसाने का काम करती है। ड्रीम गर्ल 2 एकता आर कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित और प्रतिभाशाली राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित हैं। ये फिल्म 25 अगस्त 2023 को रिलीज होगी।

कमल हासन सैन डिएगो की सड़कों पर दिखे टहलते हुए

-आरामदायक पैंट, जैकेट, सैंडल और टोपी पहने हुए थे

मुंबई (ईएमएस)। साउथ के स्टार प्रभास और राणा दग्गुबाती को अमेरिका में देखे जाने के बाद, सैन डिएगो कॉमिक-कॉन में फिल्म प्रोजेक्ट के के फर्स्ट लुक के ग्रैंड रिलीज से पहले कमल हासन को भी सैन डिएगो की सड़कों पर टहलते हुए देखा गया। तस्वीर में यूनिवर्सल स्टार कमल हासन को आरामदायक पैंट, जैकेट, सैंडल और एक टोपी पहने हुए सड़कों पर चलते हुए देखा जा सकता है और वह कैमरे की ओर देख रहे हैं। वैजयंती मूवीज का बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन ड्रामा प्रोजेक्ट के न केवल भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में बल्कि विश्व स्तर पर एक प्रमुख चर्चा का विषय बन गया है। फिल्म निमार्ता सैन डिएगो कॉमिक-कॉन के एच हॉल में प्रोजेक्ट के के टीजर और ऑफि-शियल टाइटल का अनावरण करने की तैयारी कर रहे हैं, जो भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के इतिहास में एक और मील का पत्थर साबित होगा। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक नाग अश्विन द्वारा निर्देशित प्रोजेक्ट के में अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी हैं। इससे पहले, बिग बी ने ट्विटर पर वैजयंती मूवीज द्वारा प्रोजेक्ट के के सैन डिएगो कॉमिक कॉन में डेब्यू करने की खबर साझा की। कैप्शन में, उन्होंने लिखाः मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं और मुझे तेलुगु सिनेमा के इस महान उद्यम प्रोजेक्ट के का हिस्सा बनने और आइडल के एक ही फ्रेम में होने का बड़ा सम्मान मिला है। आप सभी को धन्यवाद... और नाग अश्विन सर, मेरे बारे में सोचने के लिए धन्यवाद... प्रभास ने जो विनम्रता, सम्मान मुझे दिया है, वह बहुत भावनात्मक है... मेरे लिए नहीं, बल्कि प्रोजेक्ट के में शामिल सभी लोगों के लिए, आपकी कड़ी मेहनत नई बुलंदियों को छुए...प्यार और प्रार्थना। यह फिल्म भारत में 12 जनवरी 2024 को रिलीज होगी।

'बिग बॉस ओटीटी' में जिया शंकर पर भड़के सलमान खान

बिग बॉस ओटीटी के दूसरे सीजन की इस समय हर तरफ चर्चा हो रही है। वाइल्डकार्ड प्रतियोगी के रूप में यूट्यूबर एल्विश यादव और आशि-का भाटिया की एंट्री के बाद घर का पूरा माहौल बदल गया है। एल्विस की पहले हफ्ते में ही बिग बॉस के घर के कुछ सदस्यों से बहस हो गई थी। इसके बाद तानाशाही टास्क में जिया शंकर ने एल्विश को साबुन वाला पानी पीने के लिए दिया। इस पूरे घटनाक्रम के बाद वीकेंड का वार में सलमान खान जिया पर भड़क गए। सलमान ने वीकेंड का वार में जिया से कहा, जिया, किसी को पानी देना बहुत पवित्र बात है...और तुम उस पानी में साबुन डालती हो? इसके बाद जिया थोड़ा मुस्कुराते हुए कहती हैं, ह्लमुझे पता है कि मैंने बहुत बड़ी गलती की है। सलमान उनसे कहते हैं, मुस्कुराते हुए कोई किसी से माफी कैसे मांग सकता है? तुमने सचमुच साबुन वाला पानी पिलाकर बहुत बड़ी गलती की है।

सलमान ने बिग बॉस के बाकी सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा, अगर आपको लगता है कि जिया कुछ गलत कर रही है तो आपने इस बारे में कुछ क्यों नहीं कहा? सलमान खान का गुस्सा देखकर जिया शंकर ने एल्विश यादव से माफी मांगी। यहां तक कि एल्विस ने भी उसे तुरंत माफ कर दिया। बिग बॉस के घर में हर सीजन में तानाशाही टास्क खेला जाता है। इस टास्क में आपको सुनना होगा कि तानाशाह क्या कहता है। एक टास्क में बिग बॉस ने एल्विश यादव को घर का तानाशाह बना दिया था। प्रतियोगियों जिया शंकर, अविनाश सचदेव और फलक नाज ने उनके आदेशों का पालन करने से इनकार कर दिया। जब एल्विस ने पानी मांगा तो जिया ने उसे गिलास में हैंडवॉश और साबुन वाला पानी मिलाकर पीने को दिया। जिया की इस हरकत से सलमान खान नाराज हो गए।

बोल्ड सीन पर क्या था पत्नी का रिएक्शन, अंगद बेदी ने किया खुलासा

कुछ दिनों पहले फिल्म लस्ट स्टोरीज-2 ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। इस फिल्म में एक शॉर्ट स्टोरी में नेहा धूपिया के पति और एक्टर अंगद बेदी मुख्य भूमिका में थे। अंगद बेदी, मृणाल ठाकुर और नीना गुप्ता उस लघु कहानी के मुख्य कलाकार थे। इसमें अंगद और मृणाल का रोमांस दिखाया गया था। दोनों ने काफी बोल्ड सीन दिए थे। अंगद श-ादीशुदा हैं और नेहा धूपिया उनकी पत्नी हैं। दोनों के दो बच्चे हैं। अंगद ने इस फिल्म के बोल्ड सीन पर नेहा के रिएक्शन के बारे में बताया है। जब उनसे पूछा गया आपने अपनी पत्नी नेहा को इस रोल के बारे में बताया तो उनकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी, उन्होंने क्या कहा? इस सवाल पर अंगद ने कहा, उन्हें यह पसंद आया और वह बहुत खुश थीं। जब मैंने उन्हें कहानी सुनाई तो उनकी प्रतिक्रिया सकारात्मक थी। ऐसी बोल्ड कहानियों या दृश्यों को देखकर दर्शकों के लिए एक अलग नजरिया बनता है, तो इस सीन की शूटिंग के दौरान सेट पर कैसा माहौल था?

ऐसा सवाल अंगद से पूछा गया। अंगद ने मीडिया को बताया, इस तरह के सीन को शूट करने के लिए सबसे पहले एक इंटिमेसी कोच और प्रोड्यूसर्स की ओर से एक या दो लोग होते हैं। बाकी लोगों को कमरे से बाहर या सेट से बाहर भेज दिया जाता है, ताकि किसी को असहज महसूस न हो।

'भाग मिल्खा भाग' ने पूरे किए 10 साल, होगी स्पेशल स्क्रीनिंग

फरहान अख्तर स्टारर 'भाग मिल्खा भाग' के 10 साल पूरे होने के मौके को बेहद खास अंदाज में सेलिब्रेट किया जाएगा। जी हां, इस मौके को सेलिब्रेट करने के लिए राकेश ओमप्र-काश मेहरा सहित फिल्म के मेकर्स ने मुंबई में 26 जुलाई को एक स्पेशल स्क्रीनिंग का आयोजन किया है। इसके जरिए एक बार फिर मेकर्स भारतीय दिग्गज दिवंगत मिल्खा सिंह को श्रद्धांजलि देना चाहते हैं। बता दें, द फ्लाइंग सिख के नाम से मशहूर दिग्गज एथलीट मिल्खा सिंह का पिछले साल निधन हो गया और इस विशेष स्क्रीनिंग के साथ उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। ये फिल्म भारतीय स्प्रिंट लीजेंड मिल्खा सिंह के जीवन पर आधारित एक स्पोर्ट्स ड्रामा थी। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, यह स्पेशल स्क्रीनिंग वास्तव में लोगों को इसकी रिलीज के इतने सालों बाद स्क्रीन्स पर इस प्रेरणादायक कहानी से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा करने पर मजबूर कर देगी। 2013 में रिलीज हुई इस फिल्म में दिवंगत मिल्खा सिंह की प्रेरक यात्रा को दशार्या गया है और कैसे वह वर्ल्ड चैंपियन, ओलंपियन और भारत के सबसे प्रतिष्ठित एथलीटों में से एक बनने के लिए कई मुश्किलों को पार करते हैं।

कृष्ण का किरदार मेरे जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और अनमोल कृतित्व : सौरभ जैन

मथुरा, (हि.स.)। धार्मिक किरदारों को निभाकर एक्टिंग की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुके अभिनेता सौरभ राज जैन अपनी बॉलीवुड एंट्री से पहले वृंदावन स्थित ठाकुर बांकेबिहारी महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे। गौरतलब है कि सौरभ राज जैन महाभारत सीरियल में श्रीकृष्ण, देवों के देव महादेव में भगवान विष्णु और मह-ाकाली सीरियल में भगवान शंकर का किरदार निभा चुके हैं, इसके साथ ही उन्होंने अन्य धार्मिक और पारिवारिक सीरियलों में भी काम किया है।

रविवार मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि कृष्ण का किरदार उनके जीवन में सर्वाधिक महत्वपूर्ण और अनमोल कृतित्व है। उन्हें बांकेबिहारी के दर्शन कर और वृंदावन में आकर अपने घर जैसी अनुभूति हो रही है। वे अभिभूत हैं कि उन्हें कृष्ण का किरदार जीने को मौका मिला और इससे बड़ा किरदार किसी के जीवन में कोई नहीं हो सकता। ओटीटी में खुलेपन को लेकर देश में चल रही बहस पर उन्होंने कहा कि किरदारों के चुनाव को लेकर सबकी अपनी आजादी है। इस बारे में कुछ भी कहना न मुनासिब है और न ही न्यायसंगत। आज लोगों में धार्मिकता और आध्यात्मिक चेतना बढ़ रही है। लोग धार्मिक सीरियलों को काफी पसंद करते हैं। अपनी बॉलीवुड एंट्री के लिए बांकेबिहारी से आशीर्वाद लेने पहुंचे सौरभ राज ने पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि लोगों को उनका काम बड़े पर्दे पर भी पसंद आएगा। यह एक नई शुरूआत और नई पारी है।

सूडोकु नवताल- 6502

कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6501 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्दजाल - 7249

म	पु	णे	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	ट्य
रा	वि	ली	प्रे	दि	ल्ली	मे	ष	बा	दी	छ
मि	आ	ब	वृ	क	इं	मुं	ब	न	को	वा
बें	थु	ल	ना	क	डि	आ	ब	ल	ल	चा
न	ग	न	भ	ग	या	ल	न	ई	का	क
ली	ती	लो	सू	र	पु	सिं	निं	ग	ता	न
र	स	बा	र	स	क	र	ऊ	ई	है	ब
क	फ	चो	त	क	रा	म	तु	ला	द	म
स	या	औ	र	आ	क	गॉ	ल	प	रा	जी
कुं	भ	म	प	द	अ	ह	म	दा	बा	द
र्त	चे	न्न	ई	ग	र	ल	स	प	द	म

शब्दजाल में देश के सर्वाधिक करोड़पति वाले 10 शहरों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

मुंबई, दिल्ली, पुणे, कोलकाता, सूरत, चेन्नई, अहमदाबाद, बेंगलोर, नागपुर, हैदराबाद

शब्दजाल - 7248 का हल

अ	सु	ग	ए	ल	न	बो	र्ड	रे	र	जो
दा	नी	ल	ग	गो	र्ड	न	ग्नि	नी	ज	वे
गि	ल	शे	स	बा	छ	ची	ता	रा	क	द
री	गा	र	दो	चि	ज	न	ह	ग्रे	त	मिं
क	व	दो	ग्रा	लू	न	का	म	ग	व	या
ज	स्क	ल	ह	य	ख	तें	ना	चै	र	दा
मा	र	म	म	या	प	र	दु	प	र	द
र्क	र्ज	ल्जा	गू	धा	ब	क	गो	ल	श	ण
टे	बा	म	च	ब्रा	ह	त्या	री	श	क	क
ल	दु	आ	प	स्वी	व	वॉ	ग	बें	हा	र
र	दु	ल्हे	रा	अ	ज	ह	रु	द्दी	न	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6202

	5		1	6		4
	37		37		29	3
2	4		7		6	1
	31	1	28		32	
	6		2		3	7
1	28	4	27		33	
	1		3		4	6

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6201 का हल

6	1	7	4	3	5	2
2	28	4	40	7	35	4
1	2	5	6	4	7	3
5	28	3	38	6	34	1
4	2	6	3	5	1	7
3	31	2	24	1	30	6
7	6	1	4	2	3	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

बेंगलुरु स्मैशर्स ने पुनेरी पलटन को 8-7 से हराया; प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार

पुणे । अल्टीमेट टेबल टेनिस के चौथे सीजन में बेंगलुरु स्मैशर्स के नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार हैं। रविवार को बेंगलुरु की टीम ने पुनेरी पलटन को रोमांचक मुकाबले में 8-7 के अंतर से हरा दिया। इस मैच में स्टार भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और नतालिया बाजोर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेंगलुरु स्मैशर्स के नॉकआउट में जाने की उम्मीदों को जिंदा रखा है। पुनेरी पलटन ने इस मैच में शानदार शुरुआत की थी और इस टीम को जीत के लिए केवल एक गेम की जरूरत थी, ऐसे में नतालिया मुकाबले के आखिरी मैच के लिए टेबल पर आईं और उन्होंने अर्चना कामथ को 3-0 से हराकर बेंगलुरु स्मैशर्स को लीग में जीवित रखा। पहले गेम में नतालिया ने 11-8 से रोमांचक जीत दर्ज की। उन्होंने शक्तिशाली फोरहैंड के साथ सटीक बैकहैंड लगाए और उसी स्कोरलाइन से दूसरा गेम भी जीत लिया। पोलिश पैडलर ने फिर निर्णायक गेम में भी अपना धैर्य बनाए रखा और अपने पिनपॉइंट शॉट्स से इसे भी 11-9 से जीतकर 3-0 से मुकाबला जीता। इससे पहले, भारत की सर्वोच्च रैंक वाली महिला खिलाड़ी मनिका ने चेक गणराज्य हाना माटेलोवा को 2-1 से हराकर बेंगलुरु स्मैशर्स के लिए सीजन 4 में अपनी तीसरी महिला एकल जीत दर्ज की। दुनिया की 35वें नंबर की खिलाड़ी मनिका ने शुरुआत में ही अपने बैकएंड पर उम्दा कंट्रोल दिखाते हुए पहला गेम 11-9 से जीत लिया। इसके बाद हाना ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 11-8 से जीत लिया और मैच को निर्णायक गेम में ले गईं। मनिका ने हालांकि तीसरे गेम में धैर्य बनाए रखा और इस गेम को 11-6 से अपने नाम करने के साथ-साथ मैच भी जीत लिया।

दुनिया के 58वें नंबर के खिलाड़ी किरिल गेरासिमेंको ने 2018 आईटीटीएफ अफ्रीकी-कप चैंपियन उमर अस्सर को 2-1 से हराकर बेंगलुरु फ्रेंचाइजी को बेहतरीन शुरुआत दी। दुनिया के 23वें नंबर के खिलाड़ी उमर ने पहले गेम की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और फ्लैक्स को टारगेट करते हुए इसे 11-8 से जीत लिया। इसके बाद हालांकि किरिल ने बेहतरीन वापसी करते हुए गोल्डन प्वाइंट के जरिए दूसरा गेम जीत कर हिसाब बराबर कर लिया। तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त टक्कर हुई।

न्यूज ब्रीफ

रियल मैड्रिड-एसी मिलान मैच से पहले हादसा, लाइव शो के दौरान गिरा यह दिग्गज फुटबॉलर; हालत स्थिर

नई दिल्ली । अमेरिका के कैलिफोर्निया में स्पेन के क्लब रियल मैड्रिड और इटली के क्लब एसी मिलान के बीच दोस्ताना मैच खेला गया। दोनों टीमें प्री-सीजन टूर के लिए अमेरिका गई हैं। रियल मैड्रिड और एसी मिलान के बीच मैच से पहले रोज बाउल स्टेडियम में एक हादसा हुआ। इंग्लैंड के क्लब वेस्ट हैम के पूर्व गोलकीपर शाका हिसलोप लाइव शो के दौरान अचानक गिर गए। हिसलोप को तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया। वहां उनकी हालत स्थिर है। शाका हिसलोप ब्रॉडकास्टर ईएसपीएन के साथ फुटबॉल एक्सपर्ट के तौर पर जुड़े हैं। 54 साल के हिसलोप रियल मैड्रिड और एसी मिलान के बीच मैच से पहले डैन थॉमस के साथ बातचीत कर रहे थे। अचानक वह हंसते हुए नीचे गिर गए। इसे देखकर सभी हैरान हो गए। डैन थॉमस ने तुरंत ही सहायता मांगी और फिर हिसलोप को अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने हाफटाइम के बाद दर्शकों को हिसलोप के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी। थॉमस ने कहा कि घटना के बाद हिसलोप ठीक हो गए हैं। उन्होंने कहा, मेरे दोस्त साका यहां मौजूद नहीं हैं, लेकिन एक अच्छी खबर है। वह होश में हैं और बात कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वह इन सबके बारे में थोड़ा शर्मिंदा है। उन्होंने बहुत माफी मांगी है। वह ऐसा आदमी नहीं है जो पसंद करता हो कि लोग उसके बारे में हंगामा करें। स्पष्ट रूप से किसी भी प्रकार का निदान करना बहुत जल्दी है, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि साका सचेत हैं। हमने उनके परिवार से भी बात की है। रियल मैड्रिड की टीम ने मैच में शानदार प्रदर्शन किया। उसने एसी मिलान को 3-2 से हरा दिया। एक समय मैड्रिड की टीम मैच में 0-2 से पीछे चल रही थी, लेकिन वापसी के लिए मशहूर इस टीम ने मिलान को चौंका दिया। इंग्लैंड के डिफेंडर फिकायो टोमोरी ने मिलान को 25वें मिनट में गोल कर मैच में 1-0 से आगे कर दिया। 42वें मिनट में लुका रोमेरो ने दूसरा गोल कर एसी मिलान को 2-0 से आगे कर दिया।

बीसीसीआई मीडिया राइट्स...दो दिनों में जारी हो सकता है टेंडरः डिजिटल और टीवी के राइट्स अलग-अलग होंगे; 19 अगस्त तक नए ब्रॉडकास्टर का ऐलान संभव

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड 25 जुलाई तक बीसीसीआई मीडिया राइट्स 2023-27 के लिए टेंडर जारी करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई और उसके सलाहकार अर्न्स्ट एंड यंग ने संभावित ब्रॉडकास्टर्स को सूचित किया है कि टेंडर नहीं तो जारी किए जाएंगे। मीडिया राइट्स की बिक्री का ऐलान 19 अगस्त हो सकता है, क्योंकि बीसीसीआई ने इस तारीख तक ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर के नाम का ऐलान करने का लक्ष्य रखा है। ये राइट्स भारत में होने वाले मैच के लिए रहेंगे। वर्ल्ड कप 2023 से पहले भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज के लिए नए ब्रॉडकास्टर्स के शामिल होने की उम्मीद की जा रही है। इस बार भी मीडिया राइट्स की डील पांच साल (2023 से 2027 तक) की होगी। बीसीसीआई इस बार टीवी और डिजिटल के लिए अलग-अलग मीडिया राइट्स बेचेगा।

जाफर और इशांत बोले, विश्वकप में बुमराह निभा सकते हैं अहम भूमिका

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर और अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने कहा कि अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में जसप्रीत बुमराह अहम भूमिका निभा सकते हैं। बुमराह चोट और सर्जरी के कारण काफी समय से खेल से दूर हैं। अब हालांकि वह उबर गये हैं और रिहैब से गुजर रहे हैं। बुमराह अपने पुनर्वास के अंतिम चरण में है और उन्होंने नेट्स में अपनी गेंदबाजी फिर से शुरू कर दी है।जाफर के अनुसार बुमराह भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज हैं। अंतिम ओवरों में उनकी कमी टीम इंडिया का खल रही है। साथ ही कहा कि अगर वह वापसी पर उसी गति से गेंदबाजी करेंगे तो उनसे बेहतर कोई नहीं होगा। जाफर ने कहा, वह गेंदबाजी आक्रमण का एक बड़ा हिस्सा हैं। मुझे लगता है कि विश्व कप में उनकी बेहद अहम भूमिका होगी। हम उन्हें डेथ ओवरों की गेंदबाजी के लिए याद कर रहे हैं। इस साल हमें उनकी कमी खली है।

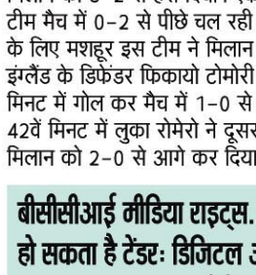

सिराज बोले- फ्लैट पिच पर 5 विकेट लेना आसान नहीं

ईशान ने कहा- ऋषभ के टिप्स काम आए; बैटर ने 33 गेंद पर फिफ्टी लगाई

पोर्ट ऑफ स्पेन । भारत-वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट मैच त्रिनिदाद के पोर्ट ऑफ स्पेन में खेला जा रहा है। मैच के चौथे दिन भारत से मोहम्मद सिराज ने फ्लैट पिच पर 5 विकेट लिए, वहीं विकेटकीपर बैटर ईशान किशन ने 33 गेंद पर फिफ्टी लगाई और 52 रन की नॉट आउट पारी खेली। मैच के बाद ईशान ने कहा, वेस्टइंडीज आने से पहले एनसीए में ऋषभ (पंत) से बातें कीं। उन्होंने मुझे कुछ बैटिंग टिप्स दीं, जिनसे मैं अच्छा परफॉर्म कर सका। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, फ्लैट विकेट पर 5 पिच लेना आसान नहीं था। लेकिन बॉल रिवर्स स्विंग हो रही थी, मैंने उसी का फायदा उठाया।

फ्लैट पिच पर 5 विकेट

फ्लैट पिच पर 5 विकेट लेना इतना आसान नहीं है। मैं अपने फिटनेस ट्रेनर सोहम भाई को थैंक्यू कहना चाहूंगा, उन्हीं की वजह से मेरी फिटनेस इम्प्रूव हुई और मैं लम्बे स्पेल डालने के बाद भी अच्छा परफॉर्म कर सका। बॉल रिवर्स स्विंग हो रही था, मैंने उसका फायदा उठाया, लाइन-लेंथ पकड़ कर बॉलिंग की और मुझे विकेट मिले।

जिम्मेदारी को चैलेंज के रूप में देखना

मुझे जिम्मेदारी लेना अच्छा लगता है। सीनियर पेसर्स के बिना तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी मुझ पर रहती है, मैं इसे चैलेंज के रूप में देखता हूं और मुझे चैलेंज लेना पसंद है।

इतनी गर्मी, ह्यूमिडिटी और बारिश के बीच पेसर्स के लिए लम्बे स्पेल डालना आसान नहीं है। मैं अपनी बॉडी को वॉर्म-अप रखने की कोशिश करता हूं, जितना हो पाता है उतना सिचुएशन के हिसाब से बॉलिंग करने पर ही ध्यान देता हूं।

मुकेश को फ्लैट पिच की आदत

मुकेश नया खिलाड़ी नहीं है। उसने रणजी ट्रॉफी में बहुत मुश्किल पिच पर परफॉर्म कर टीम में जगह बनाई। रणजी में इससे भी ज्यादा फ्लैट विकेट (पिच) रहते हैं, मुकेश ने वहां विकेट लिए हैं। वहां परफॉर्मेंस देना बड़ा अचीवमेंट है। भारत के लिए पहला मैच खेलना, वो भी सीधा टेस्ट मैच, मुश्किल तो रहता है लेकिन वो अपनी लाइन-लेंथ को मैंटेन कर अच्छी बॉलिंग कर रहा है। हमें तो जब भी मौका मिलता है हम उसे (मुकेश को) सताते हैं, उसके बारे में पूछते रहते हैं। दिमाग में यही रहता है कि अपने फास्ट बॉलर के साथ बॉन्डिंग बनाए ताकि वो अपनी चीजें शेयर करें और अपना परफॉर्मेंस खुल कर दे।

ईशान एग्रेसिव बैटिंग करता है

ईशान एग्रेसिव बैटिंग ही करता हैं, उसमें ऋषभ पंत की कमी को पूरी करने की क्षमता है। इसीलिए उसे बैटिंग ऑर्डर में प्रमोशन मिला और उसे तेजी से रन बनाने के लिए कहा गया। ईशान ने भी टीम प्लान पर काम किया और तेजी से रन बनाए।

ईशान बोले- ऋषभ की टिप्स काम आईं

मैच के बाद ईशान किशन बोले, मैं वेस्टइंडीज आने से पहले एनसीए में था। वहां ऋषभ भी था। उसने मुझे टेस्ट में बैट पोजिशन और टेक्निक जैसे कुछ पॉइंट्स पर काम करने के लिए कहा। हम दोनों इंडिया अंडर-19 और जूनियर क्रिकेट से एक साथ खेल रहे हैं। मुझे भी चाहिए था कि कोई मुझे अपनी बैटिंग इम्प्रूवमेंट के टिप्स दे, उससे बात कर के बहुत अच्छा लगा और मैं इस पारी के लिए उनका शुक्रगुजार रहूंगा। ईशान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में डेब्यू किया। तब वह एक ही रन बना सके, लेकिन दूसरे टेस्ट में उन्होंने 25 और 52* रन की पारियां खेलीं। दूसरी पारी में उन्होंने 34 गेंदों पर ही 4 चौके और 2 छक्के लगाए और टीम का स्कोर 24 ओवर में ही 181 रन तक पहुंचा दिया।

भारत को पांचवें दिन 8 विकेट की जरूरत

भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरे टेस्ट में पांचवें दिन का खेल खेला जाएगा। वेस्टइंडीज को 365 रन का टारगेट मिला है, टीम ने 2 विकेट पर 76 रन बना लिए हैं। भारत को मैच और सीरीज जीतने के लिए 90 ओवर में 8 विकेट चाहिए, वहीं वेस्टइंडीज को सीरीज 1-1 से बराबर करने के लिए इतने ही ओवरों में 289 रन की जरूरत है।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने खरीदी यह दमदार लग्जरी एसयूवी

नई दिल्ली । ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने अपने कार कलेक्शन में एक नई (रेंज रोवर वेलार) एसयूवी को शामिल किया है। विश्व भाला फेंक चैंपियन ने हाल ही में वेलार एसयूवी खरीदी है जिसकी एक्स-शोरूम कीमत लगभग 90 लाख रुपये है। एथलीट को हरियाणा में लैंड रोवर शोरूम के बाहर सेंटोरिनी ब्लैक मेटैलिक एक्सटीरिय कलर वाली नई वेलार के साथ तस्वीर खिंचवाते हुए देखा गया। चोपड़ा ने जिस मॉडल को खरीदा है वह एसयूवी का आउटगोइंग वर्जन है, जिसे जल्द ही नया फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च होने वाला है। (2023 रेंज रोवर वेलार) के इस साल त्योहारी सीजन से पहले भारतीय सड़कों पर उतरने की उम्मीद है।

इंजन पावर

भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली लैंड रोवर एसयूवी में से एक है। इसे पेट्रोल और डीजल दोनों वर्जन में पेश किया गया है। एसयूवी 2.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल यूनिट के साथ आती है जो 247 का पावर और 365 का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। 2.0-लीटर डीजल इंजन 201 का पावर और 430 का पीक टॉर्क जेनरेट कर सकता है। दोनों इंजन ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से जुड़े हैं।

वाहनों के दीवाने नीरज

नीरज चोपड़ा तब प्रसिद्धि में आए जब उन्होंने टोक्यो में 2020 ओलंपिक खेलों में पुरुषों की भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता। उनकी उपलब्धि को महिंद्रा एंड महिंद्रा ने उन्हें अपनी फ्लैगशिप एसयूवी एक्सयूवी 700 का एक स्पेशल एडिशन बतौर तोहफे में दिया था। नीरज को बाइक्स भी खासा शौक है और उनके कलेक्शन में कई दोपहिया वाहन हैं। इनमें (हार्ले डेविडसन 1200 रोडस्टर) से लेकर (बजाज पल्सर 200) तक शामिल हैं।

कैसी है नई वेलार

इससे पहले, लैंड रोवर ने भारत में रेंज रोवर वेलार के लिए बुकिंग शुरू की थी। नई रेंज रोवर वेलार दो पावरट्रेन विकल्पों के साथ डायनेमिक एचएसई में उपलब्ध है - 2.0-लीटर पेट्रोल इंजन जो 246 का पावर और 365 टॉर्क देता है और 2.0-लीटर इंजीनियम डीजल इंजन जो 201 का पावर और 420 टॉर्क जेनरेट करता है।

जमैका को पहली बार मिला अंक, महिला विश्व कप में फ्रांस को गोलरहित ड्रॉ पर रोका

सिडनी । दुनिया की 43वीं रैंकिंग की टीम जमैका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को महिला फुटबॉल विश्व कप के ग्रुप-एफ के मुकाबले में विश्व की पांचवें नंबर की टीम फ्रांस को गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया। पिछले साल यूरोपियन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल तक का सफर करने वाली फ्रांस की टीम की खिलाड़ी एक-दूसरे को अच्छे से पास नहीं दे पाईं जिसके कारण उन्हें गोल करने में परेशानी हुई।

जमैका की टीम को इस टूर्नामेंट में पहली बार कोई अंक मिला है। जमैका ने विश्व कप में 2019 में पदार्पण किया था और तब उसे तीन मैचों में शिकस्त मिली थी। वह अपने ग्रुप में एक अंक लेकर दूसरे स्थान पर है जबकि फ्रांस शीर्ष पर है। जमैका की टीम को 42वें मिनट में गोल करने का मौका मिला, लेकिन वे फायदा नहीं उठा पाईं।

स्टेफनी के गोल से नीदरलैंड्स की जीत

स्टेफनी वान डर ग्राट के गोल की मदद से नीदरलैंड्स ने महिला फुटबॉल विश्व कप में पुर्तगाल को 1-0 से हरा दिया। स्टेफनी ने 13वें मिनट में हेडर से गोल किया। इस 30 साल की खिलाड़ी का यह टूर्नामेंट का सबसे तेज गोल भी था। स्टेफनी की योजना विश्व कप के बाद संन्यास लेने की है। ग्रुप-ई में अब नीदरलैंड्स का सामना बृहस्पतिवार को वेलिंगटन में अमेरिका से होगा। पुर्तगाल की टीम वियतनाम से भिड़ेगी।

अमांडा के गोल से स्वीडन को मिली जीत

अमांडा इलेस्टेड के 89वें मिनट में दागे गए गोल की मदद से स्वीडन ने रविवार को महिला फुटबॉल विश्व कप के ग्रुप-जी के मैच में दक्षिण अफ्रीका पर 2-1 से जीत हासिल की। इससे दक्षिण अफ्रीका की टूर्नामेंट में पहला बड़ा उलटफेर करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया।

दक्षिण अफ्रीका ने हिल्दाह मिगाला के 48वें मिनट में गोल से बढ़त बनाई थी जिससे स्वीडन की टीम दबाव में आ गई थी, लेकिन स्वीडन ने 64वें मिनट में फ्राइडोलिना रोल्फो के गोल से 1-1 से बराबरी की। मैच खत्म होने में महज एक मिनट का समय बचा था और फिर अमांडा ने कॉर्नर पर हेडर से गोल कर स्वीडन की जीत पक्की कर दी।

बजरंग-विनेश का नाम एशियाड के लिए भेजा, रवि दहिया बाहर, अंतिम की एंट्री स्टैंडबाय में भेजी

नई दिल्ली । हांगझोऊ एशियाई खेलों की कुश्ती टीम के लिए रविवार को बजरंग (65) और विनेश (53) का नाम भेज दिया गया। इन दोनों के भार में हुए ट्रायल में जीतने वाले विशाल कालीरमण (65) और अंतिम पंघाल (53) की एंट्री बतौर स्टैंडबाई भेजी गई है। वहीं रविवार को आईजी स्टेडियम में हुए एशियाड के ट्रायल में सबसे बड़ा उलटफेर टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि कुमार (57) की हार के रूप में हुआ। इस हार के साथ रवि एशियाड की टीम से बाहर हो गए हैं।

सभी भार वर्गों में भेजे गए स्टैंडबाय नाम

भारतीय ओलंपिक संघ की तदर्थ समिति की ओर से एशियाड के दो दिवसीय ट्रायल सफलतापूर्वक कराए जाने के बाद रविवार को ही पुरुष फ्रीस्टाइल, ग्रीको रोमन, महिला वर्ग के 18 भार वर्गों की एंट्री भेज दी गई। बजरंग-विनेश को समिति ने एशियाड की टीम में सीधे प्रवेश दिया था, लेकिन समिति ने सभी 18 भार वर्ग में स्टैंडबाय पहलवानों के नाम भी भेजे हैं। बजरंग-विनेश के भार को छोड़ 16 भार वर्गों में ट्रायल में दूसरे स्थान पर रहे पहलवानों के नाम भेजे गए हैं। टीम में शामिल पहलवानों किसी कारणवश एशियाड में खेलने नहीं जाते हैं तो उनकी जगह स्टैंडबाय को मौका मिल सकता है।

एशियाई चैंपियन अमन टीम में

रविवार को हुए ट्रायल में 57 भार वर्ग में कड़ा मुकाबला हुआ। रवि कुमार को पहली ही बाउट में महाराष्ट्र के आतिश तोडकर 8-20 के स्कोर पर चित कर दिया। रवि पिछले कुछ समय से चोटिल चल रहे हैं। वह तीसरे अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग टूर्नामेंट में भी नहीं खेले थे। इस भार में राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता राहुल अवारे को भी हार का सामना करना पड़ा। एशियाई चैंपियन अमन सेहरावत ने फाइनल में राहुल को आसानी से हराया। इससे पहले सेमीफाइनल में अमन ने शुभम को कड़े संघर्ष में हराया। अमन ने कहा कि वह पहले शुभम से तीन बार हार चुके थे, लेकिन इस बार वह मौका नहीं छोडना चाहते थे।

इंडिया-ए इमर्जिंग एशिया कप हारी

फाइनल में पाकिस्तान-ए ने 128 रन से हराया; निशांत संधू प्लेयर ऑफ द सीरीज

कोलंबो । सितारों से सजी इंडिया-ए की टीम इमर्जिंग एशिया कप का फाइनल हार गई है। इंडिया-ए को पाकिस्तान-ए ने 128 रन से हराया। पाकिस्तान के लिए शतकीय पारी खेलने वाले तैय्यब ताहिर प्लेयर ऑफ द फाइनल रहे, जबकि निशांत संधू प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। ताहिर ने 108 रन बनाए, साथ ही 2 कैच पकड़े, वहीं निशांत संधू ने टूर्नामेंट में 11 विकेट चटकाए। कोलंबो में भारतीय कप्तान यश धुल ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बैटिंग करने उतरी पाकिस्तानी टीम ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 352 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 40 ओवर में 224 रन पर ऑलआउट हो गई। मानव सुथार 7 रन पर नाबाद लौटे, जबकि युवराज सिंह डोडिया 5 रन बनाकर आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए।

पाक ने लगातार दूसरी बार जीता खिताब

पाकिस्तान की टीम इस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी बार चैंपियन बनी है। टीम 2019 में भी चैंपियन बनी थी। तब पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराया था।भारतीय टीम टूर्नामेंट का पहला खिताब ही जीत सकी है। भारतीय टीम ने 2013 के पहले सीजन में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में पाकिस्तान-ए को हराया था। 2017 और 2018 में श्रीलंका-ए ने पाकिस्ताान-ए और भारत-ए को हराकर लगातार 2 खिताब जीते। अगले ग्राफिक्स में देखिए मौजूदा सीजन से पहले इमर्जिंग एशिया कप के चैंपियन फ्लॉप रहा मिडिल ऑर्डर 353 रन का टारगेट चेज करने उतरी इंडिया-ए का मिडिल ऑर्डर फ्लॉप रहा। ओपनर साई सुदर्शन (29 रन), अभिषेक शर्मा (61 रन) और कप्तान यश धुल (39 रन) के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज बड़ा स्कोर नहीं बना सका। इंडियन प्रीमियर लीग के स्टार रहे ध्रुव जुरेल, रियान पराग और हर्षित राणा जैसे मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज फेल रहे। दूसरा : लगातार विकेट गंवाए टीम इंडिया ने लगातार विकेट गंवाए, जो उसकी हार का कारण बने। टीम की ओर से कोई बड़ी साझेदारी नहीं हुई। टीम की ओर से सबसे बड़ी साझेदारी 64 रन की हुई। जो ओपनर साई सुदर्शन और अभिषेक शर्मा के बीच पहले विकेट के लिए हुई। तीसरा : समय पर विकेट नहीं ले सके भारतीय गेंदबाज भारतीय गेंदबाज समय पर पाकिस्तान के विकेट नहीं ले सके। पहली पारी में पाकिस्तानी ओपनर्स ने 121 रनों की पार्टनरशिप की, इस साझेदारी ने टीम के मजबूत स्कोर की नींव रही। बीच में भी पाकिस्तानी टीम से साझेदारियां हुई। इन्ही साझेदारियों के दम पर स्कोर 350 पार पहुंचा। अभिषेक शर्मा की फिफ्टी, कप्तान यश धुल ने बनाए 39 रन 353 का टारगेट चेज करते हुए भारतीय टीम की ओर से अभिषेक शर्मा ने 51 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली। उन्होंने साई सुदर्शन (29 रन) के साथ 64 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को अरशद इकबाल ने तोड़ा। उन्होंने साई सुदर्शन को कप्तान और विकेटकीपर मोहम्मद हारिस के हाथों कैच कराया। साई सुदर्शन के पीछे-पीछे निक जोश भी 11 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन लौट गए। उन्हें मोहम्मद वसीम जूनियर ने हारिस के हाथों कैच कराया। 20 रन के अंदर 2 विकेट गिरने पर अभिषेक शर्मा दवाब में आ गए और बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में कैच आउट हो गए। उन्हें सुफियान मुकीम ने तैय्यब ताहिर के हाथों कैच कराया। साई सुदर्शन, अभिषेक शर्मा के आउट होने के बाद कप्तान यश धुल भी बड़ी पारी नहीं खेल सके और 39 रन पर पवेलियन लौट गए। बांए हाथ के चाइनामैन पाकिस्तानी गेंदबाज सुफियान मुकीम ने 3 विकेट झटके, जबकि मेहरान मुमताज और मोहम्मद वसीम जूनियर को 2-2 सफलताएं मिलीं। ताहिर का शतक, फरहान-अयूब की फिफ्टी, टारगेट 353पाकिस्तान ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 352 रन बनाए। तैय्यब ताहिर ने सबसे ज्यादा 108 रन (71 गेंद) बनाए। साहिबजादा फरहान ने 65 और सैम अयूब ने 59 रन की पारी खेली। भारत की ओर से राजवर्धन हंगरगेकर और रियान पराग ने 2-2 विकेट लिए। हर्षित राणा, मानव सुथार और निशांत सिंधु ने 1-1 विकेट लिया। 10 गेंद में पाकिस्तान ने 3 विकेट गंवाए सैम अयूब 59 रन बनाकर आउट हुए, उन्हें मानव सुथार ने पवेलियन भेजा। साहिबजादा फरहान 65 रन बनाकर रन आउट हुए। रियान पराग ने 2 लगातार गेंदों पर 2 विकेट लिए। उन्होंने 28वें ओवर की पहली गेंद पर ओमैर बिन यूसुफ (35 रन) और दूसरी गेंद पर कासिम अकरम (0 रन) को आउट किया। 29वें ओवर की चौथी गेंद पर मोहम्मद हारिस भी आउट हो गए। उन्हें निशांत सिंधु ने आउट किया।

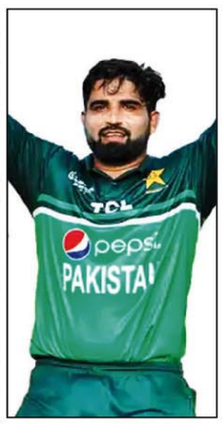

ज्यादा शक्कर खाना हो सकता है हानिकारक

अधिक मात्रा में शक्कर का सेवन करने से त्वचा पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। रिसर्च द्वारा यह बात सामने आई है कि शक्कर आपकी त्वचा के लिए बिल्कुल भी अच्छी नहीं है,शक्कर त्वचा में मौजूद जल को सोख लेती है और उसे रूखा बना देती है। इससे त्वचा झूलने लगती है। अगर आप ढेरों शक्कर खाती हैं तो उसे बैलेंस करने के लिए ढेर सारा पानी पीना ना भूलें।

काला नमक देता है बड़े फायदे

रोज सुबह काला नमक और पानी मिला कर पीना शुरु करें। इससे आपका ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर,ऊर्जा में सुधार, मोटापा और अन्य तरह की बीमारियां ठीक होंगी। काले नमक में 80 खनिज और जीवन के लिए वे सभी आवश्यक प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं, जो हाइड्रोक्लोरिक एसिड और प्रोटीन को पचाने वाले इंजाइम को उत्तेजित करने में मदद करते हैं। इससे खाया गया भोजन आराम से पच जाता है।

आयुर्वेद से करें गठिया का उपचार

सामान्यतया गठिया रोग 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को होता है, लेकिन वर्तमान में इसकी चपेट में युवा ही नहीं बच्चे भी आ रहे हैं। गठिया का रोग यानी आर्थराइटिस से शरीर के जोड़ो में दर्द और सूजन आ जाती है। गठिया रोग अचानक नहीं होता बल्कि धीरे-धीरे फैलता है इसलिए गठिया का सही उपचार जरूरी है। जरूरी नहीं है कि आप गठिया के उपचार के लिए एलोपैथ की शरण में ही जाएं, इसके लिए आप आयुर्वेद का सहारा ले सकते हैं। आयर्वेद के जरिए गठिया के सभी प्रकारों जैसे - रूमेटायड आर्थराइटिस, ऑस्टियो आर्थराइटिस, गाउट, जुवेनाइल आर्थराइटिस और ऐंकलूजिंग स्पोंडीलोसिस आदि का उपचार आसानी से कर सकते हैं। इस लेख में विस्तार से जानिए आयुर्वेद के जरिए गठिया का कैसे कर सकते हैं उपचार। आमतौर पर गठिया होने का प्रमुख कारण आनुवांशिक होता है, लेकिन कई बार किसी भयंकर बीमारी या संक्रमित रोग के कारण भी गठिया रोग हो जाता है। आर्थराइटिस को आयुर्वेद में आम-वात के नाम से जाना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार गठिया होने के कारकों में खराब पाचन, खानपान की गलत आदतें और निश्क्रिय जीवनशैली के साथ ही वात दोष को माना गया है।

आयुर्वेद से उपचार

आयुर्वेद में गठिया का पूरी तरह से इलाज किया जाता है न कि सिर्फ दर्द को खत्म करने की कोशिश की जाती है। यानी गठिया का स्थाई इलाज आयुर्वेद में ही संभव है। गठिया का इलाज लंबा होता है। इसीलिए आयुर्वेद में गठिया के इलाज को योजनाबद्ध तरीके से किया जाता है इसलिए पीड़ित की जीवनशैली, रहन-सहन और खानपान आदि पर खास ध्यान दिया जाता है।

उपचार के साथ दिनचर्या

गठिया में सिर्फ आयुर्वेदिक औषधियां ही नहीं बल्कि अच्छी खुराक लेने की सलाह भी दी जाती है। दरअसल, आयुर्वेद के इलाज के दौरान, गठिया के मूल कारणों को खोजने और फिर उसका सही रूप में उपचार करने पर अधिक ध्यान दिया जाता है। यदि किसी व्यक्ति में गठिया रोग वात बिगड़ने और दोषपूर्ण पाचन की वजह से हुआ है तो आयुर्वेद में उसके इलाज स्वरूप रोगी की असंतुलित शारीरिक ऊर्जाओं को शांत करने और पाचन क्षमता बेहतर करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है।

परहेज भी जरुरी

गठिया के उपचार में जितनी जरूरी इसकी चिकित्सा है, उससे कहीं अधिक जरूरी परहेज भी है। रोगी के लिए विशेष प्रकार के व्यायाम कराए जाते हैं और सप्ताह में एक से दो बार सोने के पहले 25 मिलीलीटर एरंड के तेल का दूध के साथ सेवन कराते हैं। इसके अलावा लक्ष्णों व रोग की गंभीरता के आधार पर उपचार किया जाता है। उपचार के दौरान रोगी को दर्द कम करने के लिए एंटी-रुमेटिक और एंटी-इंफ्लेमेट्री दवाएं दी जाती हैं साथ ही भरपूर आराम करने की सलाह दी जाती है।

उपचार और खानपान

गठिया के मरीजों के लिए खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है। अधिक तेल व मिर्च वाले भोजन से परहेज रखें और डाइट में प्रोटीन की अधिकता वाली चीजें न लें। भोजन में बथुआ, मेथी, सरसों का साग, पालक, हरी सब्जियां, मूंग, मसूर, परवल, तोरई, लौकी, अंगूर, अनार, पपीता, आदि का सेवन करें। इसके अलावा नियमित रूप से लहसुन व अदरक आदि का सेवन भी इसके उपचार में फायदेमंद है। अर्थराइटिस के इलाज के लिए इम्यून सिस्टम का मजबूत होना बेहद आवश्यक है, साथ ही पाचन तंत्र का भी बेहतर होना जरूरी है। इसलिए नियमित व्यायाम के साथ खानपान का विशेष ध्यान रखें।

क्या आप भी अपने बच्चे को बैठाते हैं वॉकर में?

वॉकर पर बैठे शिशु को इधर-उधर तेज गति से चलते हुए देखकर हर माता-पिता का मन प्रफुल्लित हो उठता है। वॉकर के बारे में ज्यादातर माता-पिता की यह धारणा है कि वॉकर के सहारे शिशु न केवल शीघ्र चलना सीख लेगा, बल्कि उसका शारीरिक विकास भी होगा। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो अलर्ट हो जाए, क्योंकि इस संबंध में जो शोध हुए है उसके अनुसर वॉकर शिशु के विकास को मन्द करता है। यह देखने में आया है कि शिशु के लिए वॉकर का प्रयोग माता-पिता कुछ सीमा तक अपनी सुविधा के लिए करते हैं। यह जानते हुए भी कि शिशु अभी ढंग से बैठना या घुटने के बल रेंगना या चलना नहीं सीखा है। आपको बता दें जिन शिशुओं की उम्र 2 वर्ष से कम है उनके वॉकर की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती है।

शिशुओं के एक वृहद समूह के लिए वॉकर का प्रयोग करने व नहीं करने वाले सम्मिलित है, इसका अध्ययन उनके शारीरिक संचारण और मानसिक विकास को लेकर किया गया था।

अनुसंधान में यह उजागर हुआ कि 6 से 15 माह के 109 शिशुओं में से जिन 56 शिशुओं को वॉकर दिया गया था, वो शारीरिक संचारण और मानसिक विकास के मापदंडों जैसे बैठना, रेंगना, चलना शामिल है में बिना वॉकर के 53 शिशुओं से तुलना में काफी पीछे रहे। इस अध्ययन से यह तथ्य सामने आया कि जो शिशु ने वॉकर का प्रयोग नहीं किया था। वो औसतन पांच माह की उम्र में बैठना, आठ माह में घुटने के बल रेंगना और दस माह की उम्र में चलने लायक हो गया था।

क्या कहता है शोध

शोधकर्ताओं के अनुसार शिशु घर के परिवेश में चल फिर कर बहुत सी वस्तुओं की खोज कर काफी कुछ सीखता है। वह किसी चीज या वस्तु को गिराकर फैक कर उसको प्राप्त करने के लिए हर तरह की शारीरिक क्रिया करता है, जो कि वॉकर पर बैठे शिशु के लिए संभव नहीं हो पाता है और ऐसी परिस्थिति में वह अपने स्तर पर अनुसंधान/खोज नहीं कर पाता, जिसके फलस्वरूप उसके ज्ञान और बुद्धि का विकास भी नहीं हो पाता है।

वॉकर के कुप्रभाव

चाइल्ड स्पेशलिस्टस की मानें तो वॉकर के उपयोग में बच्चे के चोट लगने की संभावना रहती है। सामान्य बच्चों की तुलना में वॉकर का उपयोग करने वाले बच्चे सिढियां चढ़ने व उतरने में दिक्कत करते है और गिरने की संभावना ज्यादा रहती है। वॉकर की वजह से हैड इंजरी व मौत तक हो सकती है। अन्य प्रकार की चोटें जैसे फ्रैक्चर, केमिकल्स व जहरीले तरल पदार्थों को पी लेना, पानी का पौंड में डूब जाना शामिल है, होने की संभावना रहती है। एक साल से कम उम्र के बच्चे जिनकी टांगों में वजन झेलने की क्षमता कम होती है, वॉकर में खड़े होने से और टांगों पर जोर पड़ने से गोल मुड़ (बो-लेग्स) जाती है।

मेकअप उतारने के लिए लगाएं बादाम तेल

कई लड़कियों को आंखों पर लगा हुआ काजर और मस्कारा उतारने में थोड़ा समय लगता है। दुनिया की बहुत सी लड़कियों ने आंखों के मेकअप को उतारने के लिए बादाम तेल का इस्तेमाल किया है, जिससे उनका मेकअप बिना महनत किए ही उतर जाता है। बादाम तेल में बिल्कुल भी कैमिकल नहीं होता, जिससे त्वचा पर कोई बुरा असर पड़े। यह चेहरे पर कोमलता का एहसास छोड़ जाता है। इसे चेहरे या आंखों पर लगाने से यह त्वचा से आराम से छूट भी जाता है और बिल्कुल भी नहीं चिपचिपाता।

बादाम का तेल लगाने का तरीका

अपनी उंगलियों पर जरुरत भर का तेल ले कर पूरे चेहरे तथा आंखों पर लगाएं। फिर एक कॉटन बॉल ले कर उसमें गुलाब जल डाल कर चेहरे से एक्सट्रा ऑइल साफ करें।

थोड़ा सा और तेल ले कर आंखों से मस्कारा और आइलाइनर छुड़ा लें। एक बार मेकअप साफ कर लेने के बाद चेहरे को हल्के गरम पानी से धो लें।

चेहरे पर बादाम का तेल लगाने से ना केवल मेकअप साफ होता है, बल्कि चेहरे पर चमक भी आ जाती है। तो अब से बाजारू मेकअप रिमूवर ना खरीद कर बादाम तेल का ही प्रयोग करें।

जानें क्या होते हैं फ्रेकल्स

फ्रेकल्स त्वचा पर होने वाले एक प्रकार के दाग हैं। जो आकार में छोटे, चपटे तथा लाल या भूरे रंग धब्बे होते हैं। यह एक आम समस्या है। यह समस्या आमतौर पर लोगों में पाई जाती हैं और पूरी तरह नुकसानरहित होती हैं। हल्के रंग की त्वचा वाले लोगों में ये ज्यादा पाए जाते हैं क्योंकि उनमें त्वचा को सूर्य किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने वाला केमिकल मैलेनिन (त्वचा सेल्स द्वारा उत्पन्न) कम मात्रा में होता है। त्वचा में मैलेनिन के असमान वितरण के कारण ही फ्रेकल्स उत्पन्न होते हैं। किसी एक जगह पर मैलेनिन का अत्यधिक बनना भी फ्रेकल्स बना देता है। फ्रेकल्स अधिक देर तक धूप में रहने का परिणाम हैं जो सूर्य की किरणों से ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों में आम पाए जाते हैं। फ्रेकल्स आमतौर से चेहरे, कंधों और बांहों पर पाए जाते हैं। इस लेख को पढ़ें और फ्रेकल्स के बारे में विस्तार से जानें।

फ्रेकल्स के लक्षण: फ्रेकल्स किसी एक धब्बे या गुच्छों के रूप में भी अनियमित विकसित होते हैं, गुच्छों में होने के कारण यह त्वचा पर बहुतायत में देखे जा सकता हैं।

आनुवंशिकी कारण: फ्रेकल्स आनुवांशिक कारणों से भी आपकी त्वचा पर हो सकते है। यानी आपके परिवार में किसी को फ्रेकल्स हों तो आपको भी होने के चांस बढ़ जाते हैं।

धूप भी कारण: धूप में ज्यादा रहने से त्वचा को अधिक मैलेनिन बनाना होता है ताकि सूर्य की हानिकारक किरणों से रक्षा की जा सके। किन्हीं हिस्सों पर मैलेनिन का इस तरह बनना या मैलेनिन का असमान वितरण फ्रेकल्स बना सकता है।

फ्रेकल्स के जोखिम कारण: गोरे रंग के लोगों में फ्रेकल्स होने की आशंका अधिक रहती है क्योंकि ऐसी त्वचा में मैलेनिन कम होता है और यह (धूप में)आसानी से झुलस सकती है।

फ्रेकल्स का उपचार

अधिकतर मामलों में फ्रेकल्स हानिरहित होते हैं और कॉस्मेटिक कारणों को छोड़ दें तो इनका उपचार आवश्यक नहीं होता। त्वचा टोन की रिसेम्बलिंग हेतु एक जैसी टोन लाने के लिए फ्रेकल्स को हल्का करने हेतु ब्लीचिंग क्रीम का उपयोग किया जा सकता है। हालांकि यह प्रभावित त्वचा को असमान बना सकती है और रैशेज की वजह भी बन सकती है। लेजर ट्रीटमेंट या इन्टेन्स पल्सड लाइट थेरेपी पिगमेंटेशन को खत्म कर सकती है लेकिन परिणाम भिन्न हो सकते हैं और अनेक सिटिंग की जरूरत हो सकती है। क्रायोथेरेपी या तरल नाईट्रोजन द्वारा फ्रीजिंग। केमिकल पील्स।

फ्रेकल्स की रोकथाम

चूंकि गोरी त्वचा वाले लोगों को आसानी से फ्रेकल्स हो जाते हैं और सूरज की धूप से त्वचा का निरंतर अत्यधिक क्षतिग्रस्त होना आपके लिए त्वचा कैंसर होने के चांस बढ़ा सकता है। इसलिए रोकथाम के उपाय अपनाए जाने की जरूरत होती है। फ्रेकल्स ऐसी त्वचा का लक्षण है जो आसानी से सनबर्न का शिकार हो सकती है जिससे आगे चलकर त्वचा कैंसर हो सकता है। कम से कम 30 एसपीएफ वाली सनस्क्रीन इस्तेमाल करें और फिर उपयोग संबंधी लेबल निर्देशों का पालन करें। ज्यादा देर तक धूप में रहने से बचें।

बारिश में सेहतमंद बनाता है अदरक

बारिश के दिनों में भीगने का मजा ही कुछ और है। बाद में सर्दी होने से सारा मजा किरकिरा हो जाता है। इस दौरान चाय और भोजन में उपयोग किया जाने वाला अदरक आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है। इसके सूखे हुए स्वरूप को सोंठ कहा जाता है।

अदरक के सेवन से आपकी स्वास्थ्य संबंधी आधी से ज्यादा समस्याएं चुटकियों में दूर हो सकती हैं। इसका इस्तेमाल हालांकि सालभर किया जाता है, लेकिन बरसात में अपनी डाइट चार्ट में इसको शामिल कर अदरक के कमाल के गुणों का लाभ आप उठा सकते हैं...

बरसात में सर्दी, जुकाम, कफ की समस्या होना आम बात है। इस दौरान गर्मागर्म अदरक का काढ़ा या चाय बेहद लाभ देती है। इसके अलावा अदरक का सेवन तनाव कम करने और थकान दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा गले में इंफेक्शन या दर्द होने पर अदरक और काले नमक का एक साथ सेवन जल्द राहत पहुंचाता है।

खूबसूरती निखारता है अदरक

अदरक स्वाद के साथ ही खूबसूरती भी निखारता है। इसके लेप से त्वचा के दाग मिटने के साथ ही झुर्रियां भी कम होती हैं। जोड़ों के दर्द में भी यह फायदेमंद है। बस आपको दर्द वाली जगह पर अदरक का गर्म लेप लगाना है, इससे काफी फायदा मिलता है। इसके अलावा अमीबिक पेचिश, गठिया, साइटिका जैसी बीमारियों का इलाज भी अदरक में छिपा हुआ है।

श्वास संबंधी रोग में फायदेमंद

आपको बता दें अदरक की गर्म तासीर होने के कारण सांस संबंधी तकलीफ होने पर काफी फायदा मिलता है। नहीं रहेगी अपच की समस्या अदरक पाचन क्रिया को बेहतर करता है। अगर आपको भूख नहीं लग रही है या फिर उदरशूल की समस्या है, तब अदरक आपकी समस्या से छुटकारा दिला सकता है। जी मचलाना या अपच जैसी समस्याओं में भी अदरक बेहद लाभदायक है।

महिलाओं की समस्याएं होगीं दूर

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि महिलाओं में मासिक धर्म की अनियमितता और दर्द में भी अदरक के सेवन से निजात मिलती है। इसके अलावा गर्भाशय के कैंसर, डाइबिटीज और ह्रदय रोगियों को भी अदरक का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए।

रेसिपी

ओटस् रवा इडली

सामग्री

1/2 कप ओट्स का आटा, 1/2 कप सूजी, 1/2 कप ताजा दही, 2 टी-स्पून घी, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून हिंग, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 2 टेबल-स्पून मोटे कटे हुए काजू, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ धनिया, नमक, स्वाद अनुसार, 1/2 टी-स्पून फ्रूट सॉल्ट, **चुपड़ने के लिए:** तेल, **परोसने के लिए:** सांभर, नारियल की चटनी

विधि

ओट्स का आटा, सुजी, दही और ¾ कप पानी को एक गहरे बर्तन में मिलाइए और 30 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। एक छोटे नॉन-स्टिक पैन में घी गरम करें और उसमे सरसों डालिए। जब सरसों चटखने लगे, तब उसमे जीरा और हिंग डाले और मध्यम आंच पर कुछ सेकेंड भुनिए। अब इस तड़के को बाकी बची सामग्री, सिवाय फ्रूट सॉल्ट के, ओट्स और सुजी के मिश्रण के साथ मिलाइए। स्टिम करने से पहले, मिश्रण पर फ्रूट सॉल्ट डाले और उपर से 2 टी-स्पून पानी डाले। बुलबुले आना शूरु हो, तब उसे धीरे से मिलाइए। इडली पात्र को तेल लगाइए और उसमे मिश्रण डालकर स्टिमर में 7 से 8 मिनट इडली पकने तक स्टिम कीजिए। थोड़ा सा ठंडा करें और पात्र से निकाल कर सांभर और नारियल की चटनी के साथ तुरंत परोसे।

पनीर पीटा पॉकिट्स

सामग्री

पीटा ब्रैड: 3/4 कप संपूर्ण गेहूं का आटा, 3/4 स्पून दरदरा ताज़ा खमीर, 1/2 स्पून शक्कर, नमक, 1/2 स्पून तेल गूंधने के लिए, 2 स्पून तेल, 1 स्पून नींबू का रस, 12 मिलीमीटर (1/2) का टुकड़ा कसा हुआ अदरक, नमक , स्वाद अनुसार, 2 स्पून कटा हरा धनिया, 1 स्पून बहुत बारीककटा लहसुन, **पनीर कोलस्लो:** 1/2 कप 12 मिमी. (1/2) के चकोर टुकडो में कटा पनीर, 1 कप कतरी हुई बंद गोभी, 1/2 कप कसी गाजर, 1/2 कप अंडारहित मेयोनीज, 1/2 टी-स्पून सरसों का पाउडर, 1 से 2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक तथा ताजी पिसी काली मिर्च , स्वाद अनुसार

विधि

पीटा ब्रैड के लिए: सारी सामग्री को एक बाउल में डालकर पर्याप्त पानी की सहायता से नरम और इलास्टिक जैसा गूंध लीजिए। थोड़ा तेल डालिए और वापस गूंधिए। मलमल के गीले कपड़े से 10 से 20 मिनट तक ढक कर रख दीजिए जब तक फूलकर दुगना नही हो जाता। आटे को हल्के हाथ से दबाइए ताकि सारी हवा बाहर निकल जाए। आटे को 4 बराबर भागो में बांटिए। आटे के प्रत्येक भाग को 100मिमी. (4) व्यास और 6 मिमी. (द) मोटी रोटी के रूप में बेलिए। पीटा ब्रैड को मध्यम आंच पर गरम तवे पर दरारे पड़ने और फूलने तक थोड़ा सा सेकिए पीटा ब्रैड को 2 भागो में काटिए और एक तरफ रख दीजिए। **पनीर कोलस्लो के लिए:** एक बाउल में पनीर और मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथें से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सामग्री डालकर हल्के हाथों से मिलाइए और फ्रिज में रख दीजिए। कोलस्लो को 4 बराबर भागो में बांटिए और एक तरफ रख दीजिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**